सुविचार
सीखे गए को भूल जाने पर जो कुछ बच रहा है वही शिक्षा है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 29 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 252 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

परफॉर्मेंस से एक्ट्रेस मौनी ने किया मंत्रमुग्ध

12

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पाकुड़ में हॉस्टल के भोजन में मिली मरी छिपकली, 128 बच्चे बीमार

PAKUR : जिले के पाकुडिया में विषाक्त भोजन खाने से 128 बच्चे बीमार हो गये। बीमार बच्चों को पाकुडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट में भर्ती कराया गया है। घटना पाकुडिया के सिदो-कान्हू मुर्मू मेमोरियल इंग्लिश स्कूल की है। स्कूल के हॉस्टल में बच्चों को बुधवार रात खाना दिया गया था। तभी एक बच्चे को परोसी गयी सब्जी में मरी हुई छिपकली दिखी। इसे देखकर खाना खा रहे दूसरे बच्चे उल्टी करने लगे। इसके बाद धीरे-धीरे बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में स्कूल मैनेजमेंट ने 42 बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में जबकि 86 बच्चों को बंगाल के रामपुरहाट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पाकर जिले के सिविल सर्जन डॉ. मंटू कुमार टेकरीवाल व मुख्यालय डीएसपी बैजनाथ प्रसाद भी अस्पताल पहुंचे।

नवाचार में भारत 40वें स्थान पर बरकरार

NEW DELHI : विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की ओर से प्रकाशित वैश्विक नवाचार सूचकांक-2023 में भारत रैंकिंग में 132 अर्थव्यवस्थाओं में से 40वें स्थान पर बना हुआ है। वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में पिछले कई वर्षों से 81वें स्थान पर था। 2023 में सुधार के साथ भारत 40वें स्थान पर पहुंच गया। नीति आयोग के अनुसार महामारी से उत्पन्न संकट के खिलाफ देश की लड़ाई में नवाचार ने अग्रणी भूमिका निभाई है। यह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान में निहित है।

तेज रफ्तार ट्रक रिक्शे पर पलटा, चार की मौत

MUMBAI : चंद्रपुर जिले में बल्लारपुर बाईपास के पास बीती रात तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर रिक्शे पर पलटने से 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को तत्काल जिला सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया।पुलिस के अनुसार बुधवार देर रात बल्लार बाईपास पर अष्टभुजा मंदिर की ओर से तेज रफ्तार ट्रक रेलवे फ्लाईओवर की ओर जा रहा था। अचानक ट्रक चालक का नियंत्रण बिगड़ जाने से ट्रक बगल से गुजर रहे एक रिक्शा पर पलट गया। घटना में रिक्शे में सवार ऑटो चालक समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

EID MILADUNNABI

ईद मिलादुन्नबी पर रांची में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

पैगम्बर के बताए राह पर चलने व नेक बनने की लोगों से अपील

PHOTON NEWS RANCHI : ईद मिलादुन्नबी पर रांची के ग्रामीण सहित शहरी क्षेत्र के विभिन्न मुहल्लों से गुरुवार को जुलूस-ए-मोहम्मदी हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व उलेमाओं ने की। जुलूस का संचालन एदारा ए शरीया के मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, सुन्नी बरैलवी सेन्ट्रल कमेटी के अध्यक्ष मौलाना डॉ. ताजुद्दीन रिजवी, महासचिव अकीलुर्रहमान एवं प्रवक्ता मो. इसलाम ने संयुक्त रूप से किया। जुलूस-ए-मोहम्मदी कांटा टोली कुरैशी मुहल्ला, मौलाना आजाद कॉलोनी, गढ़ा टोली, रमजान कॉलोनी, थडपखना, पत्थलकुदुआ, गुदरी, कांके, भिट्ठा, बरियातू, हिंदपीढ़ी, पहाड़ी टोला, इस्लाम नगर, इलाहिबक्स कॉलोनी, कर्बला चौक, डोरंडा, पुनदाग, हटिया सहित रांची जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुजरा। इस दौरान उलेमाओं ने सभा को सम्बोधित करते हुए पैगम्बर मोहम्मद की जीवनी को विस्तार से बताते हुए उनके मार्ग पर चलने के साथ एक और नेक बनने की लोगों से अपील की।

श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा पर फैसला टला

शिवलिंग जैसी आकृति पर भी आदेश नहीं

AGENCY VARANASI : वाराणसी कोर्ट ने गुरुवार 28 सितंबर को ज्ञानवापी में मां श्रृंगार की नियमित पूजा का फैसला टाल दिया है। इसके अलावा वजूखाने में मिली शिवलिंगनुमा आकृति पर भी कोई आदेश नहीं दिया है। ये दूसरी बार है, जब इन दोनों मसले पर फैसला आगे बढ़ाया है। इससे पहले 25 सितंबर को कोर्ट को फैसला सुनाना था, लेकिन 28 सितंबर को फैसला सुनाने की तारीख तय की थी। अब दोनों मसले पर 5 अक्टूबर को कोर्ट फैसला सुनाएगा। इसके अलावा कोर्ट ने 2 अन्य याचिका पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सर्वे में मिलीं वस्तुओं और ऐतिहासिक साक्ष्यों को डीएम के पास सूचीबद्ध किया जाए। कोर्ट को भी एक कॉपी दी जाए। डीएम समय पर इसे कोर्ट में पेश करेंगे। इस दौरान हिंदू पक्ष की तरफ से दलील दी गई कि ज्ञानवापी परिसर में रहने वाले प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के लोग उसको नुकसान पहुंचा सकते हैं। वहीं, एएसआई सर्वे का खर्च कौन वहन करेगा? अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया। जस्टिस डॉ. अजय कृष्ण ने कहा कि एएसआई सर्वे की फीस इंतजामिया का सब्जेक्ट नहीं, हम इसे नहीं सुन सकते। अगर वाद दाखिल करना तो सुप्रीम कोर्ट जाएं। अब दोनों याचिका पर 5 अक्टूबर को कोर्ट में सुनवाई होगी।

साल में एक बार ही होती है श्रृंगार गौरी की पूजा

ज्ञानवापी से जुड़े 12 मामले लोअर कोर्ट और 4 मामले हाईकोर्ट में विचाराधीन हैं। वाराणसी में श्रृंगार गौरी की दैनिक पूजा के अधिकार की मांग लंबे समय थी। अभी श्रृंगार गौरी की पूजा पूरे साल में सिर्फ एक बार चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन की जाती है।

अमेरिका में 2 दिन बाद शटडाउन!

AMERICA : अमेरिका की बाइडन सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष के लिए धन उपलब्ध कराने में विफल रहती है, तो अमेरिकी सरकारी सेवाएं बाधित हो जाएंगी और लाखों कर्मचारियों के वेतन के लाले पड़ जाएंगे। या तो इन कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी दे दी जाएगी या फिर आवश्यक समझे जाने वाले कर्मचारी काम पर बने रहेंगे, लेकिन वो भी बिना वेतन के। कई सरकारी एजेंसियों और सेवाओं पर भी बड़ा असर हो सकता है। अरबों-खरबों के कर्ज में दबी अमेरिकी सरकार के किस विभाग के बंद होने का खतरा ज्यादा है? जानते हैं अगर ऐसा हुआ तो क्या खुला और क्या बंद रहेगा? रिपब्लिकन यूएस हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने बुधवार को सीनेट में आगे बढ़ने वाले स्टॉपगैप फंडिंग बिल को खारिज कर दिया। जिससे वाशिंगटन एक दशक में अमेरिकी सरकार के चौथे शटडाउन के करीब पहुंच गया है। जिसमें सिर्फ तीन दिन बचे हैं। इस शटडाउन से सैकड़ों-हजारों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी से छुट्टी हो जाएगी। आवश्यक पड़ने पर गिने-चुने कर्मियों को बिना वेतन रखा जाएगा। ऐसा तब तक है जब तक कि कांग्रेस एक फंडिंग बिल पारित करने में सफल नहीं हो जाती, जिस पर राष्ट्रपति जो बाइडेन के हस्ताक्षर होंगे। अमेरिका के फेडरल सरकार में हर वित्तीय वर्ष 30 सितंबर का होता है। यहां कांग्रेस को इससे पहले 438 सरकारी एजेंसियों के लिए फंडिंग का आवंटन करना होता है।

पश्चिमी सिंहभूम में IED ब्लास्ट, एक जवान शहीद

इनामी नक्सली मिसिर बेसरा की तलाश में निकले थे जवान

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को कोल्हान वन क्षेत्र के टोंटो थानांतर्गत तुम्बाहाका के पास आईईडी ब्लास्ट हुआ है। इसमें कोबरा बटालियन के भूपेंद्र कुमार (अधिकारी) व राजेश कुमार (जवान) घायल हो गए। इन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रांची भेजा गया। रांची में इलाज के दौरान अधिक खून बहने से कोबरा के जवान राजेश कुमार शहीद हो गए। वे छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। इसकी पुष्टि पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने की है। बताया जा रहा है कि जिस जगह पर आईईडी ब्लास्ट हुआ, वहां पुलिस व सुरक्षा बल के जवान पहुंचे और घायल जवानों को वहां से निकालने की कोशिश की। इसके बाद इनका प्राथमिक उपचार किया गया। फिर हेलीकॉप्टर से बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया। गौरतलब है कि घोर नक्सल प्रभावित तुम्बाहाका सहित आसपास के क्षेत्रों में नक्सलियों द्वारा आईईडी व स्पाइक होल बिछाकर रखा गया है। सर्च अभियान के दौरान अब तक सौ से ज्यादा आईईडी बम के अलावा स्पाइक होल को नष्ट किया जा चुका है। सुरक्षाबलों द्वारा सर्च अभियान चलाकर जंगल व पहाड़ी क्षेत्रों में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बम एवं स्पाइक होल की लगातार तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि सर्च अभियान के क्रम में सुरक्षाबल के दो जवान गुरुवार को आईईडी की चपेट में आ गए थे। इसमें वे जख्मी हो गए थे। इसके बाद उन्हें रांची भेजा गया था।

शहीद जवान राजेश कुमार।

- हेलीकॉप्टर से दोनों जख्मी जवान भेजे गए थे रांची
- अधिक खून बहने से कोबरा के जवान राजेश कुमार की गई जान

एक घायल, रिम्स में चल रहा इलाज

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में गुरुवार को कोबरा के दो जवान घायल हो गए थे। इंस्पेक्टर/जीडी भूपेन्द्र कुमार एवं सीटी/जीडी राजेश कुमार आईईडी विस्फोट में जख्मी हो गए थे, लेकिन कोबरा बटालियन के जवान राजेश कुमार अधिक खूब बहने के कारण इलाज के दौरान रांची में शहीद हो गए। इधर, इंस्पेक्टर भूपेन्द्र कुमार का रांची में इलाज चल रहा है। पुलिस बल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस मुख्यालय, झारखंड एवं सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर, झारखंड के सहयोग से हेलीकॉप्टर के माध्यम से तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी पदाधिकारी/जवान को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया था। आईईडी बम विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने नक्सल प्रभावित जंगली इलाके में अभियान चलाया। सुरक्षा बलों ने जंगल से दो आईईडी बम बरामद किए हैं। 31 स्पाइक होल बरामद किए गए हैं। इस दौरान 250 स्पाइक भी पुलिस को मिले हैं।

मणिपुर में दो लापता स्टूडेंट्स के घर के पास प्रदर्शन

पीड़ित की चाची बोली- अंतिम संस्कार के लिए बच्चों की बॉडी दे दो

AGENCY IMPHAL : मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले के टेरा में दो लापता स्टूडेंट्स के घर के पास गुरुवार 28 सितंबर को प्रदर्शन किया गया। हजारों लोग उनके घर के पास इकट्ठा हुए । उनकी मांग है कि जुलाई से लापता स्टूडेट्स की तलाश की जाए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। वहीं, पीड़ित लड़की की चाची ने कहा कि उन्हें सिर्फ बच्चों की बॉडी चाहिए ताकी वे उनका अंतिम संस्कार कर सकें। उन्होंने कहा कि हम किसी भी बात पर समझौता नहीं करेंगे, यहां तक कि जब तक शव उन्हें नहीं दिया जाता, तब तक आर्थिक मुआवजा भी स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लापता स्टूडेंट्स के घर के पास प्रदर्शन करतीं महिलाएं ● एजेंसी

मणिपुर में 23 सितंबर को मोबाइल इंटरनेट से बैन हटने के बाद दो स्टूडेंट्स के शवों की फोटो सामने आई थी, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। फोटो में दोनों की बॉडी जमीन पर पड़ी हुई नजर आ रही है। साथ ही लड़के का सिर कटा हुआ है। हालांकि, दोनों के शव अभी तक नहीं मिले हैं। जुलाई में दोनों स्टूडेंट्स एक दुकान में लगे सीसीटीपी कैमरे में दिखाई दिए थे, लेकिन उसके बाद से उनका पता नहीं चल सका है।

अपराधियों ने JMM नेता फलिंद्र मुंडा पर की चार राउंड FIRING

बाल-बाल बचे, घर के बाहर अखबार पढ़ रहे थे फलिंद्र

CRIME REPORTER RANCHI : जेएमएम नेता फलिंद्र मुंडा पर चार राउंड अपराधियों ने फाइरिंग कर दी। घटना उस वक्त हुई जब वे घर के बाहर अखबार पढ़ रहे थे। गनीमत रही की इस घटना में वे बाल-बाल बच गए। घटना ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के उरुगुट्टू की है। गुरुवार को फलिंद्र मुंडा उरुगुट्टू स्थित अपने घर के सामने अखबार पढ़ रहे थे। इसी दौरान बाइक से पहुंचे दो अज्ञात अपराधियों ने फलिंद्र मुंडा की कनपट्टी पर रिवॉल्वर सटाकर मारने का प्रयास किया, लेकिन गन से फायर नहीं होने से वे बच गए। इसके बाद एक अपराधी को उन्होंने पकड़ने का प्रयास किया ,लेकिन अपराधी किसी तरह झटक कर बाइक पर बैठ कर फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। फलिंद्र मुंडा को किस विवाद में अपराधियों ने गोली मारने की कोशिश की, अब तक इसके पीछे की वजह सामने नहीं आ पायी है।

फलिंद्र मुंडा

वुशु में सिल्वर और घुड़सवारी में आया ब्रॉन्ज; इंडिया की झोली में अबतक 25 मेडल

एशियन गेम्स के 5वें दिन भारत ने जीते 3 मेडल, शूटिंग में स्वर्ण

AGENCY HANGZHOU : चीन के हांगझोऊ में चल रहे 19वें एशियन गेम्स का गुरुवार 5वां दिन समाप्त हुआ। पांचवें दिन भारत ने तीन मेडल जीते। इसमें एक गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज शामिल है। 10 मीटर एयर पिस्टल में गुरुवार को भारतीय मेंस टीम ने दिन का पहला गोल्ड दिलाया। सरबजीत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने इस इवेंट में 1734 स्कोर कर गोल्ड जीता। इसके बाद वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने 60 किलो वेट कैटेगरी में सिल्वर जीता। घुड़सवारी-ड्रेसेज के इंडिविजुअल इवेंट में अनुष अगरवल्ला ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दूसरी ओर टेनिस में भारत के दो मेडल पक्के हो गए है। भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स 2022 में अब तक 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज सहित कुल 25 मेडल जीत चुके हैं। रोशिबिना देवी ने 60 किलो वेट कैटेगरी में दिन का पहला मेडल दिलाया। फाइनल में चीन की जियाओवेई वू से उन्हें 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। यह एशियाड के इतिहास में वुशु में भारत का दूसरा रजत मेडल है। सरबजीत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने 10 मीटर पिस्टल मेंस इवेंट में 1734 स्कोर के साथ गोल्ड जीता। यह भारत का दिन का पहला गोल्ड है। इस इवेंट चीन ने 1733 स्कोर के साथ सिल्वर और वियतनाम ने 1730 का स्कोर कर ब्रॉन्ज जीता। एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट में ग्रुप सी के मैच में मलेशिया ने सिंगापुर को 73 रन से हराया।

घुड़सवारी-ड्रेसेज के इंडिविजुअल इवेंट में अनुष अगरवल्ला।

मेंस फुटबॉल टीम एशियाड से बाहर

भारतीय मेंस फुटबॉल टीम एशियाड से बाहर हो गई है। राउंड ऑफ 16 में भारतीय टीम को साउदी अरब के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। एशियाड में मेंस फुटबॉल अंडर-23 फॉर्मेट में हो रहा है, जिसमें सीनियर टीम से तीन खिलाड़ी खेल सकते है। हॉकी में ग्रुप स्टेज के तीसरे मुकाबले में भारतीय मेंस टीम ने जापान के खिलाफ अपना तीसरा ग्रुप स्टेज मुकाबला 4-2 से जीता। पांचवें दिन टेनिस में दो मेडल पक्के हुए। मेंस डबल्स इवेंट के सेमीफाइनल में साकेत मायनेनी और रामकुमार रामनाथन ने कोरिया के जोड़े को हराया। इसी के साथ अब भारत का गोल्ड या सिल्वर मेडल पक्का हो गया है।

स्विमिंग में मेंस टीम को मेडल नहीं

मेंस 4100 फ्रीस्टाइल रिले के फाइनल में भारतीय टीम छठें नंबर पर रही। भारत के तनीश जॉर्ज, विशाल ग्रेवाल, आनंद शैलजा और श्रीहरि की टीम ने 3:21:46 में फिनिश किया। चाइनीस टीम ने नए एशियन रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता। विमेंस 4200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले के फाइनल में भारत को मेडल नहीं मिल पाया। भारत की ओर से धिनिधी, शिवांगी सरमा, वृत्ति अग्रवाल और हशिका रामचंद्रा की टीम 8वें नंबर पर रही। थाइलैंड की टीम ने गोल्ड अपने नाम किया। स्विमिंग की मेंस 800 मीटर फ्रीस्टाइल कैटेगरी में भारत के आर्यन नेहरा 7वें और कुशाग्र रावत 8वें नंबर पर रहे। इसी के साथ वो मेडल की दावेदारी से भी बाहर हो गए हैं।

भारत में हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक स्वामीनाथन का निधन

AGENCY NEW DELHI : भारत की हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले एम एस स्वामीनाथन का गुरुवार को निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि वो काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। इसी बीच गुरुवार को चेन्नई में उनके आवास पर उनका निधन हो गया। बता दें कि एम एस स्वामीनाथन ने धान की अधिक उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यह तय करने में मदद मिली कि भारत के कम आय वाले किसान अधिक उपज पैदा करें। बता दें कि 7 अगस्त, 1925 को स्वामीनाथन का जन्म कुंभकोणम में हुआ था। कृषि विज्ञान में उनकी गहरी रुचि, स्वतंत्रता आंदोलन में उनके पिता की भागीदारी और महात्मा गांधी के प्रभाव ने उन्हें इस विषय में उच्च अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दो स्नातक डिग्रियां प्राप्त की थी, जिसमें से एक कृषि महाविद्यालय, कोयंबटूर (अब, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय) से थी। बता दें कि उनकी तीन बेटियां हैं।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Friday, 29 September 2023

जोड़ों और मांसपेशियों का बढ़ता दर्द

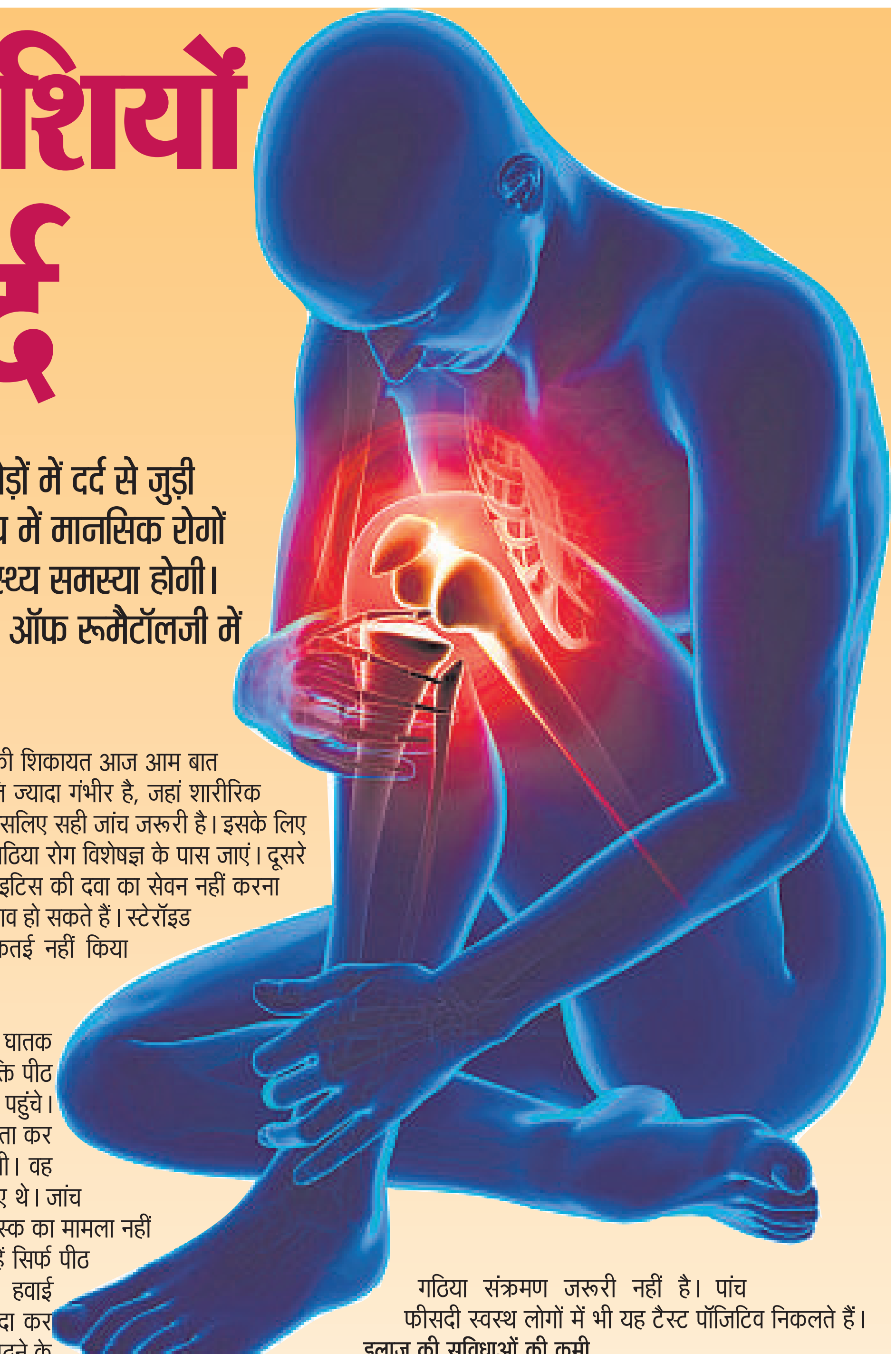

एक अध्ययन के मुताबिक 1999-2010 के बीच मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द से जुड़ी बीमारियों में 45 फीसदी का इजाफा हुआ है। शोध बताते हैं कि भविष्य में मानसिक रोगों के बाद मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द की बीमारी दूसरी सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या होगी। समय पर सही जांच व उपचार के बारे में बता रही हैं एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ रूमैटॉलजी में विभागाध्यक्ष - प्रोफेसर उमा कुमार

देश में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां मधुमेह, रक्तचाप, दिल के रोग आदि बढ़ रहे हैं, लेकिन एक और बीमारी है, जो तेजी से अपने पैर पसार रही है। खेद की बात यह है कि इसकी ओर नीति-निर्माताओं का ध्यान भी कम है। यह रोग है मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द से जुड़ा गठिया या आर्थ्राइटिस।

इसमें मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द, सूजन, लालिमा पैदा होती है। इसके रोगी को उठने-बैठने, चलने-फिरने, झुकने या किसी खास किस्म का कार्य करने में तकलीफ होती है। इसे रूमैटिज्म या गठिया कहते हैं। गठिया की बीमारी करीब दो सौ किस्म की होती है। कई बार कई किस्म के बुखार या कभी-कभी मांसपेशियों के दबने या उन पर दबाव पड़ने की वजह से भी मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होता है। मोटे तौर पर यदि सुबह उठने के बाद आधे घंटे के भीतर शरीर की जकड़न दूर नहीं हो रही है तो यह गठिया के लक्षण हो सकते हैं।

गठिया क्यों बढ़ रहा है?

इसके लिए पर्यावरण से जुड़े कारण सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते हैं। अध्ययन बताते हैं कि जहां प्रदूषण की समस्या ज्यादा गंभीर है, वहां गठिया ज्यादा हो रहा है। आर्थ्राइटिस आंतों में संक्रमण की वजह से भी होता है, जिसकी वजह दूषित खान-पान हो सकता है।

नए अध्ययन संकेत दे रहे हैं कि जीवनशैली भी इस बीमारी को बढ़ा रही है। ज्यादा खाने-पीने के कारण मोटापे की चपेट में आने, एक स्थिति में ज्यादा देर तक बैठे रहने, कंप्यूटर पर लंबे समय तक कार्य करने, कंधे व गर्दन के बीच मोबाइल दबा कर लंबे समय तक बात करने जैसी स्थितियों से भी मांसपेशियों एवं जोड़ों का दर्द होता है। हालांकि यह गठिया नहीं है, लेकिन इसके प्रभाव गठिया जैसे ही महसूस होते हैं। दूसरे ज्यादा उम्र वालों में ही नहीं, बच्चों व जवानों में भी गठिया हो रहा है।

प्रदूषण बड़ा कारक

गठिया को लेकर हमने एम्स की ओपीडी में आने वाले 300 मरीजों के आंकड़े जुटाए हैं। आरंभिक जांच में यह पाया गया कि जब दिल्ली में पीएम-2.5 की मात्रा हवा में ज्यादा पाई गई, तब गठिया के रोगी ज्यादा सामने आए। ऐसे मरीजों के आंकड़े एकत्र किए गए, जिससे यह बात सामने आती है कि जब हवा में पीएम-2.5 ज्यादा मात्रा में घुल जाते हैं तो यह सांस लेने के साथ शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। रक्त के साथ ये शरीर के सभी अंगों में पहुंचते हैं। इसी प्रक्रिया में पीएम-2.5 की मात्रा जोड़ों के ईद-गिर्द कोशिकाओं में रक्त एवं ऑक्सीजन के प्रवाह को बाधित करती है।

सही जांच जरूरी

मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द की शिकायत आज आम बात हो गई है। शहरों में यह स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां शारीरिक गतिविधियां लोगों में कम हैं। इसलिए सही जांच जरूरी है। इसके लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ की बजाय गठिया रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। दूसरे बिना जांच के गठिया या आर्थ्राइटिस की दवा का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे दवाओं के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। स्टेरॉइड वाली दवाओं का तो सेवन कतई नहीं किया जाना चाहिए।

जरूरी है सही जांच

बीमारी का गलत इलाज ज्यादा घातक हो सकता है। हाल में एक व्यक्ति पीठ की दर्द की शिकायत के साथ पहुंचे। उन्हें डॉक्टर ने स्लिप डिस्क बता कर ऑपरेशन की सलाह दे दी थी। वह सेकेंड ओपिनियन के लिए आए थे। जांच के बाद पाया कि यह स्लिप डिस्क का मामला नहीं था और न ही गठिया का। उन्हें सिर्फ पीठ दर्द की शिकायत थी। वह हवाई यात्राएं व कंप्यूटर कार्य ज्यादा कर रहे थे, जिससे एक स्थिति में बैठने के कारण यह बीमारी हुई। हमने उन्हें कुछ व्यायाम बताए एवं हवाई जहाज में बैठते समय सावधानियां बरतने को कहा। छह-सात महीनों में जब वे दोबारा आए तो समस्या खत्म हो गई थी।

दूसरा, एक 23 वर्षीय महिला हाथों में आर्थ्राइटिस की समस्या लेकर आईं। वह आर्थ्राइटिस की दवा ले रही थीं। लेकिन हमने जब रिपोर्ट देखी तो उन्हें आर्थ्राइटिस नहीं था, बल्कि लिवर में कुछ समस्या थी, पर आर्थ्राइटिस की दवा देने के बाद उन्हें पीलिया ने पकड़ लिया था। एक अन्य मामले में एक 63 वर्षीया महिला नसों में सूजन के आर्थ्राइटिस से पीड़ित थीं, जिससे
उनके मुंह से खून आ रहा था, पर डॉक्टर टीबी की दवा दे रहे थे।

सिर्फ जांच ही काफी नहीं

यह देखा गया है कि अकसर लोग ईएसआर, सीआरपी जैसे टैस्ट पॉजिटिव निकलने पर उसे गठिया मान लेते हैं। यह सही नहीं है। यह शरीर में सिर्फ सूजन व संक्रमण दर्शाते हैं। यह हमेशा गठिया का पैमाना नहीं होता। इसी प्रकार रूमैटाइड फैक्टर (आरएफ) एंटी न्यूक्लियर एंटीबॉडीज (एएनए) के पॉजिटिव निकलने का मतलब भी गठिया संक्रमण जरूरी नहीं है। पांच फीसदी स्वस्थ लोगों में भी यह टैस्ट पॉजिटिव निकलते हैं।

इलाज की सुविधाओं की कमी

देश में 7 से 18 फीसदी आबादी के गठिया या मांसपेशियों से जुड़ी बीमारियों से ग्रस्त होने का अनुमान है, लेकिन इलाज की सुविधाएं बेहद कम हैं। रूमैटॉलॉजिस्ट की देश में सिर्फ 15 पोस्ट ग्रेजुएट सीटें हैं। देश में आधा दर्जन अस्पतालों में ही रूमैटॉलजी विभाग है। इसे गैर संचारी रोगों की श्रेणी में भी नहीं रखा गया है, इसलिए सरकारी नीतियों में इस बीमारी पर खास जोर नहीं है।

कुछ तथ्य

- यह नवजात शिशुओं से लेकर वृद्धों में पाया जाता है। मां से बच्चे में भी आ सकता है।
- स्त्रियां अधिक शिकार हैं। ताजा शोध बताते हैं कि युवाओं में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं।
- ऑस्टियोआर्थ्राइटिस सबसे अधिक पाया जाने वाला गठिया है। गठिया होने पर रूमैटॉलॉजिस्ट से सलाह लें, हड्डी रोग विशेषज्ञ से नहीं। यह दवा से ठीक होने वाली बीमारी है, शल्य क्रिया से नहीं।
- दुनिया में प्रतिवर्ष आर्थ्राइटिस से सौ अरब डॉलर की क्षति होती है। करीब दस लाख लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं और पांच करोड़ लोग ओपीडी में जाते हैं।

– (मदन जैड़ा से बातचीत पर आधारित)

सेहत के साथ कदमताल

मौजूदा दौर में हमारी लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसी हो चली है कि कम उम्र मे ही कई स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगी हैं। जिन्दगी की भगमभाग में सेहत की संभाल कहीं पीछें छूट गयी है। ऐसे में निर्धारित दिनचर्या के अनुसार कसरक करना और खानपान का संयम रखना सबके लिए मुमकिन नहीं। कई सारी जिम्मेदारियां हैं जो ऐसे तयशुदा नियमों के आड़े आती हैं। नतीजा ये होती है कि सेहत खराब होती जाती है। इन हालातों में एक उपाय है जो कई समस्याओ से बचा सकता है। वो है पैदल चलना। आज की जद्दोजहद में खुद को बीमारियों से बचाना है तो पैदल चलना बेहद जरूरी है। हालांकि हम हमेशा से ही सुनते आये हैं कि पैदल चलना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन इसके कितने फायदे हैं इस बारे में अच्छे से नहीं जानते। यही कारण है आज की जीवनशैली में पैदल चलने की आदत ही छूट गयी है। अब इस ओर फिर लौटिये। खुद को बीमारियों से बचाइये और जारी रखिये सेहत की कदमताल

दिमाग के लिए फायदा

आज के तनाव भरे जीवन में मानसिक स्वास्थ की देखभाल सबसे अहम है। हफ्ते में दो घंटे पैदल चलने से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा 30 फीसदी कम हो जाता है। दिमागी सेहत के लिए इतना मुफीद होने बावजूद आजकल सभी पैदल चलने से कतराते हैं। सुबह-शाम की नियमित सैर करने से शरीर सक्रिय और मन प्रफुल्लित रहता है। नतीजतन बीमारियों की गिरफ्त में आने की आशंका कम होती है। पैदल चलने से कई तरह के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ सैर करने से ही कसरत के 90 फीसदी फायदे मिल जाते हैं। डिप्रेशन व चिड़िचड़ापन कम होता है। अध्ययन बताते हैं कि जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है। इसीलिए कहा जाता है कि पैदल चलने का कोई विकल्प नहीं। अवसाद और तनाव पर विजय पाने का सबसे सरल तरीका है वॉकिंग। जो हमें कुदरत के भी करीब लाता है। नियमित सैर करने से सकारात्मक भावनाओं का संचार होता है जो सीधे-सीधे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

याददाश्त बढ़ेगी

जब भी कुछ कदम चलने का मौका मिले उसे टालें नहीं। हो सके तो सुबह या शाम की सैर के लिए समय जरूर निकालें। क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि हफ्ते में तीन बार 40-40 मिनट की चहलकदमी से दिमाग तेज होता है और याददाश्त बढ़ती है। इसीलिए शरीर और मन दोनों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए चलना जरूरी है। खासकर सुबह की सैर सबसे अच्छी होती है क्योंकि उस समय पैदल चलने वाले ताजी हवा में सांस लेते हैं जो मानसिक तनाव कम करने और शरीर को फिट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से याददाश्त को बढ़ाता है। एक शोध के अनुसार जो लोग नियमित रूप से पैदल चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने और नींद ना आने जैसी समस्याओं की आशंका कम हो जाती है। साथ ही कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है। पैदल चलना वाकई पूरी तरह कायाकल्प कर सकता है। वाकिंग करते समय खुली हवा में सांस लेने से शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलती है, जो मस्तिष्क की सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ाती है। इसमें कोई शक ही नहीं कि शारीरिक सक्रियता से दिमाग भी सक्रिय रहता है जो हमारी बौद्धिक क्षमता को बनाये रखने में अहम भूमिका निभाता है। आज के दौर में शारीरिक श्रम की कमी ने हमें जाने अनजाने कई बीमारियों का शिकार बना दिया है। ऐसे में हर दिन पैदल चलना सक्रिय रहने का सबसे आसान तरीका है जिसके अनगिनत लाभ भी मिलते हैं। अमेरिका के पिट्सबर्ग विविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक हर सप्ताह औसतन 8 किलोमीटर आराम से पैदल चलने या खुली हवा में रहने वाले लोगों की मस्तिष्क की कोशिकाओं का जीवनकाल लंबा होता है जिसके चलते उनकी याददाश्त लंबे समय तक बनी रहती है।

सुधरेगी मन की सेहत

पैदल चलना इंसानी शरीर की प्राकृतिक गतिविधि है। इसीलिए इसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि मन पर भी पड़ता है। शोध बताते हैं कि दिन में 30 मिनट की कदमताल से डिप्रेशन का खतरा 36 फीसदी नीचे आ जाता है। आज के समय में हर कोई तनाव और अवसाद से जूझ रहा है। ऐसे में कुछ कदम चलना अगर तनाव से मुक्ति दिलाये तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है? पैदल चलने से शरीर की भीतरी और बाहरी नकारात्मकता का खात्मा होता है। यानी तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है वॉकिंग। आमतौर पर पैदल चलना मजबूरी माना जाता है। जबकि सही मायने में देखा जाए तो वॉकिंग सेहत के हर पहलू पर सकारात्मक असर डालती है। यह एक कड़वा सच है कि हम जितनी सहूलियतों को जी रहे हैं उतने ही स्वास्य समस्याओं से घिर रहे हैं। सुबह की सैर मन को प्रकृति से जोड़ती है। मेंटल हेल्थ एंड फिजिकल एक्टिविटी पत्रिका में छपी एक रिसर्च के मुताबिक अवसाद को कम करने में सुबह की सैर की अहम भूमिका है। यही वजह है कि विशेषज्ञ मानते भी हैं कि स्वस्थ एवं तनावरहित रहने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को रोज कुल मिलाकर कम से कम 30 मिनट तेज गति से टहलना ही चाहिए।

हड्डियों की मजबूती

चलना न केवल स्फूर्तिदायक है बल्कि शरीर की हड्डियों को मजबूती भी देता है। हफ्ते में चार घंटे चलने से हिप फ्रैक्चर का खतरा 43 प्रतिशत कम हो जाता है। इतना ही नहीं हड्डियों और मांसपेशियों में तकलीफ होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे शरीर एक्टिव रहता है । पैदल चलते रहने से बॉडी के ज्वाइंट्स जाम नहीं होते। शरीर की इस गतिशीलता के चलते जोड़ों में होने वाले दर्द में राहत मिलती है और शरीर की कार्यपणाली में भी सुधार होता है। ये तो सभी जानते हैं कि वॉकिंग वजन घटाने में प्रभावी ढंग से काम करता है। इससे हड्डियों और मांसपेशियों को बिना नुकसान पहुंचाये वजन कम किया जा सकता है। क्योंकि यह सबसे आसान और बेहतरीन कसरत है। – चैतन्या

ताकि सांसों में बनी रहे ताजगी

यदि किसी से वार्तालाप करते समय आपके मुंह से अथवा आपके सामने वाले व्यक्ति के मुंह से बदबू आ रही हो, तो उस वक्त आपका उसका व्यक्तित्व कैसा प्रदर्शित होगा, इसे बतलाने की आवश्यकता नहीं है। यह हमारी शारीरिक स्वच्छता एवं स्वास्य के प्रति लापरवाही दिखलाती है। सांस की बदबू से पीड़ित व्यक्ति हमेशा हीनभावना से ग्रस्त रहते हैं तथा किसी से भी देर तक खुलकर बात नहीं करता है। आजकल सांस की बदबू आम समस्या बन चुकी है।

सांसों की बदबू के कुछ कारण मुंह से संबंधित तथा कुछ पेट की बीमारी, अपच, गुर्दे के रोग, टांसिल, मधुमेह, फेफड़ों के रोग, नाम एवं गले की बीमारियों से संबंधित होते हैं। मुंह की दुर्गन्धता के प्रमुख कारण मुंह, दांतों एवं जीभ की उचित तरह से साफ-सफाई न होना है। हमारे मुंह के अंदर दांतों के बीच बहुसंख्या में जीवाणु (बैक्टीरिया) रहते हैं, दांतों की समुचित सफाई न होने पर ये जीवाणु प्रभावी हो जाते हैं तथा तीक्ष्ण दुर्गन्ध युक्त गैसें पैदा करते हैं। इन गैसों में हाइड्रोजन सल्फाइड और मेथिल मारकैप्टन प्रमुख हैं। इन गैसों को पैदा करने वाले जीवाणुओं की वृद्धि आक्सीजन की अनुपस्थिति में होती है। मुंह की लार में ऑक्सीजन की प्रचुरता होती है, अतः लार से भरे मुंह में जीवाणुओं का पल्लवन तीव्रता से नहीं हो पाता है। सोते समय अथवा उपवास के समय जब लार का उत्सर्जन मंद हो जाता है, तब जीवाणु अतिसक्रिय हो जाते हैं तथा उनकी संख्या में तेजी से वृद्धि होती है। इसी कारण सुबह बासी मुंह से तीव्र दुर्गन्ध आती है। जैसे-जैसे हमारी आयु बढ़ती जाती है, मुंह में लार का उत्सर्जन धीमा होता जाता है। इसी कारण बच्चों की अपेक्षा युवाओं एवं प्रौढ़ों में सांस की बदबू की समस्या अधिक पायी जाती है। मदिरापान, धूम्रपान, भूख लगना, बहुत बोलना, व्यायाम करते समय मुंह से सांस लेना अथवा नाक के बंद होने पर मुंह से सांस लेना, किसी दवा के दुष्प्रभाव इत्यादि के कारण भी मुंह में शुष्कता आती है, जिससे सांसों में बदबू आने लगती है।

कुछ तय-

1-यदि दांतों की सही ढंग से सफाई न की जाए तो दांतों पर पीलापन लिये हुए चिपचिपा पदार्थ जमा होने लगता है, जिस पर जीवाणुओं का प्रभाव हो जाता है, जिसे ''प्लाक' कहते हैं। इसी से मुंह में दुर्गन्ध पैदा होने लगती है। प्याज, लहसुन आदि खाने से भी सांसों में बदबू आने लगती है। उपवास एवं अत्यल्पाहार (डाइटिंग) से भी मुंह में दुर्गन्ध पैदा होने लगती है, क्योंकि ऐसी अवस्था में लार का उत्सर्जन मंद हो जाता है जिसके कारण मुंह में शुष्कता आ जाती है। इसके अलावा वसा

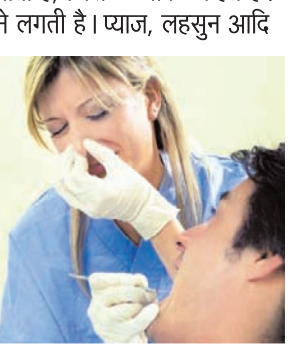

ह्रास से तीखी गंध वाली एसीटोन गैस बोलते वक्त निकलती है। अतः उपवास एवं अत्यल्पाहार काल में मुंह की सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, साथ ही तरल पदार्थो- जल, रस, सूप आदि का सेवन करते रहना चाहिए ताकि मुंह सूखा न रहे तथा लार का प्रभाव बना रहे।

2-सांस की बदबू पर विजय पाने के लिए प्रातःकाल मंजन, ब्रश आदि करने के बाद ही कुछ खाना चाहिए। कुछ भी खाने के बाद मुंह को भलीभांति कुल्ला करके साफ करना चाहिए। भोजनोपरांत नियमित रूप से ब्रश आदि करना चाहिए। दांतों तथा मसूढ़ों में फंसे भोजन के कणों को बाहर निकालने के लिए ''वाटर स्प्रे' का प्रयोग भी किया जा सकता है। नीम, बबूल, आदि की दातून करना अति लाभकारी होता है।

3-मुंह की शुष्कता से पीड़ित व्यक्ति को लार का उत्सर्जन बनाए रखने के लिए मुंह में लौंग, इलायची, सौंफ, मिश्री, च्यूइंगम, टॉफी इत्यादि डाले रहना चाहिए। बीच-बीच में पानी या फलों का रस पीते रहने से भी मुंह लार से तर रहता है। उपवास, अत्यल्पाहार एवं मुंह की शुष्कता के समय नींबू पानी का सेवन अति उत्तम है, क्योंकि नींबू पानी की रासायनिक अभिक्रिया लार ग्रंथियों को सदैव सक्रिय रखती है जिसके लार का उत्सर्जन होता रहता है।

4-मुंह की दुर्गन्ध हटाने के लिए रासयनिक मुंहधावनों (माउथवाष) का इस्तेमाल कम करना चाहिए। क्योंकि ये मुंहधावन केवल अपनी सुगंध से सांस की दुर्गन्ध को दबाते हैं, न कि मिटाते हैं। परीक्षणों से पता चला है कि किसी भी प्रकार के रासायनिक मुंहधावन का प्रभाव मात्र डेढ़-दो घंटे ही रहता है, लेकिन इसका अल्कोहल मुंह की शुष्कता को बढ़ाता है। सामान्यतया मुंहधावन दांतों और मसूढ़ों पर प्लाक की मोटी परत के नीचे नहीं पहुंच पाता है, जहां बदबू पैदा करने वाले जीवाणु छिपे रहते हैं।

5-मुंह की दुर्गन्ध से छुटकारा पाने के लिए तुलसी की पत्तियों का सेवन भी लाभकारी है। कुछ खाने-पीने के पश्चात तीन-चार पत्तियां तुलसी की चबा लेने से सांस की बदबू पर काबू पाया जा सकता है। एक चम्मच अदरक के अर्क को एक कप गुनगुने पानी में मिलाकर सुबह-शाम गरारा करने से मुंह की दुर्गन्ध समाप्त हो जाती है। लससुन, प्याज आदि खाने के बाद थोड़ी सी हरी धनिया की पत्तियां चबाने से मुंह तरोताजा और दुर्गन्ध रहित रहता है। अनार के छिलकों को पानी में उबाल लें फिर पानी को छानकर किसी बर्तन में रख लें, सुबह शाम इस पानी की उचित मात्रा लेकर गुनगुना कर गरारा करने से मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। लौंग, इलायची, सौंफ आदि से मुंह में दुर्गन्ध नहीं पैदा होने पाती, साथ ही मुंह सुवासित रहता है।

– नीरज पाण्डेय

महिला आरक्षण विधेयक पर बीजेपी की नीयत ठीक नहीं : CONGRESS

कल प्रदेश महिला कांग्रेस का महिला मैत्री महासम्मेलन रांची में

PHOTON NEWS RANCHI : महिला कांग्रेस महिला आरक्षण बिल पर भाजपा की नीयत और चरित्र का पदार्फाश करेगी। रांची में 30 सितंबर को प्रदेश महिला कांग्रेस का महिला मैत्री महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेटा डिसूजा, इंटक महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष देविका ओझा, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल नेता सह मंत्री आलमगीर आलम समेत पार्टी के तमाम मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री समेत प्रदेश कांग्रेस के सभी विंग के अन्य पदाधिकारीगण हिस्सा लेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस महिला प्रभारी स्मिता बेहरा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी। स्मिता बेहरा ने बताया कि महिला आरक्षण बिल जो सदन से पास हुआ है, वह भाजपा की नहीं, कांग्रेस की देन है। इसमें भाजपा की देन सिर्फ इतना ही है कि इसे फिर से लाया वह भी कंडिशन के साथ चुनावी लाभ के लिए, क्योंकि इसमें दो कंडीशन ऐसा डाल दिया गया है कि इसका फायदा न तो वर्तमान में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और न ही 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में मिलेगा। इसलिए यह भाजपा का केवल चुनावी जुमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से महिलाओं को हक एवं अधिकार देने के लिए कृतसंकल्पित रही है। यही कारण है कि सबसे पहले हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पंचायतों एवं नगर निकाय चुनाव में आरक्षण देने का देने काम किया।

प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से बातचीत करतीं प्रदेश महिला कांग्रेस की पदाधिकारी।

हमारे पीएम महिलाओं को नहीं दे सकते उनका अधिकार : दीपिका पांडेय सिंह

कार्यक्रम के कॉ-ऑर्डिनेटर विधायक दीपिका सिंह पांडेय ने कहा कि भाजपा ने एक बार फिर से महिलाओं को बड़ा धोखा देने काम शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक मणिपुर नहीं गए। महिला पहलवानों के यौन शोषण के दोषी सांसद ब्रजभूषण सिंह को साथ लेकर घुमने वाले हमारे प्रधानमंत्री केवल अपना चेहरा और छवि बचाने के लिए यह आधा-अधूरा बिल लाने का काम किया। जिसका फायदा आने वाले चुनाव क्या, कई चुनावों तक नहीं मिलने जा रहा है। अगर भाजपा और प्रधानमंत्री वास्तव में महिला के प्रति सजग है तो वह आगामी पांच राज्यों के चुनाव में ही इसका फायदा पहुंचाती। इस मौके पर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए हम महिलाओं में यह संदेश पहुंचाने के बीच ले जाने का काम करेंगे। इस कार्यक्रम के जरिए महिला कांग्रेस आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव का आगाज करेगी।

मेन रोड में जुलूस के दौरान मुस्तैद रहे जवान

RANCHI : राजधानी में ईद मिलादुन्नबी को लेकर गुरुवार को पूरे शहर में पुलिस के जवान मुस्तैद रहे। विशेष रूप से सर्जना चौक से लेकर राजेंद्र चौक तक हर तरफ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सिटी कंट्रोल रूम से लोगों पर निगरानी रखी जा रही थी। सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने बताया कि सुबह से जवानों को तैनात कर दिया गया था। जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकला और वापस लौट गया। मेन रोड में लोगों को ज्यादा परेशानी नहीं हुई। सुबह दस बजे से सर्जना चौक से राजेंद्र चौक तक वाहनों को नहीं जाने दिया गया। दोपहर दो बजे के बाद यातायात सामान्य हो गई। डोरंडा पुलिस को आदेश दिया गया था कि देर रात तक वह अपने क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे। लोगों को पहले से जानकारी थी कि सर्जना चौक से राजेंद्र चौक तक वाहनों को नहीं जाने दिया जाएगा। इस वजह से ज्यादातर वाहन अलबर्ट एक्का चौक तक पहुंचे और वहां से सीधे शहीद चौक की ओर निकल गए।

बेटी ने नामकुम पुलिस पर पिता को छोड़ने के लिए पांच लाख रुपये मांगने का लगाया आरोप

शिकायत के बाद पिता और पुत्री दोनों गायब, जांच शुरू

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इस बार मामला नामकुम थाना से जुड़ा हुआ है। एक युवती ने आईपीएस अधिकारी को फोन कर कहा कि उसके पिता को नामकुम थाना की पुलिस ने पकड़ लिया है। पिता को छोड़ने के लिए पांच लाख रुपये की मांग की जा रही है। ऐसी जानकारी मिलते ही अधिकारी रेस हो गई और डीएसपी रैंक के अधिकारी को जांच करने का आदेश दिया। सबसे पहले इसकी जानकारी ली गई कि किसी थाना में पति पत्नी के विवाद में किसी को पकड़ा गया है नहीं। इसकी जानकारी नामकुम पुलिस से भी ली गई। लेकिन नामकुम पुलिस ने स्पष्ट इंकार कर दिया कि थाना में कोई नहीं है। जिस युवती ने फोन किया था उसने पुलिस को बताया था कि उसके पिता का नाम प्रीतम नाग है। पुलिस ने मामले की जांच की तो प्रीतम नाग का पुलिस को मोबाइल नंबर मिला। लेकिन पुलिस को सूचना देने के बाद युवती और उसके पिता का मोबाइल लगातार बंद मिल रहा है। पुलिस को जानकारी मिली है कि प्रीतम नाग खूंटी जिला का रहने वाला है। रांची पुलिस खूंटी पुलिस की मदद से प्रीतम नाम की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस प्रीतम नाग या उसकी बेटी को पकड़ेगी तभी पूरे मामले का खुलासा होगा। लेकिन अब युवती और उसके पिता कहां हैं यह जांच का विषय है। इस मामले में नामकुम थानेदार का कहना है कि जो भी जानकारी देगी वह मुख्यालय प्रथम एएसपी मैडम देगी।

जैप ट्रेनिंग सेंटर में लाखों की वसूली का मामला

पुलिस मेंस एसोसिएशन ने डीजीपी को पत्र लिख कहा- पुलिसकर्मी के इलाज का था पैसा

CRIME REPORTER RANCHI : जैप 4 ट्रेनिंग सेंटर में लाखों रुपए की वसूली मामले में पुलिस मेंस एसोसिएशन ने डीजीपी को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में कहा गया है कि जब्त किया गया पैसा पुलिसकर्मी के इलाज के लिए था। झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन की ओर से डीजीपी को लिखे पत्र में कहा गया है, जैप-4, बोकारो में अधिष्ठापन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हवलदार पिंकु कुमार द्वारा एक आवेदन दिया गया है। जिसमें उल्लेख किया गया है कि प्रशिक्षु हवलदार सुनील कुमार सिंह, जो अचानक तबीयत खराब होने के कारण गंभीर अवस्था में मेडिका अस्पताल रांची में भर्ती है। उनके इलाज में सहयोग के सभी प्रशिक्षुओं की सहमति से सहायता राशि जमा किया गया था। डीजीपी को लिखे पत्र में कहा गया है, पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल जैप-4, बोकारो जाकर इस मामले के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। प्रशिक्षुओं और अन्य श्रोत से जानकारी में बीमार पुलिसकर्मी के लिए सहयोग राशि जमा करने संबंधी बात प्रकाश में आयी है। अतः सादर अनुरोध है कि उक्त हवलदार द्वारा समर्पित आवेदन में उल्लेखित बिन्दुओं के संबंध में जांच के बाद जब्त राशि बीमार पुलिसकर्मी को देने और इस आरोप में निलंबित पुलिसकर्मियों को निलंबन मुक्त करते हुए, किसी अन्यत्र प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण पूर्ण कराने की अनुमति प्रदान करने की कृपा की जाये।

रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश, अलर्ट जारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची समेत सूबे के कई जिलों में गुरुवार झमाझम भारी बारिश हुई। रांची में दिन के एक बजे के बाद से ही बादल गरजने लगे। तेज हवाएं चलीं और इसके बाद बारिश शुरू हो गई। दिन में ही ऐसा लग रहा था मानो शाम हो गई हो। वहीं, मौसम विभाग ने स्पेशल बुलेटिन जारी करके झारखंड के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने जो चेतावनी जारी की है, उसमें कहा है कि 30 सितंबर और एक अक्टूबर को भारी बारिश होगी। 30 सितंबर को राज्य के दक्षिणी तथा उससे सटे मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। वहीं, एक अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी, उससे सटे हुए उत्तरी तथा दक्षिण-पश्चिम झारखंड में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने का अनुमान है। 30 सितंबर को कम से कम 10 जिलों में भारी बारिश होगी।

अफीम तस्करी गिरोह के तीन आरोपी धराए

CRIME REPORTER RANCHI : आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने खूंटी-मूरहू रोड में छापेमारी कर अन्तर्राज्यीय अफीम तस्करी गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें खूंटी के मारंगदाहा थाना निवासी राम कुमार मुंडा, चतरा के पत्थरगड्डा थाना निवासी विरेन्द्र दांगी और रांची के जगन्नाथपुर निवासी राजकुमार साव शामिल हैं। इनके पास से पांच किलो आठ ग्राम अफीम, 32 हजार 500 रुपये, तीन मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद हुआ है। आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि खूंटी थाना क्षेत्र में अन्तर्राज्यीय मादक द्रव्य तस्करों के जरिये अवैध मादक द्रव्य अफीम का खरीद-बिक्री किया जाना है। सूचना के बाद एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खूंटी-मुरहू रोड स्थित एमएस माईल इण्डियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों का पूर्व का आपराधिक इतिहास रहा है। बिरेन्द्र दांगी पूर्व में मादक द्रव्यों की तस्करी के लिए न्यायालय के जरिये 10 वर्ष का सजायाफ्ता भी है। गिरफ्तार आरोपित अफीम की तस्करी झारखंड राज्य से पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं पंजाब राज्य में भी करते हैं। इन आरोपितों का अन्तर्राज्यीय तस्करी गिरोह से भी संबंध होने की बात प्रकाश में आयी है।

एटीएस की गिरफ्त में तीनों आरोपी।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सांसद संजय सेठ छत्तीसगढ़ रवाना

RANCHI : सांसद संजय सेठ छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रायपुर रवाना हो गए। सेठ को भाजपा केंद्रीय समिति ने छत्तीसगढ़ में तीन विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव की जिम्मेदारी दी है। इन क्षेत्रों में सूरजपुर जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र प्रतापपुर, भटगांव और प्रेमनगर शामिल हैं। सांसद संजय सेठ ने गुरुवार को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन और भाजपा कार्यकताओं के मेहनत से छत्तीसगढ़ में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। साथ ही कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य में प्रतियोगिता चल रही है। छत्तीसगढ़ की जनता भ्रष्टाचार की इस प्रतियोगिता से कांग्रेस को बाहर करने का काम करेगी।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

झारखंड के हितैषी आजसू में हो रहे शामिल : सुदेश महतो

जेवीएम के पूर्व महासचिव खालिद ने समर्थकों संग थामा आजसू का दामन

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी स्थित आजसू के प्रदेश कार्यालय में जेवीएम के पूर्व महासचिव खालिद खलील ने आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आजसू की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर खालीद खलील के साथ जेवीएम नेता डॉ.इंतजार अली, जिया उल हक, मिनहाज, एकरामा आमिश, शहबाज अमन, मो होजैफा समेत सैंकड़ों लोग शामिल हुए। आजसू मिलन समारोह में खालिद खलील ने कहा कि झारखंड के हित के लिए जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए आजसू की सदस्यता ग्रहण की। आजसू का विजन सबको साथ लेकर चलना है। उन्होंने कहा आजसू पार्टी अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण के प्रति सदैव सक्रिय रही है। अधिकतर दलों ने मुस्लिम समाज को ठगने का काम किया है। मुस्लिम नौजवान मुख्य धारा में आना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान झारखंड सरकार उनके लिए कुछ नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सबसे ज्यादा मुसलमानों को ठगा है। झारखंड में अगर मुसलमानों को उनका वाजिब हक कोई दिला सकता है, तो वह है आजसू पार्टी। उन्होंने कहा कि पार्टी को सशक्त बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएंगे। आजसू में आने के बाद आजसू पार्टी को इतना मजबूत कर दूंगा कि झारखंड में इसका दूसरा कोई विकल्प नहीं होगा। झारखंड में मुसलमान के बदतर हालात में लाने के लिए हेमंत सोरेन और कांग्रेस मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

पूर्व महासचिव खालिद खलील को माला पहनाकर सम्मानित करते कार्यकर्ता।

रांची-गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का विस्तार

RANCHI : यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा 05671/05672 गुवाहाटी - रांची - गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है। 05671 गुवाहाटी - रांची साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 30 सितंबर से 25 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को गुवाहाटी से प्रस्थान करेगी। कुल नौ ट्रिप ट्रेन का परिचालन होगा। ट्रेन 05672 रांची झ गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन एक अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को रांची से प्रस्थान करेगी। इन ट्रेनों की समय सारणी, ठहराव एवं कोच संयोजन पहले की तरह रहेगी।

एसटी जाति प्रमाण पत्र के मामले में पूर्व सीएम रघुवर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखा पत्र, कहा-

आपकी सरकार में अनुसूचित जनजाति की पहचान और परंपरा पर संकट

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एसटी सर्टिफिकेट जारी किए जाने के मामले में गुरुवार को पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि अनुसूचित जनजाति समाज के हित में केरल हाई कोर्ट के फैसले को झारखंड में उतारने का काम करें। कार्मिक विभाग से अविलंब निर्देश जारी कराएं कि जो व्यक्ति जनजाति समाज के रीति रिवाज को नहीं मानते हों, उनका जाति प्रमाण पत्र निर्गत न किया जाये। रघुवर दास ने कहा कि झारखंड में जनजातीय समाज की परंपरा और पहचान आपकी सरकार की वजह से संकट में है। पर्दे के पीछे से आपकी सरकार चलाने वाले चाहते हैं कि यहां का अनुसूचित जनजाति समाज मांदर की जगह गिटार पकड़ ले। ऐसे में सरना कोड के नाम पर आप जनजातीय समाज विशेष कर सरना समाज को गुमराह ना करें। अनुसूचित जनजाति समाज की सालों पुरानी मांग है कि स्थापित रीति रिवाज, पारंपरिक वेशभूषा और परंपराओं को मानने वालों को ही एसटी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाये। उन्होंने कहा है कि 1997 में केरल राज्य बनाम चन्द्रमोहन मामले में केरल हाई कोर्ट ने स्पष्ट फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र निर्गत करने का क्या-क्या आधार होना चाहिए लेकिन राज्य सरकार इस अहम मुद्दे पर मौन है। आवेदक के माता एवं पिता दोनों ही अनुसूचित जनजाति के सदस्य होने चाहिए। उनके माता-पिता का विवाह संबंधित जनजाति के रूढ़ियों एवं परंपरा के अनुसार किया गया होना चाहिए। उनका विवाह जनजाति समाज द्वारा किया गया हो एवं उसे समाज के द्वारा मान्यता दी गई हो। आवेदक एवं उसके माता-पिता के द्वारा जातिगत रूढ़ियों, परंपराओं एवं अनुष्ठान का पालन किया जा रहा है। आवेदक एवं उसके माता-पिता के द्वारा अपने पूर्वजों की विरासत एवं उत्तराधिकार के नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं, इन सब मामलों की जांच के पश्चात ही जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना चाहिए।

NEWS OF ROURKELA

ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष शरत पटनायक का राउरकेला दौरा, विभिन्न कार्यक्रमों में लिया भाग

ROURKELA : ओड़िशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक अपने दो दिवसीय दौरे पर राउरकेला पहुंचे है। बुधवार शाम उनके शहर आगमन पर राउरकेला कांग्रेस पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। गुरुवार की सुबह शरत पटनायक सिविल टाउनशिप गुरुद्वारा और झिरिपानी चर्च गये। बाद में वह पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिन के मौके पर ईद मिलाद उन नबी कार्यक्रम में शामिल हुए। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष 'घर-घर कांग्रेस' कार्यक्रम में शामिल हुए। शरत पटनायक ने कहा कि ओडिशा की बीजेडी सरकार अपने 24 साल के शासनकाल में सभी क्षेत्रों में विफल रही है।

राउरकेला में मनाया गया ईद मिलादुन्नबी

ROURKELA : ईद मिलादुन्नबी शांति के साथ मनाई गया। इस अवसर पर शहर में जुलूस निकाला गया। विशाल जुलूस शहर में परिक्रमा की। जुलूस प्लांटसाइट रोड, महताब रोड होते हुए शहर के मुख्य मार्ग पर पहुंचा। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 14 प्लाटून पुलिस तैनात की गई थी। राउरकेला एसपी मित्रवाणु महापात्र स्वयं मौजूद रहे और कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखा। इस शोभायात्रा में बीजेडी से जुडे अल्प संख्यक सेल के अध्यक्ष खालिद अजीज,पूर्व पारसद अफरोज अहमद, स्टेट अल्प संख्यक सेल के उपाध्यक्ष जसविंदर सिंह गोल्डी,कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सरत पटनायक,देबब्रत बिहारी, एमडी इमाम बीजेपी के सलाउद्दीन खान और राउरकेला एकता मंच के सदस्य भी उपस्थित थे।

8.70 करोड़ रुपये की ठगी करने वाला गिरफ्तार

ROURKELA : सेंट्रल जीएसटी की टीम ने कोइड़ा प्रखंड अंतर्गत बरसुआ बांका बाजार के राकेश कुमार कनोडिया को नकली बिल के जरिए 8.70 करोड़ रुपये जीएसटी ठगी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 12 कंपनियों से जुड़े कई अहम कागजात बरामद हुए हैं। राकेश ने माल नहीं बेचा और इन कंपनियों के साथ कुल 55 करोड़ रुपये का लेनदेन दिखाया। इस संबंध में कुल 8 करोड़ 70 लाख की जीएसटी धोखाधड़ी की गई। राकेश बारसुमन बाजार में ट्यूब, टायर, मोबाइल, सीमेंट और लोहे की छड़ का कारोबार करता है।

वंदे भारत से पहले दिन 584 लोगों ने किया सफर

ROURKELA : वंदेभारत एक्सप्रेस बुधवार को पहली बार नियमित यात्रियों के साथ रवाना हुई। राउरकेला पहुंचते समय 43.77 प्रतिशत सीटें खाली थीं। जबकि राउरकेला से प्रस्थान करते समय 30.18 प्रतिशत सीटें खाली थीं। वंदेभारत एक्सप्रेस सुबह 5 बजे पुरी से रवाना हुई और निर्धारित समय से 17 मिनट पहले दोपहर 12.28 बजे राउरकेला रेलवे स्टेशन पहुंची। पहले दिन एग्जीक्यूटिव और चेयर कार दोनों में पुरी से राउरकेला तक कुल 214 लोगों ने यात्रा की। ट्रेन दोपहर 2.10 बजे पुरी के लिए रवाना हुई। प्रस्थान पर यात्रियों की संख्या 370 थी।

स्ट्रीट वेंडर 30 तक भर सकेंगे रजिस्ट्रेशन फार्म

ROURKELA : राउरकेला शहरी क्षेत्र के सभी स्ट्रीट वेंडर जो खुद को स्ट्रीट वेंडर के रूप में पंजीकृत कराना चाहते हैं, वे 30 सितंबर 2023 तक उदित नगर स्थित आधार केंद्र भवन स्थित विशेष कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। वहां दिए गए फॉर्म को भरें और जरूरी दस्तावेज जमा करें। राउरकेला नगर निगम ने पहले से पंजीकृत स्ट्रीट वेंडरों से अनुरोध है कि वे इस कार्यालय से 'नो योर स्ट्रीट वेंडर (केवाईएसवभी) फॉर्म प्राप्त करें और इसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करें।

बिरमित्रपुर में ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस

VIRMITRPUR : पवित्र ईद मिलादुन नबी और पैगंबर हजरत मुहम्मद की जयंती के अवसर पर विरमित्रपुर में गुरूवार को जुलूस निकाला गया। इसमे बीरमित्रपुर नगरपालिका अध्यक्ष संदीप मिश्रा, उपाध्यक्ष निवेदिता बागे और वार्ड नंबर 3 के पार्षद कमलेश सिंह ने सभी मुस्लिम भाइयों को शुभकामनाएं दी। जुलूस में शहर के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शांति के साथ संपन्न हुए कार्यक्रम में इमाम जियाल हक, कारी सदाम जनामली, मैलाना फैजान राजा, अंजुमन के अध्यक्ष एमडी अख्तर, संपादक अब्दुल्ला खान, एमडी नईम, अब्दुल खान, एमडी अजाज आलम, साकिब राजा, एसके कामरान, साजिद इकबाल, एमडी राजा प्रमुख उपस्थित थे।

भुतुड़ा पंचायत के ग्रामीणों ने निकाली जनविरोध यात्रा

SUNDARGARH : जिला के बणई उपखंड के भुतुड़ा पंचायत विकास समिति की ओर से भुतुड़ा पंचायत के अधिकार एवं सम्मान को बनाये रखने के लिए एक जन विरोध यात्रा आयोजित हुई। इसमें पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। अपनी मांगो को लेकर नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों ने शांति से प्रदर्शन किया।

अनशन पर बैठेंगे सांसद गोपाल ठाकुर

दरभंगा। एम्स को लेकर बिहार की राजनीति गहराती जा रही है। इस बीच दरभंगा एम्स नहीं बनने पर सांसद गोपाल जी ठाकुर बिहार सरकार को घेरना चाह रहे है। ऐसे में वह 2 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठेंगे। इस संबंध में दरभंगा सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि आगामी 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) से बिहार सरकार के एम्स विरोधी मानसिकता, वादाखिलाफी, दरभंगा एम्स हेतु अबतक उपयुक्त जमीन उपलब्ध नहीं कराने, बार बार स्थल बदलने तथा एम्स निर्माण में जानबूझकर राजनीति करते हुए बाधा उत्पन्न करने के विरूद्ध अनिश्चितकालीन अनशन को लेकर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते आठ वर्षों से अधिक समय से आठ करोड़ मिथिला वासी को एम्स के नाम पर दिग्भ्रमित कर ठगने एवं गुमराह करने का कार्य कर रहे है। 8 साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बिहार सरकार द्वारा दरभंगा एम्स निर्माण के लिए 200 एकड़ उपयुक्त जमीन उपलब्ध नहीं कराया गया है। सांसद डॉ. ठाकुर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा 2015-16 के आम बजट में बिहार के दूसरे एम्स की घोषणा की गई, इसके निमित 15 सितंबर 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट से दरभंगा में 1264 करोड़ की लागत से 750 बेड वाले एम्स स्थापना को स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि वाबजूद इसके बिहार सरकार आजतक एम्स निर्माण को लेकर उपयुक्त जमीन नही देकर अपना एम्स विरोधी मानसिकता को उजागर कर चुकी है। सांसद ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार सरकार द्वारा दिनांक 3 नवंबर 2021 को

डीएमसीएच की 200 एकड़ जमीन पर दरभंगा एम्स निर्माण हेतु, राज्य कैबिनेट से स्वीकृति दी गई एवं प्रथम फेज में दिनांक 6 सितंबर 2022 को 81 एकड़ जमीन भौतिक रूप से दरभंगा एम्स को हस्तांतरित कर दिया गया था, जहां मिट्टी भराई, समतलीकरण और ध्वस्तीकरण का कार्य भी पूर्ण हो गया था। उन्होंने कहा कि एम्स का निर्माण कार्य शुरू होने के ठीक पहले मेडिकल माफिया एवं भू माफिया के दवाब तथा डीएमसीएच के 73 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा किए हुए अतिक्रमणकारियों को संरक्षण देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पहले मौखिक रूप से स्थल बदलने की घोषणा की गई तथा 6 मार्च 2023 को स्वयं की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट के माध्यम से, अपने दो वर्ष पूर्व के राज्य कैबिनेट से स्वीकृति 200 एकड़ भूमि के हस्तांतरण के निर्णय व राज्यादेश को निरस्त करते हुए आठ करोड़ मिथिलावासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा से वंचित रखने का घिनौना कार्य कर रही है। सांसद ने कहा कि दरभंगा एम्स स्थापना हेतु बिहार सरकार द्वारा 200 एकड़ भार मुक्त जमीन, पानी, बिजली, सीवरेज सहित अन्य बुनियादी सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु केन्द्र सरकार को आधिकारिक रूप से सहमति दिया गया था, जबकि इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा दिनांक 6 मार्च 2023 को स्थल परिवर्तन को लेकर किए गए नये राज्य कैबिनेट में कागज पर मात्र 113 एकड़ जमीन के प्रस्ताव की स्वीकृति देकर दरभंगा एम्स को ठंडे बस्ते में डाल दिया है और लोगों के बीच 150 एकड़ जमीन देने का गलत तथ्य पेश कर गुमराह करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के नए जमीन के प्रस्ताव आलोक में केंद्र की टेक्निकल टीम द्वारा उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया था। सांसद ने कहा कि केंद्र की टेक्निकल टीम से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य सचिव, भारत सरकार द्वारा उक्त स्थल पर एम्स निर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाली कई तकनीकी कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए बिहार सरकार को दिनांक 26 मई 2023 को पत्र भेजा गया था। उन्होंने कहा कि उक्त पत्र में वर्णित तकनीकी समस्या के आलोक में राज्य सरकार द्वारा आज तक कोई जवाब केंद्र को नहीं दिया है। सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शोभन के 30-40 फीट गड्ढे वाली जमीन पर एम्स निर्माण को लेकर अड़े हुए है, जबकि राज्य सरकार द्वारा आजतक उक्त जमीन का सीमांकन तक नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को यहां 36 एकड़ रैयती जमीन का अधिग्रहण भी करना था, जो कि आज तक नहीं किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में सोमेश्वर नाथ मंदिर में दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव

मोतिहारी । अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव की नगरी में अनंत चतुर्दशी मौके पर आयोजित मेले को आकर्षक बनाने के लिए पर्यटन विभाग बिहार एवं जिला प्रशासन द्वारा दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री सह स्थानीय सांसद राधामोहन सिंह, डीएम सौरभ जोरवाल, एसपी कांतेश कुमार मिश्र, गोबिंदगंज विधायक सुनील मणि तिवारी, हरसिद्धि विधायक कृष्णानंद पासवान, जीप अध्यक्ष ममता राय ,महंत रविशंकर गिरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। महोत्सव को भक्ति मय करने पहुंची मशहूर गायिका सुश्री पूर्णिमा श्रेष्ठ ने सोमेश्वरनाथ महोत्सव में अपने भक्ति गीत से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं अपने सुरीले लोकगीतों से शिवभक्त श्रद्धालुओं व शहरवासियों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में भक्ति गानों के आलावा हिंदी गाना भी गाया। अरेराज महोत्सव में शामिल होने आए आतिथितियों का उद्घाटन के उपरांत एसडीओ अरुण कुमार, एसडीपीओ रंजन कुमार, पीजीआरओ लखिन्द्र पासवान ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्प मोमेंटो देकर स्वागत किया गया।

पीडब्ल्यूडी कर्मचारी के बेटे ने की आत्महत्याः खाना खाकर कमरे में सोने गया था

भोजपुर । नवादा थाना क्षेत्र के नवादा स्थित भवन निर्माण विभाग सरकारी क्वार्टर में बुधवार को पंखे से लटक कर पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी के बेटे ने आत्महत्या कर ली। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मच रही। जानकारी के अनुसार मृतक मूल रूप से समस्तीपुर जिला के पूसा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी सह पीडब्ल्यूडी कर्मचारी रुद्रकांत झा का 22 वर्षीय पुत्र प्रीतेश झा है एवं वह बीकॉम पार्ट-2 का छात्र था। इधर,मृतक छात्र की बहन ने बताया कि खाना खाकर वह अपने कमरे में सोने चला गया था। काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया तो उसके कमरे में हम लोगों ने उसके कमरे में झांक कर देखा तो वह पंखे के कुंडी से लटक रहा था। जिसके बाद दरवाजा तोड़कर उसके शव को नीचे उतर गया। इसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। वहीं दूसरी मृतक छात्र की बहन ने अपने भाई के खुद से फांसी लगाकर आत्महत्या की बात कही है। लेकिन युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या क्यों की। इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक की मौत खुद से फांसी लगाकर आत्महत्या करना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

अज्ञात दबंगों ने युवक को पीटा

लखीसराय । रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत नदियांव गांव में बीती देर रात अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई कर दी। जिसे गंभीर स्थिति में इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद रामगढ़ चौक थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर शव को कब्ज में लेकर मामले की तफ्तीश में जुटी है। युवक की पहचान नदियावां निवासी सुबोध सिंह के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बीती देर रात नदियावां निवासी स्व. रामकृपाल सिंह के पुत्र सुबोध सिंह को अज्ञात लोगों के द्वारा सिर और पैर में धारदार हथियार से हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया था। अज्ञात लोगों के द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान सुबोध सिंह की सुबह मौत हो गई। सुबह सूचना पर मृतक का भाई जिसकी दिमागी हालत ठीक नहीं है, पड़ोसियों के साथ सदर अस्पताल पहुंचा। तो अपने भाई को मृत पाया। घटना के कारणों का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। रामगढ़ चौक थाना की पुलिस की माने तो तो सूचना मिली कि रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र के नदियावां निवासी सुबोध सिंह का शव सदर अस्पताल में है। इसी सूचना पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर घटना के कारण का पता किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक की अज्ञात लोगों के द्वारा धारदार हथियार से सिर और पैर पर प्रहार कर हत्या की गई है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा कर घटना के तह तक पहुंचाने की कोशिश में जुटी है।

वैशाली एक्सप्रेस से 30 लाख रुपये बरामद

मोतिहारी का युवक हिरासत में, मुजफ्फरपुर में आरपीएफ की स्कॉर्ट टीम ने दबोचा

मुजफ्फरपुर । आरपीएफ की टीम ने 30 लाख से भरा बैग बरामद किया है। बैग के साथ मोतिहारी निवासी एक युवक को भी हिरासत में लिया गया है। उससे आरपीएफ पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है की नई दिल्ली से सहरसा जा रही 12554 वैशाली एक्सप्रेस से आरपीएफ स्कॉर्ट ड्यूटी कर रही थी। हाजीपुर से ट्रेन खुल चुकी थी। गौरौल और भगवानपुर स्टेशन के बीच जांच के दौरान 30 लाख रुपये जब्त किया गया है। साथ ही एक युवक को भी पकड़ा गया है। प्रारंभिक छानबीन और पूछताछ के बाद आरपीएफ जीआरपी को जब्त नोट और युवक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप देगी। प्रारंभिक छानबीन के बाद आरपीएफ ने बताया कि जब्त 30 लाख की राशि के साथ आजाद आलम को पकड़ा गया है। उसके पास नोट के संबंध में कोई वैधानिक कागजात उपलब्ध नहीं था। नोट जब्ती की पुष्टि आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार यादव ने की है। युवक मोतिहारी के सुगौली थाना क्षेत्र के छपवा का रहने वाला बताया गया है। वह पटना के गांधी

मैदान से रुपये भरा बैग थामा था। इसके बाद वह ई-रिक्शा से गायघाट पहुंचा। फिर वहां से बस से हाजीपुर आया। इसके बाद पैदल ही बैग लेकर हाजीपुर रेलवे स्टेशन गया। प्लेटफार्म दो पर वैशाली एक्सप्रेस के एक स्लीपर कोच में सवार हो गया।

गोरौल व भगवानपुर स्टेशन के बीच स्कॉट पार्टी चेकिंग कर रही थी। संदिग्ध के पास बैग देख आरपीएफ को शराब होने की शंका हुई। जब तलाशी ली गयी तो बैग में पांच सौ के नोटों का बंडल देखकर आरपीएफ के जवान दंग रह गये। इसकी तत्काल सूचना अपने नजदीकी पोस्ट को दी। फिर उसे मुजफ्फरपुर आकर आरपीएफ के हवाले कर दिया। जहां संदिग्ध से पूछताछ जारी है। प्रारंभिक छानबीन में बात सामने आयी है कि जब्त नोट हवाला का है। जिसे आजाद आलम लेकर मोतिहारी जा रहा था। पटना के गांधी मैदान में एक युवक उसे नोटों से भरा बैग दिया था। इसके बाद वह रुपए आजाद को थमाया। आजाद इससे पूर्व भी रुपए पटना और अन्य जगहों से ला चुका है। पूछताछ में बताया कि वह मोतिहारी से सटे इंडो नेपाल बॉर्डर तक रुपये की खेप लेकर जा रहा था। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर वह वैशाली एक्सप्रेस से उतर जाता। फिर मुजफ्फरपुर से कोई पैसेंजर ट्रेन पकड़कर सुगौली जाता। वहां तीसरे करियर को रुपये थमा देता। जो नेपाल लेकर बैग चला जाता। नेपाल के हवाला धंधेबाजों ने रुपये मंगवाये थे। इस खेप के लिए उसे तीन लाख रुपये मिलने की बात कही जा रही है। इधर, आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार यादव ने बताया की युवक से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में विभिन्न हादसों में कई की मौत

नवादा में ट्रक ने 4 मजदूरों को कुचला..3 की मौतः इकलौता बेटा था समीर, पहली बार मजदूरी करने निकला था 15 साल का आकाश

नवादा । गुरुवार की सुबह मंडी के लिए निकले 4 मजदूरों को ट्रक ने रौद दिया। हादसे में 3 की मौके पर ही मौत हो गई। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे में प्रह्लाद कुमार (17), आकाश कुमार(15) और समीर कुमार (26) की मौत हुई थी। समीर और आकाश दोनों मां-बाप के इकलौते बेटे थे। आकाश पहली बार घर से मजदूरी करने के लिए निकला था। हादसे के बाद लोगों ने एक घंटे तक सड़क को जाम कर दिया। घटना की सूचना पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंजनी कुमार, नगर थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। लोगों को समझाकर शांत कराया। तब सड़क से जाम हटा। हादसा नगर थाना क्षेत्र के सोभिया पर कृषि फार्म के पास हुआ। मृतकों में दौनी के बेलदरिया गांव निवासी श्री राम चौहान का 26 साल का बेटा समीर कुमार, श्रीकांत चौहान का 15 साल के बेटा आकाश कुमार, राम बाबू का 17 साल का बेटा प्रह्लाद कुमार है। पप्पू चौहान

की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। मृतक समीर कुमार अपने घर का इकलौता बेटा था। उसके 4 बच्चे हैं। दो बेटे और 2 बेटियां। मृतक आकाश कुमार भी अपने घर का इकलौता बेटा था। उसकी तीन बहनें हैं। आकाश मजदूरी के लिए पहले दिन ही निकला था, लेकिन हादसे में उसकी जान चली गई। तीसरा मृतक प्रह्लाद कुमार है, एक महीने पहले ही प्रह्लाद के बड़े भाई की कैंसर से मौत हुई थी। घर में एक महीने बाद दूसरे सदस्य की मौत के बाद मातम का माहौल है। वहीं भोजपुर में बुधवार शाम तेज रफ्तार ऑटो के चकमे से बाइक सवार दो युवक अनियंत्रित होकर अज्ञात वाहन से जा टकराए। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए, इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना के सूचना डायल 112 पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों जख्मियों को इलाज के लिए आननझ्रफानन में आरा सदर अस्पताल लेकर आया। जहां एक युवक की स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। हादसा जिले के चांदी थाना क्षेत्र के नरही गांव के समीप हुआ। जख्मियों में चांदी थाना क्षेत्र भदवर गांव निवासी विनोद राय का 20 वर्षीय पुत्र डब्लू कुमार,जबकि खुशी राय का 20 वर्षीय पुत्र उमेश कुमार शामिल है। डब्लू और उमेश रिश्ते में दोनों चचेरे भाई लगते है। बताया जाता है कि दोनों चचेरे भाई बाइक पर सवार होकर चांदी बाजार घर का सामान लेने के लिए आए हुए थे। जब वापस गांव लौट रहे थे,तभी नही गांव के ठीक पहले सामने से आ रहे ऑटो ने लहरिया कट काटते हुए चकमा दे दिया । जिससे बाइक सवार चचेरे भाई अनियंत्रित होकर अज्ञात वाहन से टकराते हुए सड़क किनारे गिर गए। हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस के मदद से जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल आ गया,जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी युवक डब्लू कुमार को गंभीर अवस्था में पटना रेफर कर दिया है जहां उसकी स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। वही उमेश का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है । बताया जाता है कि जख्मी डब्लू सिकंदराबाद में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता है । ठीक 15 दिन पहले सिकंदराबाद से परिवार से मिलने लिए अपने गांव आया हुआ था । वही जख्मी डब्लू पटना में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। उसकी मां आशा देवी का रो रो का बुरा हाल है । इसके अलावा गया के आमस थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड कार्यालय के समीप एक व्यक्ति के शव को पुलिस ने बरामद किया है। शव की पहचान कराने में स्थानीय आमस थाना की पुलिस जुट गई है। लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। फि लहाल पुलिस शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल को भेज रह ही है। मृतक के गले और सिर पर गहरे घाव के निशान है। देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि युवक की हत्या से पहले सिर पर प्रहार कर गंभीर कर दिया गया हो, उसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर शव को किसी वाहन से लाकर यहां फेंक दिया गया है। इस संबंध में आमस थाना के थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है कि, अहले सुबह स्थानीय लोगों से फोन पर सूचना मिली की एक व्यक्ति का शव आमस प्रखंड कार्यालय के पीछे झाड़ियां में फेंका है। इसके बाद पुलिस टीम गई तो देखा कि एक व्यक्ति लगभग 45 वर्ष का शव पड़ा है। उसके सर और गले पर चोट के निशान है। संभवत उसकी हत्या से पहले किसी वजनदार वस्तु से सर पर मारकर बेहोश कर दिया गया होगा उसके बाद उसकी गला दबाकर किसी ने हत्या कर दी है। और शव को यहां लाकर फेंक दिया है। फिलहाल शव पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। आमस पुलिस ने जिस अज्ञात शव को बरामद किया है,उसकी बॉडी को पोस्टमार्टम करने के बाद अगले 72 घंटे तक पहचान के लिए मगध मेडिकल के शव शीतगृह में रखा जाएगा। इसके अलावा एक अन्य घटना में बेगूसराय में शौच करने के दौरान पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मामला छौड़ाही थाना क्षेत्र के राजोपुर गांव की है। मृतक की पहचान चौरई थाना क्षेत्र के रहने वाले अनिल कुमार दास (22) के रूप में की गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि बुधवार की देर शाम मृतक अनिल कुमार दास गांव के ही पास शौच करने के लिए गया था। तभी पानी भरे गड्ढे में पैर फिसल जाने के कारण वह गहरे पानी में चला गया। और डूबने से अनिल कुमार दास की मौत हो गई। मौत की खबर लगते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर गड्ढे से काफी खोजबीन करने के बाद शव को बाहर निकला गया। घटना की सूचना छौड़ाही थाने पुलिस को लगी मौके पर छौड़ाही थाने के पुलिस पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं जमुई में स्कॉर्पियो ने बाइक सवार को ठोकर मार दिया। जिसमे दो लोग गंभीर रूप सें घायल हो गए। मामला चकाई थाना क्षेत्र के जम्हार मोड़ के समीप की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए चकाई रेफरल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए देवघर रेफर कर दिया। मृतक की पहचान गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के लेढ़ा गांव निवासी तीतु यादव (48) के रूप में हुई है। घायल व्यक्ति की पहचान पोखन यादव के रूप हुई है है। बताया जाता है कि जमुआ थाना क्षेत्र के लेढ़ा गांव निवासी तीतु यादव एवं पोखन यादव बाईक पर सवार होकर भेलवाघाटी थाना क्षेत्र अंतर्गत धमनमारा गांव अपने संबंधी के यहां आए हुए थे। वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जम्हार मोड़ के समीप पहुंची तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

खेलो इंडिया और मोटो जीपी भारत के बाद

अब यूपी में नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप

योगी सरकार की नीति का हो रहा असर, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का गढ़ बना उत्तर प्रदेश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का केंद्र बनता जा रहा है। खेलो इंडिया और मोटो जीपी भारत जैसी प्रतियोगताओं के आयोजन के बाद अब दूसरे नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन भी उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। नोएडा के इंडोर स्टेडियम में पांच से आठ अक्टूबर के बीच इस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। योगी सरकार की खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की नीति का परिणाम है कि खेल प्रतियोगताओं का आयोजन करने वाली सरकारी और निजी क्षेत्र की संस्थाओं की पहली पसंद यूपी बन गया है। इस प्रतियोगिता में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एथलीट्स के साथ भारतीय सेना की टीम भी हिस्सा लेगी। चैंपियनशिप में महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों को मिलाकर कुल पांच हजार एथलीट्स हिस्सा लेंगे, जो आठ से पचास आयु वर्ग के होंगे। वहीं इस आयोजन में 7500 से ज्यादा आगंतुकों के आने की उम्मीद है, जिसमें प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं। प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा दर्शक आएं इसको लेकर सरकार और आयोजकों की तरफ से सोशल मीडिया के विभिन्न टूल्स का इस्तेमाल कर जमकर ब्रांडिंग भी की जा रही है। इस बारे में नोएडा ताइक्वांडो एसोसिएशन की अध्यक्ष आयुषी केतकर ने कहा कि "इस मेगा इवेंट का स्वरूप भारत में अब तक हुए किसी भी नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप से बड़ा होगा। इसको लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसके लिए सरकार ने आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर खिलाड़ियों के लिए वर्ल्ड क्लास का इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है। इसके अलावा खिलाड़ियों के भोजन, रुकने और प्रैक्टिस करने के लिए सर्वोत्तम व्यवस्थाएं की गई हैं। यही नहीं देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के साथ आने वाले कर्मचारियों के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई है।"

योगी सरकार की एक और उपलब्धि, यूपी के 100% गांवों को मिला ओडीएफ प्लस का दर्जा

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के तहत सभी 95,767 गांवों यानी 100% गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा प्राप्त कर लिया है। ओडीएफ प्लस गांव वह है जिसने ठोस या तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने के साथ-साथ अपनी खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को बरकरार रखा है। आज तक, देश भर में 4.4 लाख (75%) गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित कर दिया है, जो 2024-25 तक एसबीएम-जी चरण 2 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में तेजी से प्रगति की है। 1 जनवरी 2023 तक, राज्य में केवल 15,088 गांव थे जिन्हें ओडीएफ प्लस घोषित किया गया था। केवल 9 महीने में, राज्य ने मिशन मोड में ओडीएफ प्लस हासिल करने के लिए प्रयास किए। पिछले 9 महीनों में 80,000 से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल किया और इस त्वरित गति के परिणामस्वरूप ओडीएफ प्लस की समयबद्ध उपलब्धि हासिल हुई। प्रदेश के 95,767 ओडीएफ प्लस गांवों में से 81,744 गांव ओडीएफ प्लस आकांक्षी गांव हैं, जहां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन या तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था है। 10,217 गांव ओडीएफ प्लस राइजिंग गांव हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और तरल अपशिष्ट प्रबंधन दोनों की व्यवस्था है और 3,806 गांव ओडीएफ प्लस मॉडल गांव हैं। 100% की यह उपलब्धि पूरे देश में संचालित हो रहे स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) झ 2023 अभियान के दौरान हासिल की गई है। एसएचएस प्रतिवर्ष स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के तहत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तके मनाया जाता है। इस वर्ष, अब तक, लगभग 88 लाख लोगों ने बड़े पैमाने पर इसमें हिस्सा लिया और श्रमदान किया है, जिससे ओडीएफ प्लस स्थिति की उपलब्धि में तेजी आई है।

ओडीएफ प्लस उपलब्धि का जश्न उन ग्राम पंचायतों के सम्मान के साथ मनाया गया जिन्होंने अनुकरणीय कार्य किया और अपनी ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किया। पूरे राज्य में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत सहायक और सफाई कर्मियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में और योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। पुरस्कार विजेताओं में ग्राम पंचायत को एक मॉडल के रूप में बनाने में उनके योगदान के लिए 60 सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायतें शामिल हैं। साथ ही 75 सफाई कर्मियों (प्रत्येक 75 जिलों में से एक) को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इन ग्राम पंचायतों में जागरूकता के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। जैसे ठोस अपशिष्ट, तरल अपशिष्ट, आरआरसी और मॉडल गांव के लाइव मॉडल के प्रदर्शन से सीखा गया और उसे लागू किया गया। साथ ही विभिन्न मनोरंजन के साधन जैसे कचरा मुक्त थीम पर जादू शो, कठपुतली शो जैसे स्थानीय/लोक मीडिया समूहों को शामिल करके सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। ओडीएफ प्लस मॉडल गांव वह है जो न सिर्फ अपनी ओडीएफ स्थिति को बरकरार रखे हुए हैं बल्कि इसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और तरल अपशिष्ट प्रबंधन दोनों की व्यवस्था है। साथ ही इन गांवों में अधिकतम स्वच्छता और न्यूनतम कूड़ा, न्यूनतम स्थिर अपशिष्ट जल दिखाई देता है। सार्वजनिक स्थानों पर यहां कोई प्लास्टिक कचरा डंप नहीं होता और ओडीएफ प्लस सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) संदेश नियमित प्रदर्शित होते हैं।

संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए हमें सजग रहना होगा: पुरन्दर प्रताप यादव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के केश्वर इंटरमीडिएट कालेज बनवारी टोला के परिसर में राइज एंड एक्ट के तहत 'राष्ट्रीय एकता, शांति एवं न्याय" विषयक संगोष्ठी आयोजित की गयी। साथ ही जागरूकता रैली निकालकर विभिन्नता में एकता का संदेश दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने कहा कि अपना देश एक ऐसे बगीचे की तरह है जहां तरह तरह के पेड़, पौधे हैं और अलग अलग किस्म के फूल व फल हैं। ठीक इसी तरह देश की 140 करोड़ लोग अलग अलग धर्मों, समुदाय, जाती, वर्ग के हैं और यही विभिन्नता हमारी ताकत है। भारतीय संविधान ने सबको जीने, रहने, काम व शिक्षा का अधिकार दिया है। देश की संस्कृति, परंपरा, संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए हमें सजग रहना होगा। कमलेश भारती ने कहा कि लोकतंत्र लोक की आत्मा होती है और चुने हुए जन प्रतिनिधियों को सेव परमो धर्मः के सिद्धांत पर अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि सदियों से हमारी संस्कृति मेल-जोल की रही है। समतामूलक समाज का सपना आजादी के आंदोलन के दौरान परवान चढ़ा था और देश नफरत, गैर बराबरी और बाजारवाद के खिलाफ स्वामी विवेकानंद, गांधी, नेहरू, भगत सिंह, सुबाष चन्द्र बोष, डा0 अम्बेडकर सहित शिक्षित वर्ग के। नेतृत्व में उठ खड़ा हुआ था और सबने, सुखी, सम्पन्न आजाद भारत का सपना देखा था और यही भारत की परिकल्पना थी। शिक्षक शेषनाथ यादव ने कहा कि हमारा संविधान बसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश विश्व को देता है। सदियों से स्थापित भारत के विश्व गुरु की पहचान, राष्ट्रवाद को कायम रखने के लिए एक बेहतर समाज के निर्माण को आगे आना होगा। संचालन आयोजक हृदया नन्द शर्मा ने किया। इस अवसर पर देवेंद्र प्रताप यादव, जयसिंह प्रसाद, कन्हैया वर्मा, मनोज भारती, गिरिधर गोपाल, अमरजीत यादव, जगतराज, अम्बालिका यादव, शशिमा पटेल, मुन्नी देवी सहित छात्र - छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्वर कोकिला स्व0 लता मंगेशकर की जयंती मनायी

लता जी संगीत की सच्ची साधक : कृष्णानंद

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। दीनदयाल उपाध्याय नगर स्थित डीडी मंत्रा नृत्य एवं संगीत विद्यालय में भारत की मशहूर गायिका स्वर कोकिला स्व0 लता मंगेशकर की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। जयंती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गीता व अर्चना चौधरी ने गाया। सर्वप्रथम करन यादव ने 'मैं जिस दिन भुला दूं, तेरा प्यार दिल से, वो दिन आखिरी होगा मेरी जिंदगी का', इस गीत से कार्यक्रम में चार चांद लगा। सोहन ने गाया बेदर्दी तेरे प्यार ने दीवाना कर दिया। जो काफी अच्छी प्रस्तुति रही।

संदीप ने गाया की जाने क्यों लोग मोहब्बत किया करते हैं। अनुराग सिंह ने गाया ये मेरे वतन के लोगो गाया तो महफिल और गंभीर हो गया, गीता वर्मा ने 'नैनों में बदरा छाए, बिजली सी चमके हाए', अर्चना चौधरी ने गाया 100 साल पहले मुझे तुमसे प्यार था आज भी है और कल भी रहेगा। नरेंद्र शर्मा ने गाया सलामे इश्क मेरी जान जरा कबुल कर लो जो काफी अच्छा रहा। अमित श्रीवास्तव ने सुन साहिबा सुन प्यार की धुन, मैंने तुझे चुन लिया तू भी मुझे चुन। बच्चों ने भी कार्यक्रम में अपनी गायकी से सबको मंत्र मुग्ध किया। संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर कोकिला स्वर्गीय लता जी संगीत की सच्ची साधक और एक अनुशासित संगीत की छात्रा थी उन्होंने कहा था कि फोटोग्राफी मेरी शौक है लेकिन गीत गाना मेरी तपस्या है तो वास्तव में आधुनिक लोगों के लिए यह शब्द प्रेरणा देता है कि व्यक्ति अगर वास्तव में साधना करे, तपस्या करे तो वह भी एक बड़ा व्यक्तित्व बन सकता है।संस्था हमेशा अनवरत आगे भी और अच्छे कार्यक्रम करती रहेगी। अध्यक्षीय संबोधन में साहित्यकार देवी शरण त्रिपाठी ने कहा कि लता जी अमर गायिका हैं उनके गाए गीत हमें हमेशा उत्साहित करते रहेंगे। उन्होंने हर प्रकार का गीत गाया है। उनके सारे गीत अमर हैं। कार्यक्रम में दीपक राय, नीतू निषाद, प्रियंका पांडेय, जवाहर, राजेश, दर्श त्रिपाठी, खुशी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर गोरखपुर में प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि पर्यटन हम सबके जीवन में एक नया परिवर्तन तथा नया माहौल देता है। यह जीवन जीने की एक नई विधा हम सबके सामने प्रस्तुत करता है। पर्यटन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के जीवन में उत्साह और उमंग की भावनाओं का संचार करने की दृष्टि से हम सबको आगे आने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री जी आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर योगीराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह, गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के पर्यटन स्थलां पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन, ए टू जेड पुस्तिका का विमोचन, युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों को किट का वितरण एवं प्रदेश के अग्रणी पर्यटन उद्यमियां का सम्मान किया। मुख्यमंत्री जी ने आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस बार विश्व पर्यटन दिवस की थीम ह्यटूरिज्म एण्ड ग्रीन इन्वेस्टमेन्टह्ल है। पर्यटन की सम्भावनाओं के साथ ग्रीन इन्वेस्टमेन्ट की बात हो रही है। पर्यटन स्थलों पर इलेक्ट्रिक बस, सोलर लाइट, ई-रिक्शा आदि को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। लोगो को पर्यटन स्थल के प्रति आध्यात्मिक एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। प्रदेश सरकार कनेक्टिविटी तथा ग्रीन इन्वेस्टमेन्ट के साथ पर्यटन को आगे बढ़ा रही है। मंदिर में जो श्रद्धालु पुष्प अर्पित करते हैं, उसे इधर-उधर न फेंका जाये, बल्कि एकत्र करके उससे अगरबत्ती, इत्र, धूप आदि बनाई जा सकती है। इसके अलावा अवशेष से कम्पोस्ट बनाई जा सकती हैं। हमें एक ईको-सिस्टम से जुड़ना पड़ेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित भारत में दो प्रकार के टूरिज्म देखने को मिलते हैं। पहला, परम्परागत रूप से धार्मिक पर्यटन और दूसरा, मनोरंजन की दृष्टि से पर्यटन। यह दो पक्ष भारत तथा उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में बहुत महत्वपूर्ण है। आज पर्यटन की अनेक विधाएं जन्म ले चुकी हैं। इस दृष्टि से धार्मिक पर्यटन में उत्तर प्रदेश जितना धनी है, दुनिया में अन्यत्र मिलना कठिन है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत एक वर्ष में 30 करोड़ पर्यटक धार्मिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश के अलग-अलग पवित्र धामों का दर्शन करने के लिए आये हैं। इन 30 करोड़ लोगों के पीछे एक पूरा ईको-सिस्टम छिपा हुआ है। इसके माध्यम से लाखां लोगों ने रोजगार प्राप्त किया और उनकी आजीविका चली। यह उत्तर प्रदेश के एक धनी धार्मिक पर्यटन की तस्वीर हम सबके सामने प्रस्तुत करता है। श्री काशी विश्वनाथ धाम में अकेले सावन के महीने में लगभग 2 करोड़ श्रद्धालु दर्शन के लिए आये। पहले इतनी बड़ी संख्या में लोग नहीं आते थे, लेकिन जब धाम बना तो वहां पर्यटन की सुविधाएं बढ़ीं। अब आसानी से दर्शन हो सकता है। लोगों के सामने संदेश गया तो पूरा देश काशी के लिए उमड़ पड़ा है। अयोध्या, मथुरा, वृंदावन में लोग बड़ी संख्या में जा रहे है, क्योंकि सुविधाएं बढ़ी हैं और इन स्थानों पर आसानी से पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर के लोगों को बहुत दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। रामगढ़ताल में रात्रि के समय 15 से 20 हजार गोरखपुरवासी आकर पर्यटन का आनन्द लेते है। यहां नौकायन होता है और नौकायन से बहुत से गरीबों की आजीविका चलती है। इसके साथ ही, लगभग 200 पटरी व्यवसायियों की आजीविका भी चलती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अमृत महोत्सव में पंचप्रण की याद सभी देशवासियों को दिलाई थी। उसमें अपनी परम्परागत विरासत के प्रति सम्मान का भाव भी है। देश की आजादी की लड़ाई को एक नई ऊंचाई देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मारक हर जनपद, हर विकास खण्ड में बने हैं। उनके प्रति भी सम्मान का भाव हमारे मन में जाग्रत हो, वहां पर भी गांव के लोगों को लेकर जायें और उनके बारे में बतायें। आजादी की लड़ाई के महानायक और महापुरूषों को सम्मान देना, न केवल गांववासियों, बल्कि हर व्यक्ति का दायित्व बनता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में अनेक सम्भावनाएं हैं। इन सम्भावनाओं को विकसित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। पर्यटन के विकास के लिये कनेक्टिविटी अच्छी की जा रही है। एयरपोर्ट, फोरलेन, टूलेन की कनेक्टिविटी दी जा रही है। आज उत्तर प्रदेश में 9 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। 12 एयरपोर्ट की योजना है। आज गोरखपुर से 14 फ्लाइट देश के प्रमुख शहरों के लिये चल रही हैं। वंदे भारत ट्रेन गोरखपुर से चल रही है, अच्छी बसें चल रही हैं। इन सभी क्षेत्रों को विकसित करने के लिए अनेक सम्भावनाएं हैं। रामगढ़ताल में सी-प्लेन तथा क्रूज चलाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिये हम सबका दायित्व भी बनता है। अगर सुविधाएं हैं तो हमारा कर्तव्य भी है कि पर्यटन स्थलों को स्वच्छ व सुंदर बनाये रखने में अपना योगदान दें। वहां की सम्पत्ति को कोई नुकसान न पहुंचाए। इन स्थलों को किसी भी मादक पदार्थ से मुक्त रखें। जगह-जगह कूड़ा फेंकने से बचना है। प्लास्टिक बैन है लेकिन फिर भी कुछ लोग प्लास्टिक बैग का उपयोग करते हैं और वही फेंक देते हैं। इससे सड़कों पर कूड़ा होता है। नाली ब्लॉक हो जायेगी, तो जलजनित बीमारियां जैसे डेंगू, इन्सेफेलाइटिस, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि फैलती हैं। हमे अपने शहर को इन सबसे मुक्त रखना होगा। हमें स्वच्छता के प्रति जागरूक होना पड़ेगा और जागरूक होने के साथ ही, यह ध्यान देना होगा कि हम स्वच्छता बनाये रखे और दूसरो को भी गंदगी नहीं करने दें।

संक्षिप्त डायरी

रेल परामर्शदात्री समिति सदस्य अशोक मिश्रा ने महाप्रबंधक को लिखा पत्र

गोरखपुर, कप्तानगंज, थावें रेल खण्ड पर ट्रेनों के ठहराव व लम्बी दूरी के ट्रेनों के संचालन की मांग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। क्षेत्रिय रेल परामर्शदात्री समिति पूर्वोत्तर रेलवे के सदस्य अशोक कुमार मिश्रा ने महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को पत्रक देकर गोरखपुर, कप्तानगंज, थावें होकर बिहार को जोड़ने वाली रेल खण्ड पर रेलों के ठहराव व लम्बी दूरी के ट्रेनों के संचालन की मांग की है। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को लिखे पत्रक में श्री मिश्रा ने कहा है कि गोरखपुर, कप्तानगंज, थावें रेल खण्ड ब्राडगेज होने के बाद भी लम्बी दूरी के ट्रेनों का संचालन न होने से दिल्ली, बॉम्बे, सूरत, पंजाब सहित अन्य बड़े श्राहरो व अन्य प्रांतों में जाकर मजदूरी करने वाले मजदूरों को यात्रा में भारी दिक्कत होती है। वहीं गोरखपुर, कप्तानगंज, थावें रेल खण्ड के तरयासुजान रेल स्टेशन पर गाड़ी संख्या 15113 गोमतीनगर - छपरा कचहरी व 15080 गोरखपुर पाटलिपुत्र एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव न होने से यात्रियों को तमकुही रोड स्टेशन पर अपनी यात्रा समाप्त करनी पड़ती है। श्री मिश्रा ने मांग किया कि गाड़ी संख्या 15113 गोमतीनगर - छपरा कचहरी का तरया सुजान रेल स्टेशन पर ठहराव हो, ट्रेन नं0-15080-गोरखपुर-छपरा कचहरी एक्सप्रेस का तरयासुजान स्टेशन पर ठहराव,पूर्वोत्तर रेलवे के थावे, कप्तानगंज, रेल खण्ड से गोरखपुर होकर बाम्बे, दिल्ली, सूरत, पंजाब आदि जगहों के लिए लम्बी दूरी के लिए एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन, लम्बे समय से प्रस्तावित तमकुही रोड स्टेशन से धनहां, छीतौनी, बगहा बिहार को जोड़ने वाला नया रेल लाईन का निर्माण, थायें जंक्शन से वाया कप्तानगंज एक फार्स्ट पॅसेजर ट्रेन जो प्रातः अयोध्या तक अप और डाउन करती है को थावें तक बढ़ाया जाए। ट्रेन नं0-11015/11016 - कुशीनगर एक्सप्रेस जो गोरखपुर से शुरू होकर जाती है उसको थावें तक बढ़ाया जाए ताकि बड़ी संख्या में बिहार से आने वाले रेलवे यात्रियों को सुविधा हो सके।

शहीदे आजम भगत सिंह अपने देश के नौजवानों के प्रेरणा स्रोतः गोबर्द्धन गोंड

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। महान क्रांतिकारी शहीदे आजम शहीद भगत सिंह की 116 वीं जयंती नगरपालिका परिषद कुशीनगर के सिसवा महंथ चौराहे पर मनाई गई। इस अवसर पर शहीद भगत सिंह के विचारों को आत्म सात करने का वक्ताओं ने आह्वान किया। भारतीय सामाजिक संस्थान नई दिल्ली, शांति सद्भावना मंच नागरिक मंच डुमरी द्वारा किसानों के धरना स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। अध्यक्षता करते हुए भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष गोबर्द्धन प्रसाद गोंड ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह अपने देश के नौजवानों के प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने सभी नौजवानों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया और देश को आजाद कराने में अपने प्राणों की आहुति दे दी। एडवोकेट जितेंद्र पटेल ने शहीद भगत सिंह के जीवन वृत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम उनके विचारों को आत्मसात करें और उनके सपनों का भारत बनाने के लिए जागरूक हों। श्री दुर्गा जी इंटर कालेज के प्रबंधक महेश पासवान ने कहा कि चौरीचौरा कांड और जलियांवाला बाग हत्याकांड में भगत सिंह के बाल मन पर गहरा प्रभाव डाला था। इसलिए भारत की स्वतंत्रता के लिए अभूतपूर्व साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुकाबला करते हुए उन्हें देश छोड़ने को सोचने पर मजबूर किया। इसी क्रम में सपा नेता सनौवर अंसारी, वशिष्ट यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भगत सिंह हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ते रहे। आभार कार्यक्रम आयोजक संजय सिंह ने करते हुए कहा कि हम शहीदों के सपनों का भारत बनाने को आगे आएं तो यही शहीद भगत सिंह के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर प्रवेश शर्मा, मन मोहन गोंड, सत्य प्रकाश त्यागी, सुनील सिंह, रामजी सिंह, दसई गोंड, रमेश गोंड, राम गुलाब यादव, अशोक सिंह, सभासद भगत सिंह,अलाउद्दीन, रौनक सिंह,अजय सिंह, जयराम सिंह, राम प्रीत सिंह, ओमप्रकाश के अलावे नगर कर्मी सफाई नायक राजेश रावत, छांगुर कश्यप, गोपाल रावत, सेवकचौरसिया, वीरू प्रसाद, सोहन आदि उपस्थित रहे।

12 जिलों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में जनता तक उत्तम स्वास्थ्य निदान पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार का सबसे ज्यादा फोकस हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर्स के सुदृढ़ीकरण पर है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र में कई परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। खासतौर पर सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ केंद्रों, सामुदायिक स्वाथ्य केंद्रों, ट्रीटमेंट व रिसर्च इंस्टीट्यूट्स में मॉडर्न मेडिकल इक्विमेंट्स इंस्टॉलेशन के साथ ही ढांचागत व बुनियादी जरूरतों की पूर्ति कर उन्हें वर्ल्ड क्लास फैसिलिटीज से लैस करने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में अब योगी सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के कुल 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। जिन जिलों में 1-1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प की प्रक्रिया जारी है उनमें श्रावस्ती, बलिया, बलरामपुर, उन्नाव, कौशाम्बी, मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, महोबा, लखनऊ, बदायूं व सुल्तानपुर शामिल हैं। वहीं, हापुड़ जिले में दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाएगा। इन सभी 13 सामुदायिक स्वाथ्य केंद्रों के कायाकल्प के लिए योगी सरकार 8.58 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च करने जा रही है जिसे शासन से वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है। प्रदेश के जिन 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जा रहा है उनमें हापुड़ के बहादुरगढ़ व गोहरा आलमगीर का नाम प्रमुख है। वहीं, श्रावस्ती के लक्ष्मणपुर बाजार, बलिया के सहतवार, उन्नाव के ऊंचगांव, कौशाम्बी के करारी, मुजफ्फरनगर के सिसौली, चित्रकूट के रैपुरा, महोबा के श्री नगर, लखनऊ के बेहटा, बदायूं के इस्लामनगर व सुल्तानपुर के डिहदुग्धुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम भी उन सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों में शामिल है जिन्हें अपग्रेड करने की प्रक्रिया जारी है। निश्चित तौर पर इस धनराशि आवंटन की प्रक्रिया को वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद इन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के विकास में तेजी आएगी और यहां इंस्टॉल किए जाने वाले मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रक्रिया में क्रय होने वाले सभी इक्विप्मेंट्स की गुणवत्ता, क्रय प्रक्रिया का निर्धारण व अनुपालन क्रयाधिकारी के निरीक्षण में किया जाएगा।

भारत की दो टूक

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिर देश की दृढ़ता का परिचय देकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से ही नहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका की धरती से भी भारतीय मजबूती का इजहार जरूरी और स्वागतयोग्य है। वे दिन गए, जब चंद देश दुनिया पर अपना एजेंडा थोपते थे। विदेश मंत्री ने कनाडा को भी काफी मुखर अंदाज में संदेश दे दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपना राजनीतिक फायदा देख रहा है। भारतीय राजनय का यह नया स्वरूप बहुतों को चौंका सकता है, पर ऐसा करने के अलावा भारत के पास और कोई गुंजाइश नहीं है। कुछ देश भारत के लिए हमेशा चुनौती पेश करते हैं। विशेष रूप से पिछले महीनों से खालिस्तान मामले में जिस तरह भारत पर दबाव डाला जा रहा है, उसकी सिर्फ निंदा और भर्त्सना ही की जा सकती है। भारतीय विदेश मंत्री ने फिर दोहराया है कि कनाडा को अपने आरोपों को साबित करने के लिए प्रमाण पेश करना चाहिए। बार-बार कनाडा से प्रमाण मांगना भी भारतीय मजबूती का संकेत है। विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि जैसे आरोप भारत पर लगाए जा रहे हैं, वैसी प्रवृत्ति भारत की कभी नहीं रही है। अमेरिका की धरती पर विदेश मंत्री ने यह भी साफ कर दिया है कि भारत की रूस के साथ दोस्ती बनी रहेगी। दरअसल, रूस की सीधी आलोचना से भारत लगातार बचता आ रहा है और इसलिए पश्चिमी देशों में भारत की आलोचना भी हो रही है। यह समझने की बात है कि भारत और रूस के बहुत गहरे व पुराने संबंध रहे हैं और एक युद्ध की वजह से भारत रूस से अपने संबंध तोड़ नहीं सकता। भारत युद्ध नहीं चाहता और यह बात रूस को एकाधिक बार बता चुका है, पर इसके आगे बढ़कर रूस के खिलाफ कुछ करना भारत उचित नहीं मानता। यह विडंबना है, पश्चिम देश अभी भी किसी न किसी प्रकार से रूस से संबंध रखे हुए हैं, पर उनकी कोशिश है कि भारत-रूस संबंध टूट जाए। रूस के संबंध में भारत की नीति का दृढ़ होना जरूरी है, जी-20 शिखर सम्मेलन के समय भी भारत ने यही किया था। न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि रूस अब तक खुद को यूरोप से ज्यादा करीब महसूस करता था, पर अब वह एशिया की ओर मुड़ रहा है। विदेश मंत्री का यह इशारा यूरोप और अमेरिका के लिए भी चिंता का कारण होना चाहिए। भारत आज अमेरिका और यूरोप के साथ है, पर उसे अपने हित की भी पूरी चिंता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय विदेश मंत्री दुनिया के देशों में भारत की नई दृढ़ता और स्पष्टवादिता के लिए भी जाने जाते हैं। न्यूयॉर्क में उन्होंने विदेशी पत्रकार के सवाल के जवाब भी खास तल्खी के साथ दिए हैं। उनके स्वर और भाव में यह पीड़ा बार-बार झलकती है कि भारत को सही संदर्भ में नहीं समझा जा रहा है। उनसे पूछा गया कि हाल के दिनों में भारत के लोकतंत्र स्कोर को कम कर दिया गया है, इस पर जयशंकर ने दोटूक कहा कि ये रिपोर्टें पूर्वाग्रह-ग्रस्त व पक्षपातपूर्ण हैं। यह संकेत भी भारतीय विदेश मंत्री ने विभिन्न विश्व मंचों पर बार-बार दिया है कि अब नए भारत को हर बात के लिए पश्चिमी देशों के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

फिर उठा कावेरी विवाद

कावेरी जल बंटवारे का मुद्दा तब एक बार फिर गरमाता नजर आया, जब तमिलनाडु को रोजाना 5000 क्यूसेक के हिसाब से पानी देने के कर्नाटक सरकार के फैसले के खिलाफ मंगलवार को बेंगलुरु बंद रखा गया। हालांकि बंद कमोबेश शांतिपूर्ण रहा, लेकिन राज्य में बीजेपी और जेडीएस जैसे मुख्य विपक्षी दलों के समर्थन ने इसकी अहमियत बढ़ा दी। राज्य में कावेरी जल विवाद जब-तब गरमाता रहा है, लेकिन इस बार के विरोध की तुलना पिछले विरोधों से नहीं की जा सकती। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि तब इस मामले के निपटारे का कोई व्यवस्थित और तर्कसंगत तरीका नहीं निकाला गया था। चूंकि कावेरी बेंगलुरु शहर के लिए पेयजल की और राज्य के मांडवा क्षेत्र की कृषि भूमि के लिए सिंचाई जल की आपूर्ति का मुख्य स्रोत है, इसलिए इसके जल के बंटवारे का सवाल एक भावनात्मक मुद्दा रहा है और उसे भुनाने में तमाम राजनीतिक दल आगे रहे हैं। लेकिन 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने न केवल सभी राज्यों का कोटा तय कर दिया बल्कि उस फैसले पर सही ढंग से अमल सुनिश्चित करने के लिए कावेरी वॉटर मैनेजमेंट अथॉरिटी (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी वॉटर रेगुलेटरी कमिटी (सीडब्ल्यूआरसी) का भी गठन करवा दिया। ये दोनों गैर-राजनीतिक निकाय हैं और नियमित रूप से अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। इस बार भी तमिलनाडु और कर्नाटक सरकार के दावों और उनकी मांगों पर जमीनी हकीकत की रोशनी में विचार करते हुए सीडब्ल्यूआरसी की सिफारिशों के आधार पर सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक को 5000 क्यूसेक रोजाना के हिसाब से पानी देने को कहा, जो तमिलनाडु की मांग से कम है। दोनों राज्य सरकारें इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गईं लेकिन कोर्ट ने सीडब्ल्यूएमए के निदेशों में दखल देने से इनकार कर दिया। ऐसे में अगर कर्नाटक सरकार ने इस फैसले पर अमल करने का निर्णय लिया तो उसे गलत मानना मुश्किल है। जो संगठन और राजनीतिक दल इस फैसले का विरोध कर रहे हैं, उनका कहना है कि 2018 में दिया गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला सामान्य स्थितियों के लिए था, जबकि इस बार मॉनसून की बारिश काफी कम रही है। यह बात हालांकि सही है, लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि सीडब्ल्यूएमए ने इस स्थिति पर विचार करते हुए ही अपना फैसला दिया है।

सनातन धर्म भारत की आत्मा है

ANALYSIS

सियाराम पांडेय 'शांत'

सनातन धर्म तो भारत की आत्मा है। यह भारत ही नहीं, दुनिया का पहला धर्म है। धरती का पहला धर्म है। धर्म धरती का पहला पुत्र है और कर्म दूसरा। हालांकि धर्म और कर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों का अस्तित्व एक दूसरे पर टिका है। भगवान शिव को धर्म की जड़ कहा गया है। मूलं धर्मतरोर्विवेक जलधे पूर्णेन्दु मानंददं वैराग्याम्बु जभास्करघधनंध्वान्तापहमतापहम। मतलब धर्म रूपी वृक्ष की जड़ भगवान शिव हैं। वे विवेक के समुद्र हैं और परम आनंददायी पूर्ण चंद्रमा हैं। सनातन धर्म मनुष्य ही नहीं, प्राणिमात्र के कल्याण की कामना करता है। जो धर्म मनुष्य, यक्ष, कन्निर, गंधर्व, देव,दनुज, नाग, नग, नदी, नद, तालाब सबके संरक्षण और परितृप्तीकरण की कामना करता है। जिस देश में आदि शंकराचार्य ईश्वर से प्रार्थना करते वक्त अपने लिए कुछ मांगते ही नहीं, वे दुख संतप्त प्राणियों के कल्याणकी अभ्यर्थना करते हैं। नतोहं कामये राज्यं न सौख्यं न पुनर्भवम। कामये तुखतप्तानां प्राणिनाम आर्त नाशनम।

सनातन धर्म को खलनायक साबित करने का षड्यंत्र चरम पर है। भारत में तमाम राजनीतिक दल सनातन धर्म को जातीय मतभेदों की वजह करार दे रहे हैं। उसे समाज को तोड़ने वाला बता रहे हैं। लेकिन शायद वे यह भूल रहे है कि फुनगियों के आधार पर जड़ आकलन संभव नहीं है। सनातन धर्म तो भारत की आत्मा है। यह भारत ही नहीं, दुनिया का पहला धर्म है। धरती का पहला धर्म है। धर्म धरती का पहला पुत्र है और कर्म दूसरा। हालांकि धर्म और कर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों का अस्तित्व एक दूसरे पर टिका है। भगवान शिव को धर्म की जड़ कहा गया है। मूलं धर्मतरोर्विवेक जलधे पूर्णेन्दु मानंददं वैराग्याम्बु जभास्करघधनंध्वान्तापहमतापहम। मतलब धर्म रूपी वृक्ष की जड़ भगवान शिव हैं। वे विवेक के समुद्र हैं और परम आनंददायी पूर्ण चंद्रमा हैं। सनातन धर्म मनुष्य ही नहीं, प्राणिमात्र के कल्याण की कामना करता है। जो धर्म मनुष्य, यक्ष, कन्निर, गंधर्व, देव,दनुज, नाग, नग, नदी, नद, तालाब सबके संरक्षण और परितृप्तीकरण की कामना करता है। जिस देश में आदि शंकराचार्य ईश्वर से प्रार्थना करते वक्त अपने लिए कुछ मांगते ही नहीं, वे दुख संतप्त प्राणियों के कल्याणकी अभ्यर्थना करते हैं। नतोहं कामये राज्यं न सौख्यं न पुनर्भवम। कामये तुखतप्तानां प्राणिनाम आर्त नाशनम। उस सनातन धर्म पर इस तरह का लांछन बर्दाश्त के काबिल नहीं है। सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जो प्राणिमात्र की सुख शांति की कामना करता है। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुख भाग भवेत। अपुत्रा पुत्रिणः सन्तु, पुद्धिणः सन्तु पौत्रिणः। निर्धनाः सधनासन्तुजीवन्तु शरदां शतं। जो सबके मंगलकी कामना करता है, वह सनानतन धर्म है। जो हिंस्त्र जीवों के भी संरक्षण का तरफदार है, वह सनातन धर्म है। सत्य और यज्ञ को धर्म कहा गया है। सदाचरण और मयार्दा की पराकाष्ठा धर्म है। कोई भी ऐसा ग्रंथ नहीं जो सनातन धर्म को नकारता हो। नीति ग्रंथों में भी कहा गया है कि सत्यं ब्रूयात प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यम अप्रियम। प्रियं च नानृतम ब्रूयात , एष धर्मः सनातनः। सत्य बोलना चाहिये, प्रिय बोलना चाहिये, सत्य किन्तु अप्रिय नहीं बोलना चाहिये । प्रिय किन्तु असत्य नहीं बोलना चाहिये । यही सनातन धर्म है। मतलब सत्य ही सनातन धर्म है। जब सत्य ही सनातन धर्म है तो सनातन धर्म की आलोचना करने वाले क्या सत्य से भटके हुए लोग हैं, यह अपने आप में सबसे बड़ा सवाल है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि दूसरे के कर्तव्य का पालन करने से भय होता है और स्वधर्म में मरना भी बेहतर होता है। स्वधर्मे मरणं श्रेयः। अर्थात हमें दूसरे का अनुसरण या नकल करने की बजाय स्वधर्म को पहचानना चाहिए। दूसरों का अनुसरण करने से मन में भय उत्पन्न होता है। भय से मुक्त होने का एक ही माध्यम है। एक ही उपाय है और वह है स्वधर्म पहचानना और उसमें जीना। सनातन धर्म के मूल स्वरूप की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा है कि शरीर नश्वर है पर आत्मा अमर है। यह तथ्य जानने पर भी व्यक्ति अपने इस नश्वर शरीर पर घमंड करता है जो कि बेकार है। शरीर पर घमंड करने के बजाय मनुष्य को सत्य स्वीकार करना चाहिए। हम खुश हैं या दुखी, यह हमारे अपने विचारों पर निर्भर है। अगर हम प्रसन्न रहना चाहते हैं तो हर हाल में प्रसन्न ही रहेंगे। अगर हम नकारात्मक चिंतन करते हैं तो हर हाल में दुखी ही होंगे। विचार ही हर व्यक्ति का शत्रु और मित्र होता है। अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा है, यह विचार केवल सनातन धर्म की कोख से ही निःसृत होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के चौदहवें अध्याय गुणत्रय विभाग योग में कहा है कि किसी के साथ चलने से न तो कोई खुशी मिलती है और न ही लक्ष्य, इसलिए मनुष्य को सदैव अपने कर्मों पर विश्वास करते हुए अकेले चलते रहना चाहिए। ब्रह्मणो हि प्रतिष्ठाहम। अर्थात मैं ब्रह्म की प्रतिष्ठा हूं। आश्रय हूं, ऐसा कहनेका तात्पर्य ब्रह्म से अपनी अभिन्नता बताने में है। जैसे जलती हुई अग्नि साकार है और काष्ठ आदि में रहने वाली अग्नि निराकार है। ये अग्नि के दो रूप हैं? पर तत्त्वतः अग्नि एक ही है। ऐसे ही भगवान साकार रूप से हैं और ब्रह्म निराकार रूप से है। साधक उन्हें सगुण स्वरूप में देखते है या निर्गुण निराकार परब्रह्म स्वरूप में, यह तो उस पर , उसकी भक्ति पर, उसके विवेक पर निर्भर करता है। वेद सनातन धर्मके प्रथम ग्रंथ हैं। जब धरती पर कोई किताब नहीं थी तो पहली किताब ऋग्वेद थी जो ज्ञान की आदि पुस्तक मानी जाती है। वेदों में लिखा गया है कि सर्वं खल्विदं ब्रह्म। ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या। अर्थात संसार में जो कुछ भी दृश्य और अदृश्य है, सब ईश्वर ही है। ईश्वर ही सत्य है। बाकी सारा संसार मिथ्या है। सनातन धर्म में परोपकार को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है। इसे संतों यानी सज्जनों की विभूमि मतलब ऐश्वर्य कहा गया है। पिबन्ति नद्यः स्वयमेवनाम्भः स्वयं न खदन्ति फलानि वृक्षाः। नादंतिसस्यं खलुवारिवाहा परोपकाराय सतां विभूतयः। इसी को कविवर रहीम ने कुछ इस तरह कहा, वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, पिबै न सरिता नीर। परमारथ के कारने साधुन धरा शरीर। गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरित मानस में लिखते हैं कि परहित सरिस धरम नहिं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई। मतलब हमारे यहां धर्म को ही ईश्वर का स्वरूप माना गया है। सभी प्राणियों को ईश्वर का अंश माना गया है। ईस्वर अंस जीव अविनासी। चेतन अमल सहज सुखरासी। जो धर्म शुनि चैव श्वपाकेच पंडिताः समदर्शिनः की उद्घोषणा करता है, वह धर्म लांछन का विषय कैसे बन रहा है, इस पर विचार करने की जरूरत है। जो धर्म ब्रह्म को घट-घटवासी मानता है। जिस धर्म के बारे में कहा गया है कि वहां एक भक्ति का नाता ही प्रमुख है, वह धर्म इस तरह की बौनी और बचकानी आलोचना का विषय कैसे हो सकता है। सनातन धर्म तो माता की तरह व्यक्तियों का पोषण करता है। पिता की तरह रक्षण करता है। मित्र की तरह आनंद प्रदान करता है और बंधु-बांधवों की तरह स्नेह प्रदान करता है, उस सनातन धर्म की आलोचना समझ से परे है। धर्मां मातेव पुष्णानि धर्मः पाति पितेवच। धर्मः सखेव प्रीणाति, धर्मः स्निह्यति बंधुवत। अन्नपूर्णा स्तोत्र में कहा गया है कि माता चपार्वती देवी पिता देवो महेश्वरः। बांधवाः शिवभक्ताश्च स्वदेशो भुवनत्रयम। अर्थात भगवती पार्वती मेरी मां हैं। भगवान शंकर पिता हैं और संसार में जितने भी शिव भक्त हैं, वे सभी बंधु-बांधव हैं। इतना उदार है सनातन धर्म। जहां किसी के लिए कोई कटुता नहीं है। जहां सभी अपने हैं। यह अकेला धर्म है जो धरती पर रहने वाले सभी प्राणियों को अपना परिवार मानता है। वसुधैव कुटुंबकम। क्या कोई अपनी ही वंशबेल को अपने ही हाथों नष्ट करेगा, विचार तो इस बिंदु पर होना चाहिए। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि शाश्वतस्य च धर्मस्य अर्थात सनातन धर्म का आधार मैं हूं और मेरा आधार सनातन धर्म है। तात्पर्य यह है कि सनातन धर्म और मैं, ये दो नहीं हैं? प्रत्युत एक ही हैं। सनातन धर्म मेरा ही स्वरूप है गीता में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण को शाश्वत धर्म का गोप्ता (रक्षक) बताया है (11/ 18)। भगवान भी अवतार लेकर सनातन धर्म की रक्षा किया करते हैं (4/8)। सुखस्यैकान्तिकस्य च के जरिये वे ऐकान्तिक सुख का आधार खुद को बताते हैं और अपने आधार को ऐकान्तिक सुख बताते हैं। चाहे ब्रह्म कहो या अविनाशी अमृत कहो? चाहे कृष्ण कहो, चाहे शाश्वत धर्म कहो। चाहे कृष्ण कहो या ऐकान्तिक सुख, एक ही बात है। इसमें कोई आधार आधेय भाव नहीं है? एक ही तत्व है। सनातन धर्म कल्पवृक्ष है। विषहारी मणि है। सदा सुख देने वाली कामधेनु है। धर्म कामघट है। कल्पलता, विद्या और कला की निधि है। भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि इसलिए तुम उस धर्म का प्रेम और आंदोलन से पालन करो। धर्म के पालन के बिना जीवन व्यर्थ है। धर्मःकल्पतरुः मणिः विषहरः रत्नं च चिंतामणिः। धमःकामदुधाः सदा सुखकरी,संजीवन चौषधीः। धर्मः कामघटः चकल्प लतिका विद्या कलानां खनिः, प्रेम्णैनं परमेणपालय हृदा नोचेत वृथा जीवनम। जब तक इस धरा धाम पर धर्म का आचरण होता रहा, राजसत्ता पर धर्म का अंकुश रहा तब तक नहि दरिद्र कोऊ दुखी न दीना। नहि कोई अबुध न लक्षण हीना, वाले हालात बने रहे। सर्वत्र सुख शांति रही। देश सोने की चिड़िया रहा। देश और पूरी धरती को सनातन धर्म ही बचा सकता है।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

अमृतकाल में अष्टलक्ष्मी के गौरव की पुनर्स्थापना

जब भी मैं पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा करता हूं, तो मैं अकसर स्मृतियों में खो जाता हूं और पूरे भारत के साथी युवा मोर्चा कार्यकताओं के साथ की गई अपनी पिछली यात्राओं को याद करता हूं। उन दिनों, परिवहन व संचार संपर्क सुविधाओं की कमी, सुरक्षा के खतरे, बंद और चक्का जाम की असुविधा तथा अवसंरचना की कमी को नजरअंदाज करते हुए, हमने इन अवसरों का उपयोग, क्षेत्र के अपने भाइयों और बहनों के साथ बातचीत करने, उनकी संस्कृति का अनुभव करने और चुनौतियों व समाधानों पर चर्चा करने में किया। हालांकि, परिवर्तन शुरू करने के लिए हमारे अटूट उत्साह और अथक प्रयास को राजनीतिक उपेक्षा, घोर अन्याय और शेष भारत से स्पष्ट अलगाव के कारण कड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा। अफसोस की बात है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य, जो हमारे देश का अभिन्न अंग हैं, को अकसर 'सौतेली बहनें' कहा जाता था। हालांकि, कुछ साल बाद, आज, जब मैं उन्हीं स्थानों की दोबारा यात्रा करता हूं, तो मैं संतुष्टि और राहत की गहरी भावना से भर जाता हूं। हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को आखिरकार वह ध्यान और समर्थन मिल रहा है, जिनके वे हकदार हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों का संदर्भ 'अष्टलक्ष्मी' के रूप दिया जाता है, जो अधिक उपयुक्त है। नौ साल पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी, 'भारत तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक कि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र विकसित नहीं होता।' उस दूरदर्शी विश्वास के साथ, भविष्य में निर्बाध विकास को सक्षम बनाने के लिए पिछले नौ वर्षों में किए गए रणनीतिक प्रयासों ने एक ठोस आधार तैयार किया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने के साथ, भारत सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए बड़े पैमाने पर वित्तपोषण किया। 2014 और 2023 के बीच पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 54 केंद्रीय मंत्रालयों के सकल बजट आवंटन में लगभग 233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 6,600 करोड़ रुपये की नई मंजूर की गई पीएम-डिवाइन योजना, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के लिए आजीविका और विकास के अवसरों का सृजन करेगी। विवेकपूर्ण और लक्षित निवेश के साथ वित्तीय प्रोत्साहन से, सरकार को परिवहन व संचार संपर्क सुविधा तथा अवसंरचना निर्माण जैसी क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिली। 'भूपेन हजारिका सेतु' नदी पर बना भारत का सबसे लंबा पुल है, जो 2003 से लंबित था, का उद्घाटन मई 2017 में किया गया। इससे असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच की यात्रा-अवधि छह घंटे से कम होकर एक घंटे की रह गई है। 25 दिसंबर, 2018 को भारत के सबसे लंबे रेल पुल बोगीबील का उद्घाटन किया गया, जिससे दिल्ली और डिब्रूगढ़ के बीच यात्रा-अवधि में तीन घंटे की कमी आई है। दिलचस्प बात यह है कि पुल का काम 2002 में भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में शुरू हुआ था, लेकिन 2004 में यूपीए के सत्ता में आने के बाद यह काम बाधित हो गया। काम में तेजी 2014 में आई, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बागडोर संभाली। इसी तरह, 2014 से पहले केवल गुवाहाटी रेल-मार्ग से ही जुड़ा था, लेकिन आज राजधानी परिवहन संपर्क परियोजना के तहत अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर भी जुड़ गए हैं और बाकी पांच राज्यों को जोड़ने का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा। हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके स्थलाकृतियों से जुड़ी बाधाओं को दूर कर रहे हैं। हमने पूर्वोत्तर में जिरीबाम-इम्फाल रेल लाइन पर दुनिया के सबसे ऊंचे तटबंध पुल का निर्माण करके विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसके अलावा, पर्यटन और आर्थिक क्षमता को व्यापक प्रोत्साहन देते हुए, पिछले नौ वर्षों में हवाई संपर्क सुविधा में कई गुनी वृद्धि हुई है। 2014 में केवल नौ हवाईअड्डे थे, आज हमारे पास 17 हवाई अड्डे हैं। अरुणाचल प्रदेश का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, डोनी पोलो हवाई अड्डा या अगरतला में महाराजा बीर बिक्रम (एमबीबी) हवाई अड्डे का अत्याधुनिक एकीकृत टर्मिनल, जिसका उद्घाटन 2022 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था, हवाई संपर्क सुविधा में तेजी से हुई प्रगति के उज्ज्वल उदाहरण हैं। पिछली सरकारें लंबे समय से यह तर्क देतीं रहीं कि भूमि से घिरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में कमी अपरिहार्य है। इस बात को चुनौती देते हुए नरेन्द्र मोदी सरकार क्षेत्र की जलमार्ग क्षमता का उपयोग करने के लिए काम कर रही है। 2014 से पहले केवल एक राष्ट्रीय जलमार्ग था और अब पूर्वोत्तर क्षेत्र में 20 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं, जो ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों की विशाल नौवहन क्षमता को रेखांकित करते हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों का निर्माण करते हुए तथा क्षेत्र में आवश्यक परिवहन संपर्क सुविधा को बढ़ावा देकर, पूर्वोत्तर क्षेत्र को एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र बिंदु के रूप में विकसित किया जा रहा है। म्यांमार के साथ 2,904 करोड़ रुपये की कलादान मल्टीमॉडल परियोजना, बांग्लादेश के साथ 1,100 करोड़ रुपये की अगरतला-अखौरा रेलवे परियोजना, 1,548 करोड़ रुपये की भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना आदि ऐसी प्रमुख परियोजनाएं हैं, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के 'पड़ोसी पहले' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के केंद्र में रखती हैं। 1972 के बाद पहली बार 2015 में अंतदेर्शीय जल पारगमन और व्यापार पर भारत बांग्लादेश प्रोटोकॉल का नवीनीकरण और बांग्लादेश के चटग्राम व मोंगला बंदरगाहों के उपयोग तक पहुंच; 'एक्ट ईस्ट' नीति की महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं। क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। 2014 से 2022 के बीच उग्रवाद में 76 प्रतिशत की गिरावट आई है। सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौत की संख्या में क्रमशः 90 प्रतिशत और 97 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

Social Media Corner

सच के हक में...

शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर स्मरण। भारत की स्वतंत्रता के लिए उनका बलिदान और अटूट समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। साहस के प्रतीक, वह हमेशा न्याय और स्वतंत्रता के लिए भारत की अथक लड़ाई का प्रतीक रहेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

मिलाद-उन-नबी के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों, खास तौर पर मुस्लिम भाइयों और बहनों को मुबारकबाद देती हूं। आज पैगम्बर मुहम्मद (स.) के जन्मदिन पर हम सब सद्भाव और भाईचारे के साथ आगे बढ़कर मानवता के कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लें।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

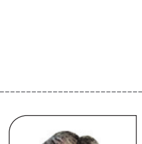

देश की आजादी में अपना सर्वस्व बलिदान देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी, शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जी की जयंती पर शत-शत नमन।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

दक्षिण में भाजपा के लिए मुश्किल

अन्नाद्रमुक का एनडीए से बाहर निकलना और लोकसभा चुनाव के लिए नए मोर्चे के गठन की घोषणा करना निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए एक बड़ा झटका है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी की रणनीति बना रही है। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम का असर तमिलनाडु की राजनीति पर पड़ सकता है और द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन की छोटी पार्टियां ज्यादा सीटें पाने के लिए अन्नाद्रमुक के साथ सौदेबाजी कर सकती हैं। इससे कांग्रेस भी प्रभावित हो सकती है। परिकल्पना कीजिए कि यदि यह सब होता है, तो इससे विपक्षी दलों के ह्यइंडियाह्ण गठबंधन पर भी असर पड़ सकता है, जिसके फलस्वरूप तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस के बीच गठजोड़ भी प्रभावित हो सकता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अब करीब आठ महीने ही बचे हैं। ऐसे में अगर तमिलनाडु की राजनीति में उथल-पुथल और भ्रम की स्थिति बनी रही, तो जाहिर है कि इसका फायदा राज्य में सत्तारूढ़ दल यानी एमके स्टालिन की द्रमुक को मिलेगा। जयललिता के शासन काल में अन्नाद्रमुक भाजपा का एक भरोसेमंद और विश्वसनीय सहयोगी रहा है, जिसने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का समर्थन किया। जयललिता ने अन्नाद्रमुक के चुनावी घोषणा पत्र में इसे शामिल किया था। अन्नाद्रमुक समान विचारधारा वाली ऐसी पांचवीं पार्टी है, जो एनडीए से बाहर हुई है। अकाली दल, शिवसेना, जनता दल (यूनाइटेड) इत्यादि ने पहले ही अपना समर्थन वापस ले लिया और नरेंद्र मोदी सरकार से खुद को अलग कर लिया था। निश्चित रूप से इसने एनडीए को प्रभावित किया। अन्नाद्रमुक द्वारा भाजपा से रिश्ता खत्म करने के बारे में कई कारण बताए जा रहे हैं। इस कहानी में अभी कई मोड़ आएंगे और इस बात की पूरी संभावना है कि अगले एक महीने में तमिलनाडु की राजनीति में काफी बदलाव आएगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' में भी एक बड़ा संकट पैदा हो सकता है। यदि कांग्रेस को 20 लोकसभा सीटों की पेशकश की जाती है और वह अन्नाद्रमुक के साथ जाने के लिए तैयार हो जाती है, तो द्रमुक के अध्यक्ष एमके स्टालिन क्या करेंगे? नई दिल्ली में भाजपा नेताओं ने अन्नाद्रमुक पर आरोप लगाया कि वह सनातन धर्म वाले मुद्दे पर चुप रही। अमित शाह ने एडप्पादी पलानीस्वामी से स्पष्ट रूप से कहा था कि अन्नाद्रमुक द्वारा उदयनिधि स्टालिन की आलोचना करते हुए एक प्रेस बयान जारी किया जाए। लेकिन अन्नाद्रमुक द्वारा भाजपा और एनडीए गठबंधन से नाता तोड़ने के पीछे कुछ और कारण बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अन्नाद्रमुक चाहती थी कि भाजपा अपनी तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई को पद से हटा दे या उस पर अंकुश लगाए। लेकिन जब भाजपा ने इससे इन्कार कर दिया, तो अन्नाद्रमुक ने एनडीए से रिश्ता खत्म करने की घोषणा कर दी। बताया जाता है कि पिछले हफ्ते अन्नाद्रमुक के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी और भाजपा नेता के अन्नामलाई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी, क्योंकि पिछले दिनों अन्नामलाई ने द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुरई के खिलाफ एक आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। लेकिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ऐसा नहीं करना चाहते थे। इस तरह से अन्नाद्रमुक सीट बंटवारे को लेकर नहीं, बल्कि राज्य भाजपा प्रमुख द्वारा अपने संस्थापकों के अपमान के कारण एनडीए गठबंधन से अलग हो गई। गौरतलब है कि अन्नामलाई पूरे तमिलनाडु में ह्यएन मन एन मक्कलह्ण यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं और राज्य में पार्टी के लिए एक मजबूत आधार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए भाजपा नेतृत्व अन्नामलाई का समर्थन कर रहा है।

बांग्लादेश में पस्त है विपक्ष

भारत की तरह बांग्लादेश में भी इस साल दिसंबर या अगले साल के प्रारंभ में आम चुनाव होंगे। भारत में विपक्ष कांग्रेस की अगुआई में इंडिया गठबंधन बनाकर बैठकें कर रहा है और अपने अंतर्विरोधों की उलझी कड़ियां सुलझाते हुए नए उत्साह से आगे बढ़ रहा है, तो बांग्लादेश का विपक्ष अपने नेताओं और कार्यकताओं पर अत्याचार, गिरफ्तारियों, साल-दर-साल चल रहे मुकदमों के बोझ तले दबकर चीख रहा है। इस साल राष्ट्रीय स्तर पर दो बार विपक्ष के लाखों कैडरों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन व घेराव किया, पर हर बार पुलिस की कार्रवाई से उनके हौसले पस्त करने की कोशिश हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पिछले चुनाव से पहले भी एक कार्यवाहक सरकार की देख-रेख में चुनाव की मांग रखी थी, पर 2011 में संविधान में संशोधन के बाद ऐसी सरकार गठित करने का प्रावधान ही खत्म कर दिया गया। अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर के मुताबिक, विपक्ष पिछले ढाई साल से सड़क पर उतरकर देश की शांति और विकास की राह में रोड़े अटका रहा है, जबकि हमारी प्रधानमंत्री का एजेंडा देश में विकास, लोकतंत्र और अमन बरकरार रखना है। हालांकि खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी की संगठन सचिव और विदेश मामलों की प्रभारी शमा ओबेद इस्लाम रिंकू का कहना है, सत्तारूढ़ सरकार विपक्ष का पिछले ढाई सालों से दमन कर रही है। हमारे आंदोलन को कुचलने के लिए हुई पुलिस कार्रवाई में पिछले साल के अंतिम तीन महीनों में ही बीएनपी के 14 कार्यकर्ता मारे गए थे। दो बार प्रधानमंत्री रह चुकीं खालिदा जिया को फरवरी 2018 में भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। 2019 में उन्हें खराब सेहत के चलते रिहा किया गया, शर्त यह थी कि वह ढाका में अपने घर में रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। इस तरह, 76 वर्षीया जिया चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं ले सकतीं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS

07 www.thephotonnews.com
Friday, 29 September 2023

अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा सात गुना बढ़ा

मुंबई:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 7 गुना बढ़कर 9.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछली तिमाही में1.3 अरब डॉलर था।) डेटा गुरुवार को जारी किया गया।आरबीआई ने कहा, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर सीएडी का बढ़ना मुख्य रूप से उच्च व्यापार घाटे के साथ-साथ शुद्ध सेवाओं में कम अधिशेष और निजी हस्तांतरण प्राप्तियों में गिरावट के कारण है।

मुख्य रूप से कंप्यूटर, यात्रा और व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात में गिरावट के कारण शुद्ध सेवा प्राप्तियों में क्रमिक रूप से कमी आई।तिमाही में व्यापारिक व्यापार घाटा बढ़कर 56.6 बिलियन डॉलर हो गया, जो पिछली तिमाही में 52.6 बिलियन डॉलर था, लेकिन एक साल पहले के 63.1 बिलियन डॉलर के घाटे से कम था। निजी हस्तांतरण प्राप्तियां, जो मुख्य रूप से विदेशों में कार्यरत भारतीयों द्वारा प्रेषित धन हैं, 28.6 बिलियन डॉलर से घटकर 27.1 बिलियन डॉलर हो गईं।2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही के लिए सीएडी सकल घरेलू उत्पाद का 1.1 प्रतिशत है जबकि जनवरी-मार्च में यह सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 0.2 प्रतिशत था। अप्रैल-जून 2022 में यह आंकड़ा 17.9 अरब डॉलर या जीडीपी का 2.1 फीसदी था।एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की

प्रमुख अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में उच्च तेल, उच्च कोर आयात और सेवाओं के निर्यात में और मंदी के कारण सीएडी में पर्याप्त वृद्धि देखी जाएगी।अरोड़ा ने कहा, इन सबका मतलब यह होगा कि जुलाई-सितंबर 2023 में सीएडी/जीडीपी अनुपात अप्रैल-जून 2023 के दोगुने से भी अधिक 2.4-2.6 प्रतिशत के बीच हो सकता है । आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने भी जुलाई-सितंबर 2023 में सीएडी के बढ़कर 19 बिलियन डॉलर से 21 बिलियन या जीडीपी का 2.3 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है।

स्नैपचैट की पेरेंट कंपनी स्नैप के एआर डिवीजन पर लगा ताला, 170 कर्मचारी बर्खास्त

नई दिल्ली।

स्नैपचैट की पेरेंट कंपनी स्नैप ने अपने ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) डिवीजन से लगभग 170 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है और इकाई बंद कर दी है।स्नैप के सीईओ इवान स्पीगल ने कर्मचारियों को लिखे एक नोट में कहा कि जब से उन्होंने पहली बार एआर एंटरप्राइज रणनीति अपनानी शुरू की है तब से कई चीजें बदल गई हैं। स्पीगल ने कहा, ÷हमने अपने एआर एंटरप्राइज व्यवसाय को बंद करने का कठिन निर्णय लिया है। पिछले कुछ महीनों में हमारे विकल्पों की खोज करने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि खुदरा विक्रेताओं के लिए हमारे उद्यम की पेशकश को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होगी और हम इस समय वह निवेश नहीं कर सकते हैं। उन्होंने बुधवार देर रात कर्मचारियों को सूचित करते हुए कहा, एआर एंटरप्राइज टीम के कुछ सदस्य कैमराकिट, प्रायोजित एआर विज्ञापन और स्नैपचैट पर हर दिन एआर के साथ जुड़ने वाले 250 मिलियन से अधिक लोगों का समर्थन करने के लिए स्नैप पर बने रहेंगे, लेकिन लगभग टीम के 170 सदस्य अब स्नैप पर काम नहीं करेंगे। स्नैप सीईओ ने स्वीकार किया कि जेनरेटिव एआई के आगमन ने सभी आकार की कंपनियों के लिए अपने ग्राहकों के लिए ट्राई-ऑन अनुभव बनाना आसान बना दिया है और हमारे लिए अपनी पेशकश को अलग करना कठिन बना दिया है। स्पीगल ने कहा, इसके अलावा हमारे व्यावसायिक प्रदर्शन ने इस वृद्धिशील अवसर में निवेश करने की हमारी क्षमता को कम कर दिया है। हमें अपने संसाधनों को अपने मुख्य विज्ञापन व्यवसाय पर केंद्रित करना पड़ा है।कंपनी ने कहा कि जो हमारा व्यवसाय छोड़ रहे हैं उन टीम के सदस्यों को एक पैकेज और आउटप्लेसमेंट देकर उन्‍ हें समर्थन देने की पूरी कोशिश की जाएगी। स्नैप ने पिछले साल अपने 6,400 कर्मचारियों में से 20 प्रतिशत कार्यबल, यानि लगभग 1,280 कर्मचारियों को निकाल दिया था।स्नैपचैट की पेरेंट कंपनी ने इस साल दूसरी तिमाही के दौरान 1.07 बिलियन डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछली तिमाही से अधिक है लेकिन साल-दर-साल कम है।

पहली तिमाही में सार्वजनिक कंपनी के रूप में स्नैप के राजस्व में पहली गिरावट देखी गई, जिससे पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री में 7 प्रतिशत की गिरावट आई।

एप्पल ने आईफोन 15 सीरीज लान्च की

- यूट्यूबर ने थोड़ा सा दवाब डाला तो क्रेक पड़ गए

नई दिल्ली । एप्पल के आईफोन15 प्रो मेक्स को एक यूट्यूबर द्वारा परखा गया तो वह एक ड्यूरेबिलिटी टेस्ट मे फेल हो गया। पॉपुलर टेक यूट्यूबर जेरीग एवरीथिंग ने एप्पल आईफोन15 प्रो मेक्स को लेकर एक ड्यूरेबिलिटी टेस्ट किया। वीडियो में साफ दिखा कि सिर्फ 5 सेकंड के अंदर ही आईफोन ड्यूरेबिलिटी टेस्ट में फेल हो गया है। एक दशक में पहली बार कोई आईफोन ड्यूरेबिलिटी टेस्ट में फेल हुआ है। टेस्ट के दौरान बैक पैनल पर दिए गए ग्लास पर जैसे ही यूट्यूबर ने थोड़ा सा दवाब डाला तो क्रेक पड़ गए। बैक पैनल पर ग्लास दिया है, जो कई छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट गया। बता दें कि साल 2014 में लॉन्च हुआ आईफोन 6 प्लस भी ड्यूरेबिलिटी टेस्ट मे फेल हुआ था। इसके बाद लोगों में आईफोन 6 को खरीदने की दिलचस्पी भी कम हो गई थी। उसमें खराब क्वालिटी की एल्यूमिनियम यूज की गई थी। जिस कारण आईफोन 6 जेब में रहने के कारण भी थोड़ा सा दवाब डलने के कारण बेंड हो जाता था। मालूम हो कि एप्पल कंपनी ने हाल ही में आईफोन 15 सीरीज लान्च कर अपने ग्राहकों को लुभाने का काम किया। कंपनी द्वारा इस नई सीरीज के आईफोन में कई शानदार फीचर दिए गए। कंपनी का दावा है किआईफोन15 प्रो मेक्स में टाइटेनियम का इस्तेमाल किया है, जिसके चलते बेहतर ड्यूरेबिलिटी मिलेगी।

सितंबर में एफआईआई ने शेयर बाजार में 21,640 करोड़ रुपये की बिकवाली की

नई दिल्ली।

सितंबर में अब तक नकदी बाजार में 21,640 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके एफआईआई और अधिक बिकवाली कर सकते हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है। हालांकि बाजार में मतबूती दिख रही है, लेकिन अंडरकरंट कमजोर है। उन्होंने कहा कि डॉलर इंडेक्स 106.59 पर, यूएस 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 4.62 फीसदी पर और ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर से ऊपर कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां हैं जो बाजार को नीचे खींच सकती हैं। निवेशकों को इस समय सतर्क रहना होगा। उम्मीद और आक्रामक खरीदारी से बढ़े मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मुनाफावसूली हो सकती है। उन्होंने कहा कि लार्ज-कैप में सुरक्षा है, खासकर बैंकिंग/वित्तीय, पूंजीगत सामान और ऑटो जैसे क्षेत्रों में।गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 76

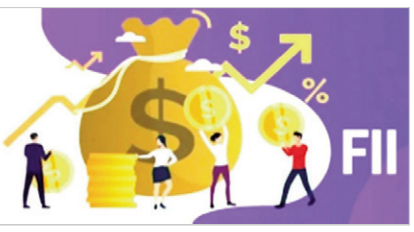

अंक टूटकर 66,042 अंक पर है। टेक महिंद्रा में 3 प्रतिशत से अधिक गिरावट देखी गई।

तेल की कीमतें बढ़ने से बिकवाली के दबाव में निफ्टी, 165 अंक लुढ़का

नई दिल्ली। निफ्टी गुरुवार को सपाट खुला लेकिन जल्द ही तेल की कीमतों में उछाल और कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते बिकवाली के दबाव में आ गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिटेल रिसर्च प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, निफ्टी 165 अंक (-0.8 फीसदी) गिरकर 19,551 के स्तर पर बंद हुआ। ब्रेंट क्रूड की कीमत में तेज वृद्धि से ग्लोबल सेंटीमेंट प्रभावित हुई हैं। ब्रेंट लगभग 98 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और यूएस 10 साल के बांड की यील्ड 4.5 प्रतिशत (16 साल के उच्चतम) से ऊपर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की संभावना को लेकर भी वैश्विक चिंताएं बढ़ रही हैं। निफ्टी मिडकैप100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.3 फीसदी/0.4 फीसदी की गिरावट के साथ व्यापक बाजारों में भी गिरावट आई। उन्होंने कहा कि आईटी और एफएमसीजी में लगभग 2 प्रतिशत की सबसे बड़ी गिरावट के साथ सभी सेक्टर लाल निशान में आ गए। उन्होंने कहा, आगे चलकर, बाजार में कमजोरी तब तक जारी रहने की संभावना है जब तक कि तेल की ऊंची कीमतों और ऊंची ब्याज दरों पर चिंता बनी रहेगी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बिकवाली व्यापक आधार पर थी, क्योंकि तेल की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए निवेशक सतर्क हैं। यदि कच्चा तेल 90 डॉलर के स्तर से ऊपर बना रहता है, तो यह मुद्रास्फीति के लिए भी खतरा होगा। विश्व स्तर पर, अमेरिकी जीडीपी डेटा और फेड प्रमुख के भाषण को ध्यान से देखा जाएगा, जो भविष्य की प्रवृत्ति निर्धारित करेगा। उन्होंने कहा, वर्तमान में, उच्च ब्याज दरों और अमेरिकी बांड यील्ड का संयोजन एफआईआई को बिक्री मोड में रहने के लिए प्रभावित कर रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया एक पैसे बढ़कर 83.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की बढ़त के साथ 83.21 पर पहुंच गया। विदेशी कारोबारियों ने बताया कि शुरुआती सत्र में भारतीय मुद्रा लगभग सपाट कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच घरेलू शेयरों में मजबूती ने रुपए को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.22 पर खुला। इसके बाद 83.25 से 83.20 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद 83.21 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में एक पैसे की बढ़त है। बुधवार को रुपया 83.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखने वाला डॉलर सूचकांक 106.67 पर रहा।

एचपी ने भारत में क्रोमबुक बनाने गूगल से की साझेदारी

नई दिल्ली । पीसी निर्माता कंपनी एचपी ने दो अक्टूबर से भारत में क्रोमबुक के निर्माण के लिए गूगल के साथ साझेदारी की है। एचपी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार क्रोमबुक उपकरणों का निर्माण चेन्नई के पास फ्लेक्स फैसिलिटी में किया जाएगा। एचपी वहां अगस्त 2020 से लैपटॉप तथा डेस्कटॉप की एक श्रृंखला का उत्पादन कर रहा है। एचपी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में क्रोमबुक लैपटॉप के निर्माण से भारतीय छात्रों की किफायती पीसी तक आसान पहुंच मुमकिन होगी। अपने विनिर्माण परिचालन का और विस्तार करके हम सरकार की मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करना जारी रखेंगे।

डिजिटल इंडिया विधेयक में 500 करोड़ तक जुर्माने का प्रस्ताव

नई दिल्ली । सरकार डिजिटल इंडिया विधेयक के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 500 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रस्ताव कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्र प्रस्तावित विधेयक के तहत साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के लिए किसी भी डिजिटल प्रणाली में उत्पन्न, प्रसारित, प्राप्त या पहले से रखे गए आंकड़ों की निगरानी और उसे संग्रह करने के लिए किसी भी सरकारी एजेंसी को अधिकृत कर सकता है। इस पहले का मकसद मालवेयर या वायरस के घुसपैठ या उसे फैलने से रोकना है।

कोकिंग कोयले की बढ़ती दर से भारत में स्टील की कीमते बढ़ीं: झा

नई दिल्ली । कोकिंग कोयले की कीमतों में तेजी से भारत में स्टील की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। उद्योग जगत से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कोकिंग कोयला और लौह अयस्क स्टील के निर्माण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो प्रमुख कच्चे माल हैं। भारत में लौह अयस्क पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जबकि स्टील कंपनियां ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से आयात के जरिए कोकिंग कोयले की अपनी 90 प्रतिशत जरूरत पूरा करती हैं। जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के एक अ धिकारी ने कहा` कि कोकिंग कोयले की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, जो वर्तमान में भारत में 341 अमेरिकी डॉलर प्रति टन सीएफआर (लागत व माल ढुलाई) पर कारोबार कर रही हैं। जून-जुलाई 2023 में यह 230 अमेरिकी डॉलर प्रति टन थी। भारत में स्टील की बढ़ती कीमतों पर किए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि इस्पात उद्योग को कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कोकिंग कोयले की कीमतों में नाटकीय बदलाव आया है। इसलिए उद्योग के पास उपभोक्ताओं पर लागत का भार डालने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

शेयर बाजार टूटा, सेंसेक्स 610 अंक नीचे आया

निफ्टी 19,523 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में से गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी शेयर गिरे जिससे भी बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार पर अंकुश लगा। इसी के कारण सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को घरेलू शेयर एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 610.37 अंक यानी 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ 65,508.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,406.01 अंक तक ऊपर जाने के बाद 65,423.39 तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 192.90 अंक तकरीबन 0.98 फीसदी नीचे आकर 19,523.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,766.65 तक ऊपर जाने के बाद 19,492.10 तक फिसला।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 6 शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। एलएंडटी, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। एलएंडटी के शेयर सबसे ज्यादा 2.14 फीसदी तक बढ़े। इसके अलावा, एसबीआई बैंक के शेयर भी उछले। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 24 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, विप्रो, एमएंडएम, और इंफोसिस सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 4.22 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, आईटीसी, एचयूएल, इंडसइंड बैंक, रिलायंस, जेएसडब्लयू स्टील, टीसीएस, बजाज फाइनैंस, टाइटन के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजार ने तेजी के साथ शुरुआत की है। सेंसेक्स 125.35 अंक की बढ़त के साथ 66,244.04 पर और निफ्टी 28.40 अंक की तेजी के साथ 19,744.90 पर कारोबार कर रहा था। लगभग 1,502 शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। 489 शेयरों में गिरावट पर कारोबार हो रहा है। वहीं 75 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। प्री-ओपनिंग में बाजार में मजबूती देखने को मिली है हालांकि समय के साथ ही बाजार नीचे आने लगा।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 40वें स्थान पर काबिज

नई दिल्ली. विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2023 रैंकिंग में भारत ने 132 अर्थव्यवस्थाओं में से 40वीं रैंक बरकरार रखी है. ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) में भारत कई वर्षों से तेजी से आगे बढ़ रहा है. यह 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2023 में 40वें स्थान पर पहुंच गया है. इस वर्ष नीति आयोग, उद्योग निकाय सीआईआई और विश्व बौद्धिक संपदा के साथ साझेदारी में संगठन (डब्ल्यूआईपीओ), 29 सितंबर, 2023 को जीआईआई 2023 के भारत लॉन्च की वर्चुअल मेजबानी कर रहा है. लॉन्च सत्र में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, सदस्य वी के सारस्वत, सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम डब्ल्यूआईपीओ के जनरल डेरेन टैंग सहित अन्य कई वरिष्ठ गणमान्य शामिल होंगे.. जी आईआई दुनिया भर की सरकारों के लिए अपने संबंधित देशों में नवाचार के नेतृत्व वाले सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए एक विश्वसनीय उपकरण है. पिछले कुछ वर्षों में, जीआईआई ने खुद को विभिन्न सरकारों के लिए एक नीति उपकरण के रूप में स्थापित किया है और उन्हें मौजूदा यथास्थिति पर विचार करने में मदद की है. नीति आयोग के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) भी नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत की यात्रा में सहयोग कर रहा है.

एलन मस्क की सैटेलाइट कंपनी को अगले महीने मिलेगा इंटरनेट लाइसेंस

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक जल्द ही भारत में अपनी ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस शुरू कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी को अगले महीने सरकार की तरफ से ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन (जीएमपीसीएस) के लिए लाइसेंस मिल जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टारलिंक को ऑपरेट करने वाली मस्क की सैटेलाइट कंपनी स्पेस एक्स ने डेटा ट्रांसफर और स्टोरेज का प्रोसेस, सैटेलाइट की लोकेशन, भारत में ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइड करने के प्लान जैसे सभी रेगुलेटरी जरूरतों का काम पूरा कर लिया है। दूरसंचार मंत्रालय से स्टारलिंक को भारत में ब्रॉडबैंक सर्विस प्रोवाइड करने की परमिशन अगले महीने मिल सकती है। बता दें कि सैटेलाइट कंपनी स्टारलिंक करीब एक महीने से भी ज्यादा समय से भारत में अपनी सर्विस शुरू करने की कोशिश कर रही है लेकिन कुछ कारणों की वजह से इसे गृह मंत्रालय से परमिशन नहीं मिल पा रही थी। खबर के मुताबिक, मंत्रालय सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन सर्विस लाइसेंस के लिए स्टारलिंक के प्रपोजल को मान सकता है और उम्मीद है कि लाइसेंस अगले महीने पास हो जाएगा। स्पेसएक्स को इस दौरान, दूरसंचार मंत्रालय, गृह मंत्रालय और अंतरिक्ष मंत्रालय से मंजूरी लेनी पड़ेगी। जिएमपीसीएस के बाद स्टारलिंक को सरकार के कई विभागों और भारत के स्पेस मिनिस्ट्री से मंजूरी लेनी पड़ेगी। इसके बाद कंपनी अपने ऑपरेशन को देशभर में शुरू कर सकती है। वर्तमान में, मुकेश अंबानी की जियो और सुनील मित्तल समर्थित

वन वेब के पास भारत में जीएमपीसीएस लाइसेंस हैं` जियो की साझेदारी लक्जमबर्ग की कंपनी एसईएस के साथ है। जेफ बेजोस के पास भी 'कुइपर' नाम का इसी तरह का एक प्रोजेक्ट है, लेकिन यह अभी तक भारत में नहीं आया है।

गिफ्ट निफ्टी में एक दिन में 15.25 अरब डॉलर का कारोबार

नई दिल्ली । गिफ्ट निफ्टी सूचकांक में एक दिन में रिकॉर्ड 15.25 अरब डॉलर (करीब 1.27 लाख करोड़ रुपए) मूल्य के 38.63 लाख वायदा अनुबंध हुए। एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसई आईएक्स) ने कहा कि सूचकांक 29 अगस्त को पिछले 12.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड कारोबार को पार कर गया है। गिफ्ट निफ्टी, निफ्टी 50 सूचकांक पर आधारित एक डॉलर मूल्य में वायदा अनुबंध है। इसका कारोबार गिफ्ट सिटी में स्थापित एनएसई आईएक्स पर होता है। गिफ्ट निफ्टी की शुरुआत तीन जुलाई, 2023 को होने के बाद से एनएसई आईएक्स पर कारोबार लगातार बढ़ रहा है। पूर्ण स्तर पर संचालन के पहले दिन से, गिफ्ट निफ्टी ने संचयी रूप से 178.54 अमेरिकी डॉलर मूल्य के कारोबार हुए। एनएसई आईएक्स पर विभिन्न उत्पादों में कारोबार का अवसर उपलब्ध है। इसमें भारतीय एकल शेयर वायदा कारोबार, सूचकांक वायदा, मुद्रा वायदा, जिंस वायदा और वैश्विक शेयर शामिल हैं।

जानकारी

अगर तनाव को रखना है दूर तो डाइट में शामिल करें ये पांच सुपर फूड

आज हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी बात को लेकर तनाव में रहता है। अगर कहा जाए कि व्यक्ति के तनाव के पीछे समस्याओं से ज्यादा उसका खान-पान जिम्मेदार है तो शायद कुछ गलत नहीं होगा। जी हां, आजकल लोग पोषण से ज्यादा स्वाद के लिए भोजन करते हैं। जबकि व्यक्ति का आहार ऐसा होना चाहिए, जो उसके शारीरिक विकास के साथ-साथ उसके मानसिक पोषण का भी ध्यान रखें। ऐसा इसलिए, क्योंकि आप जिस तरह का भोजन करेंगे, वैसी ही आपकी दिमागी सेहत होगी। तो आइए आपको बताते हैं, 5 ऐसे सुपर फूड जो आपकी दिमागी सेहत का ध्यान रखते हुए आपको स्ट्रेस से रखेंगे कोसों दूर।

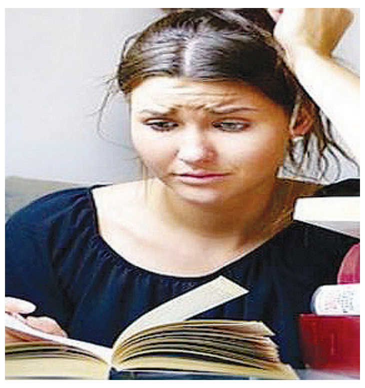

खूब पानी पीएं

आपको तनाव दूर करने के लिए सबसे पहले पानी पीने की आदत डालनी होगी। व्यक्ति को दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए। ऐसा करने से शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है। हाल ही में हुए एक शोध में भी यह पाया गया कि डिहाइड्रेशन व्यक्ति के मेंटल कॉन्सेंट्रेशन लेवल को बिगाड़ देता है।

सुबह का नाश्ता न भूलें

सुबह का नाश्ता शरीर के मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने का काम करता है। सेहत से जुड़े एक शोध में बताया गया है कि जो लोग सुबह का नाश्ता किसी भी वजह से मिस नहीं करते हैं उनमें न करने वालों की तुलना में डिप्रेशन की संभावना 30 प्रतिशत तक कम होती है।

विटामिन डी

विटामिन डी दिमाग और शरीर दोनों को पोषण देने का काम करता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन यानि मानसिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। मनोविशेषज्ञों ने पाया है कि विटामिन डी जिन लोगों में कम होता है, उनमें डिप्रेशन ज्यादा पाया जाता है। जबकि इसकी जरुरतभर भर मात्रा लेने वाले लोगों में डिप्रेशन कम होता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की किरणें हैं। हफ्ते में दो बार 30 मिनट सूरज के सामने खड़े रहने से आपको इसका लाभ मिल सकेगा।

ओमेगा 3

मूड लिफ्टिंग से परेशान लोगों को अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जिसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता हो। ओमेगा 3 फैटी एसिड अवसाद के इलाज के लिए कारगर है। ये न व्यक्ति का अवसाद दूर करता है बल्कि अस्थमा और गठिया को भी ठीक करने का काम करता है। मछली, अखरोट, अलसी के बीज, ऑलिव ऑयल और गाढ़े हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों में ओमेगा 3 फैटी एसिड काफी मात्रा में पाया जाता हैं।

कैफीन की मात्रा कम करें

तनाव को लाइफ से दूर भगाने के लिए आपको कैफिन से दोस्ती तोड़नी होगी, जी हां कैफीन उन लोगों में पैनिक अटैक की संभावना को बढ़ा देती है, जिनको ऐंग्जाइटी डिसऑर्डर है।

जल्दी मोटे कैसे हों?

हम बताएंगे उपाय

आप में से कई ऐसे लोग होंगे, जिनका ऐसा मानना है कि वह कितना भी भोजन कर लें, लेकिन उनका शरीर पतला का पतला ही है। दुबले-पतले शरीर को मोटा बनाने के लिए कई तरह के उपाय करने के बाद भी अगर आप इसमें सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो आपके लिए आज कुछ आसान उपाय बताने जा रहे हैं, जिसके नियमित प्रयोग से आपका वजन जरूर बढ़ेगा और आपको दुबले पतले शरीर से छुटकारा भी मिलेगा।

कैलोरी के साथ उच्च मात्रा में प्रोटीन भी लें

सिर्फ कैलोरी ही आपके वजन को बढ़ाने में मदद नहीं करती। वजन को बढ़ाने के लिए सही मात्रा में प्रोटीन लेना भी बेहद जरूरी है। अंडा, मीट, मछली, चिकन, दाल, अंकुरित अनाज और डेरी उत्पाद की प्रोटीन से शरीर समृद्ध होता हैं। प्रोटीन में एमिनो एसिड होता है, जो आपकी मांसपेशियों के लिए बेहद फायदेमंद है। ये आहार आपकी मांसपेशियों को टोन और बढ़ाने के लिए बेहद लाभदायक हैं।

स्वस्थ वसा

अच्छा वसा मांसपेशियों के विकास और हॉर्मोन्स के उत्पादन के लिए बेहद जरूरी है, जैसे टेस्टोस्टेरोन। ये मांसपेशियों के विकास और मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है। ये मेटाबोलिक के स्तर को बढ़ाती है और इससे शरीर में बेकार वसा निकलने लगता है और अच्छा वसा जमा होता जाता है। अच्छा वसा नट्स, हरी सब्जियों, सल्मोन, अलसी के तेल, एवोकाडो के तेल और अन्य बीज से मिलता है।

वजन बढ़ाने वाले सप्लीमेंट्स

कुछ मामलों में, डाइट और व्यायाम आपकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते और इस तरह आपका वजन वहीं का वहीं रह जाता है। इसलिए वजन को बढ़ाने के लिए दूसरा विकल्प आप चुन सकते हैं - अपने आहार के साथ साथ सप्लीमेंट्स का भी सेवन करें, जैसे प्रोटीन पाउडर जिसे आप अपने दूध में मिलाकर पी सकते हैं। ये सप्लीमेंट्स मांसपेशियों और वजन को बढ़ाने में मदद करते हैं।

योगः योग कई समस्याओं का इलाज करता है, जैसे तनाव, बेकार मेटाबोलिज्म और स्टामिना की कमी आदि। ये आपके वजन को बढ़ाने में भी बेहद फायदेमंद है। कई योगासन को करने से आपकी भूख बढ़ती है जैसे सर्वांगासन और पवनमुक्तासन। ये आपके पेट से संबंधित समस्याओं को ठीक करते हैं और भूख को बढ़ाते हैं।

व्यायामः कमजोर मांसपेशियों में वसा जमा होने से न ही ये मजबूत होती है, बल्कि इनमे मॉस भी बढ़ता है। इसके अलावा कुछ व्यायाम भी हैं जो आपकी मांसपेशियों को बढ़ाने में मदद करेंगे।

- हर दिन दो चम्मच च्यवनप्राश खाने से आपके शरिर को रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, तब आप जो भी भोजन करेंगे उसका सार्थक असर आपके शरिर पर पड़ेगा।
- पाचन तंत्र को बेहत बनाने के लिए मुलेठी का प्रयोग लाभदायक होता है, अगर आपका पाचन तंत्र बेहतर होगा तब आप जो भी भोजन करेंगे वो बेहतर तरीके से पचगेगा और आपके शरिर पर इसका सार्थक असर होगा।
- इसके अलावा शतावरी का प्रयोग भी पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता, जो आपको जल्दी मोटा होने भी मदद करेगा।
- अशवगंधा का दो चम्मच चूर्ण एक चम्मच मक्खन के साथ मिलाकर रात को सोने से पहले लेने से बेहद फायदा होता है। इसका इस्तेमाल लंबाई बढ़ाने में भी फायदेमंद साबित होता है।
- सुखी अंजीर और किशमिश को शाम में पानी में डालकर छोड़ दें और इसका सेवन सुबह करें, कुछ ही दिनों के नियमित प्रयोग से आपको जरूर लाभ होगा।
- एक गिलास दूध के साथ एक आम खाएं, अगर दिन में ऐसा दो-तीन बार करते हैं तो आपको इसका सार्थक असर सप्ताह भर में ही देखने को मिलेगा।

हालांकि, ध्यान रखें कि बीएमआई स्केल के साथ कई समस्याएं भी होती हैं, जो केवल वजन और ऊंचाई पर आधारित होती हैं। यह मांसपेशियों से संबंधित नहीं होता है। कुछ लोग स्वाभाविक रूप से बहुत पतले होते हैं, लेकिन फिर भी स्वस्थ होते हैं। इस पैमाने के अनुसार वजन कम होने का मतलब यह नहीं है कि आपको स्वास्थ्य समस्या है।

कम वजन की समस्या 2-3 गुना लड़कियों और महिलाओं में होना अधिक आम है।

सामान्य से कम वजन होने के कारण

कई चिकित्सकीय स्थितियां हैं जो अस्वास्थ्यकर वजन घटाने का कारण होती हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

आहार-संबंधी विकारः इसमें एनोरेक्सिया नर्वोसा की स्थिति हो सकती है, जो गंभीर मानसिक बीमारी है। इसमें व्यक्ति की अपने शरीर, भोजन और खाने की आदतों के बारे में सोचने-समझने की क्षमता बदल जाती है।

थायराइड संबंधी समस्याएंः हाइपर थायरायडिज्म (थाइरोइड हार्मोन की अधिक मात्रा) होने से चयापचय को बढ़ावा मिलता है और अस्वास्थ्यकर वजन घटने का कारण बन सकता है।

सीलिएक रोगः सीलिएक रोग में ग्लूटन गेहूं में पायी जाने वाली प्रोटीन) खाने से छोटी आंतों को नुकसान होता है। इस बीमारी से ग्रस्त अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि उन्हें ये बीमारी है।

डायबिटीज अनियंत्रितः डायबिटीज (मुख्य रूप से टाइप 1) से भी वजन कम हो जाता है।

कैंसर : कैंसर ट्यूमर अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी बर्न करते हैं और इसके कारण बहुत अधिक वजन कम हो जाता है।

संक्रमणः कुछ संक्रमण बहुत अधिक वजन कम कर सकते हैं। इनमें परजीवी, टीबी और एचआईवी-एड्स संक्रमण प्रमुख हैं। यदि आपका भी वजन कम है, तो आपको डॉक्टर के पास जाना चाहिए। यदि आपने हाल ही में बिना कोशिश किए काफी वजन कम किया है तो उपर्युक्त स्थितियां गौर करने योग्य हैं।

सुझाव

आईलाइनर लगाना भी एक कला है

रखें इन बातों का ध्यान

खूबसूरत दिखने के लिए हल्का सा काजल ही यूं तो काफी होता है, मगर अवसर और पहनावे को देखते हुए कई बार आंखों को आकर्षक दिखाने के लिए अतिरिक्त मेकअप करने की जरूरत होती है। ऐसे में काजल के बाद याद आता है आईलाइनर। मगर इसे इस्तेमाल करना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें-

- आंखों का मेकअप चेहरे का लुक बदल देता है। काजल के बाद अगर आईलाइनर लगा लिया जाए तो आंखें बोल उठती हैं। आजकल आईलाइनर के कई ट्रेंड्स हैं, जो लड़कियों और महिलाओं के बीच पसंद किए जा रहे हैं। रोजाना भले ही ब्लैक आईलाइनर लगाती हों, मगर बात जब पार्टी या फंक्शन की आती है तो ज्यादातर लड़कियां कलर आईलाइनर ही लगाना पसंद करती हैं। हालांकि रंग कोई भी हो इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है कि आईलाइनर लगाया कैसे गया है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें-
- **पलकों के कोने से लगाएंः** आईलाइनर लगाते समय उसे पलकों के बाहरी कोने से लगाना शुरू करें, क्योंकि अंदर के कोने से लाइनर लगाते समय वह मोटी बन सकती है, जिससे चेहरे का लुक बिगड़ सकता है।
- **पेंसिल है बेहतरः** लिक्विड के बजाय कलर या ब्लैक आईलाइनर लगाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। इससे भी आपको पार्टी या फंक्शन में ग्लैमरस लुक मिल सकेगा। ग्लिटर हो तो ऐसा हल्के पेस्टल शेड्स गहरी और लाइट स्किन टोन के साथ मिक्स हो जाते हैं। इसलिए लाइट शेड वाले ग्लिटरी आईलाइनर का ही चुनाव करें।
- ब्लैक या रंग-बिरंगे आईलाइनर हमेशा स्किन टोन के हिसाब से लगाएं। इससे रंगत और निखर जाती है। ब्रश का ध्यान रखें आईलाइनर के लिए ब्रश के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए। इसके लिए एंगल्ड या पतले लाइनर ब्रश सही रहते हैं। ब्लैक और कलर्ड लाइनर, दोनों के लिए ऐसे ब्रश ठीक रहते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2960

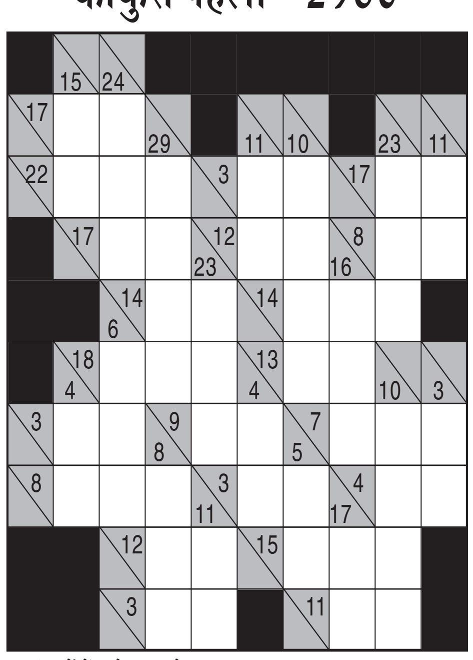

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

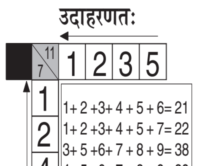

काकुरो - 2959 का हल

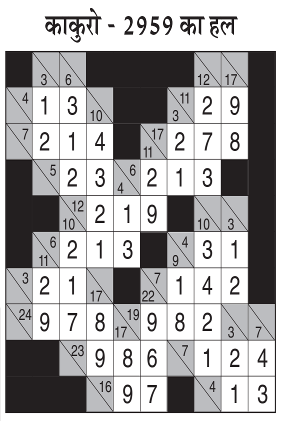

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

फिल्म वर्ग पहेली - 2960

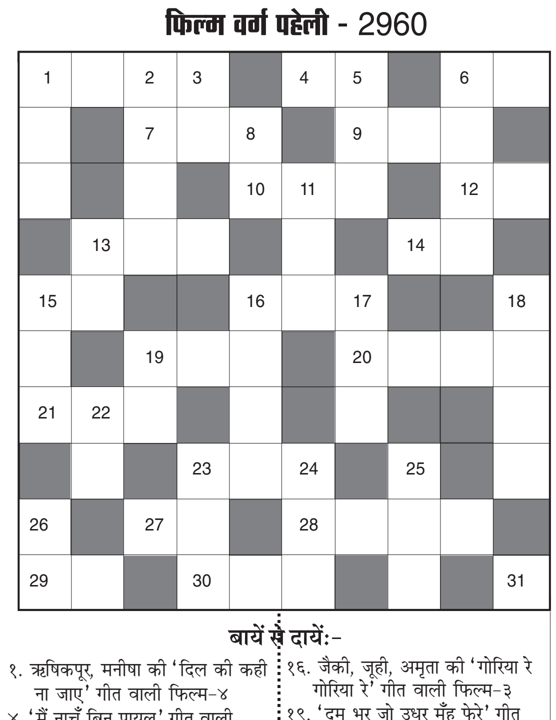

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2959

सूडोकु -2960

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2959 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 2960

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2959 का हल

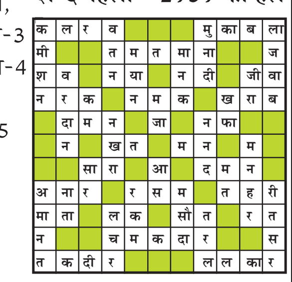

अनुश अग्रवाल ने ड्रेसाज व्यक्तिगत में जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक

हांगझोउ। अनूश अग्रवाल ने गुरुवार को एशियाई खेलों की घुड़सवारी चैंपियनशिप में हांगझोउ के टोंगलू घुड़सवारी केंद्र में ड्रेसाज व्यक्तिगत प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए इतिहास रच दिया। अग्रवाल अपने घोड़े एट्रो पर 73.030 प्रतिशत स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, उन्होंने मलेशिया के बिन मोहम्मद फातिल मोहम्मद काबिल अंबक के पीछे रहकर कांस्य पदक जीता, जिन्होंने 75.780 प्रतिशत स्कोर के साथ स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि हांगकांग के जैकलीन विंग यिंग सिउ ने इंटरमीडिएट ढ्फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में 73.450 प्रतिशत स्कोर के साथ रजत पदक जीता। इस प्रकार अनुश अग्रवाल एशियाई खेलों में ड्रेसाज में व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। हांगझोउ से पहले भारत के सभी पदक इवेंटिंग, शो जंपिंग और टेंट पेगिंग में आए थे। लेकिन गुरुवार को, अनुश अग्रवाल ने ड्रेसाज व्यक्तिगत कांस्य को स्वर्ण पदक में जोड़ा, जो उन्होंने हृदय छेदा, सुदीप्ति हजेला और दिव्यकृति सिंह के साथ कुछ दिन पहले ड्रेसाज टीम स्पर्धा में हासिल किया था। भारत का दुर्भाग्य रहा कि वह इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए क्योंकि छेदा गुरुवार को स्पर्धा से बाहर हो गए।

विश्वकप में खिलाड़ियों की भूमिका को लेकर कोई संशय नहीं : रोहित

कुछ मैचों में खराब प्रदर्शन से नहीं बदलती रणनीति

राजकोट ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि विश्वकप में खिलाड़ियों की भूमिका को लेकर उनके या टीम प्रबंधन के मन में किसी प्रकार का कोई संशय नहीं है। रोहित ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में हार के बाद भी उनकी टीम की रणनीति में कोई बदलाव नहीं आयेगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज 2-0 से जीती है। रोहित ने कहा कि हम वास्तव में बहुत अच्छा खेल रहे हैं। जब हम विश्व कप की 15 सदस्यीय टीम की बात करते हैं तो हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि हम क्या चाहते हैं और किस खिलाड़ी को क्या भूमिका निभानी है। रोहित ने कहा कि हम किसी तरह से संशय में नहीं रहना चाहते हैं। हम इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। रोहित ने कहा कि उनकी टीम ने पिछले कुछ मैचों में चुनौतियों का अच्छी तरह से सामना किया और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में मिली 66 रनों की हार को लेकर परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले सात-आठ मैचों में हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। हमने अलग-अलग हालातों में अच्छा खेल दिखाया। इसमें कुछ अवसरों पर हमें कठिन हालातों का भी सामना करना पड़ा पर हमने उनका अच्छी तरह से सामना किया। कुछ मैचों में ही अपने अनुसार परिणाम न मिलने से हम अपनी रणनीति नहीं बदल सकते हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मिशेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए यह विश्व कप से पहले गेंदबाजों के लय में आने का लाभ उनकी टीम को मिलेगा। कमिंस ने कहा कि स्टार्क और मैक्सवेल ने चोट के बाद शानदार वापसी की। जिससे टीम उत्साहित है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने के करीब पहुंचे शुभमन

आजम की बढ़त का अंतर कम हुआ

दुबई । आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर पहुंचने के करीब हैं। वहीं पहले स्थान पर कायम पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का स्थान खतरे में पड़ा गया है। शुभमन और उनके बीच का अंतर घटता जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद शुभमन और आजम के बीच केवल 10 अंकों का ही अंतर रह गया है। शुभमन ने गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवीसीय सीरीज के पहले दो मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। शुभमन गिल ने शुरुआती दो मुकाबलों के दौरान कुल 178 रन बनाए। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन के अब कुल 847 रेटिंग अंक हैं और वह बाबर से केवल 10 रेटिंग अंक पीछे हैं। अब अगले माह शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप में शुभमन के पास आजम को पीछे छोड़ने का अवसर है। बाबर विश्वकप में शीर्ष रैंकिंग के साथ प्रवेश करेंगे हालांकि बाबर और शुभमन के बीच विश्व कप के दौरान प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी। विश्वकप में अधिक रन बनाकर शुभमन के पास शीर्ष पर आने का अवसर रहेगा।

नवीन-उल-हक विश्वकप के बाद एकदिवसीय नहीं खेलेंगे

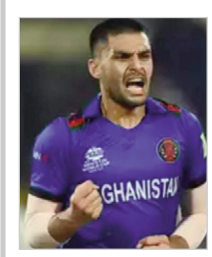

मुम्बई । विवादों में रहे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक ने कहा है कि वह विश्वकप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। नवीन ने कहा कि वह टी20 और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी खेलते रहेंगे। नवीन आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हैं। नवीन ने सोशल मीडिया पर लिखा, अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक अत्यंत सम्मान की बात है। मैं इस विश्व कप के अंत में एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा करना चाहूंगा हालांकिअपने देश के लिए टी20 क्रिकेट खेलता रखूंगा। साथ ही कहा कि मेरे लिए संन्यास का फैसला बेहद कठिन रहा पर अपने खेल करियर को आगे बढ़ाने के लिए मुझे यह कठिन निर्णय लेना पड़ा, मैं अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड और अपने सभी प्रशंसकों को उनके समर्थन और अटूट प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। नवीन ने अब तक 7 एकदिवसीय मैचों में 25.42 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। उन्होंने देश के लिए अंतिम बार जनवरी 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर का एक मैच खेला था। इस प्रारूप में उन्होंने पहला मैच सितंबर 2016 में बांग्लादेश से खेला था। गौरतलब है कि पिछले साल आईपीएल के दौरान नवीन की विराट कोहली से बहस हो गयी थी जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हुई थी। नवीन ने टी20ई में 27 मैचों में 20.70 की औसत से 34 विकेट लिए हैं। अफगानिस्तान टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 6 अक्टूबर को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन ,

रोशिबिना को वुशु में रजत

हांगझोउ ।

एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की नाओरेम रोर्शो बो ना देवी ने गुरुवार को वुशु में रजत पदक जीता। पांचवे दिन भारत का पहला पदक रोर्शो बो ना के नाम रहा। इसके अलावा भारत को पुरुष निशानेबाजों ने एक स्वर्ण पदक भी दिलाया। इससे पहले बुधवार को भारतीय महिला निशानेबाजों ने दो पदक जीते थे। रोशिबिना को महिला 60 किग्रा वुशु सांडा फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी वू शियाओवेई के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। रोशिबिना को इस मुकाबले में गत चैंपियन शियाओवेई के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा। चीन की खिलाड़ी ने मुकाबले में अच्छी शुरुआत कर अपना दबाव बना दिया। जजों ने दो दौर के बाद शियाओवेई को विजेता घोषित किया।चीन की खिलाड़ी पहले दौर से ही आक्रामक दिखी और उन्होंने रोशिबिना को गिराकर अंक बनाए। वहीं भारतीय खिलाड़ी ने वापसी करते हुए शियाओवेई का पैर पकड़कर उन्हें सीमा रेखा से बाहर करने का प्रयास किया पर विफल रहीं। इससे चीन की खिलाड़ी ने 1-0 की बढ़त बनाई। दूसरे दौर में चीन की खिलाड़ी ने रोशिबिना के शरीर के ऊपरी हिस्से पर प्रहार से अंक जुटाया और जीत दर्ज की। रोशिबिना ने साल 2018 में जकार्ता खेलों में कांस्य पदक जीता था। रजत पदक जीतने पर रोशिबिना ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है पर इस बात की निराश है कि मैं देश के लिए स्वर्ण पदक नहीं जीत पाई। भारत ने इन खेलों में अबतक कुल 24 पदक जीते हैं जिसमें 6 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य हैं। मेहुली घोष, आशी चौकसे और रमिता जिंदल ने निशानेबाजी के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत पर निशाना लगाया। वहीं अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह ने नौकायन के पुरुष लाइटवेट डबल स्कल्स (रोइंग) में रजत हासिल किया।बाबू लाल और लेख राम, मेन्स कॉक्सलेस डबल्स- (रोइंग) ने कांस्य पर कब्जा किया। पुरुष कॉक्स्ड 8 टीम- (रोइंग) में रजत सिल्वर जबकि रमिता जिंदल ने महिला वूमेन्स 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी में कांस्य हासिल किया।

ऐश्वर्य तोमर, रुद्रांक्ष पाटिल और दिव्यांश पंवार ने 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट (निशानेबाजी) में सोना जबकि - आशीष, भीम सिंह, जसविंदर सिंह और पुनीत कुमार ने पुरुष कॉक्सलेस 4 (रोइंग) में कांस्य पदक पर कब्जा किया। परमिंदर सिंह, सतनाम सिंह, जकार खान और सुखमीत सिंह ने पुरुष क्वाड्रपल स्कल्स (रोइंग) में कांस्य। वहीं ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने मेन्स 10 मीटर एयर राइफल (निशानेबाजी) में कांस्य जीता।

अनीश, विजयवीर सिद्धू और आदर्श सिंह ने पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (निशानेबाजी) में कांस्य हासिल किया। महिला क्रिकेट टीम ने स्वर्ण जीता। नेहा ठाकुर सेलिंग (डिंगी) में रजत जीता। इबाद अली ने सेलिंगि में कांस्य। घुड़सवारी में भारत ने ड्रेसेज टीम इवेंट (दिव्यकीर्ति सिंह, हृदय विपुल छेड और अनुश अग्रवाला, सुदीप्ति हजेला) में स्वर्ण।

भारत में पाक टीम के शानदार स्वागत से भावुक हुए आजम

शाहीन ने भी स्वागत पर खुशी जतायी

हैदराबाद ।

विश्वकप कप के लिए भारत पहुंचने पर हुए स्वागत से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम अभिभूत हो गये। पाक टीम अगले माह होने वाले विश्वकप के लिए बुधवार रात यहां पहुंची। हवाई अड्डे पर पाक टीम का शानदार स्वागत देखकर बाबर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हैदराबाद में मिले प्यार और समर्थन से अभिभूत हूं। वहीं तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने भी पाक क्रिकेटरों के स्वागत के लिए भारतीयों की सराहना की। पाक टीम कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार रात हैदराबाद पहुंची।

इस दौरान आजम और कुछ अन्य खिलाड़ियों को समर्थकों और मीडियाकर्मियों की ओर हाथ हिलाते देखा गया। कुछ सुरक्षाकर्मियों ने अपने मोबाइल फोन से खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें भी लीं। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को एक पुलिस अधिकारी के साथ बातचीत करते भी देखा गया। पाकिस्तान क्रिकेट के सबसे बड़े प्रशंसक और चाचा के नाम से मशहूर चौधरी अब्दुल जलील टीम के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थे। गौरतलब है कि सात साल में यह पहली बार है जब पा क्रिकेट टीम भारत का दौरा कर रही है। टीम ने आखिरी बार भारत में 2016 में टी20 विश्वकप खेला था। विश्वकप से पहले पाक टीम दो अभ्यास मैच भी खेलेगी। पाक टीम 29 सितंबर को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड से खेलेगी। पाकिस्तान का दूसरा अभ्यास मैच 3 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। फिर, 10 अक्टूबर को श्रीलंका से खेलने से पहले मेहमान टीम 6 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी।

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने जीता स्वर्ण

हांगझोउ ।

एशियाई खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। बुधवार को जहां भारतीय निशानेबाजों ने दो स्वर्ण जीते थे। वहीं गुरुवार को पांचवें दिन भारत को एक स्वर्ण मिला। भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने ये स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही सरबजोत और अर्जुन व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में भी पहुंच गये हैं। इस प्रकार दो स्वर्ण की उम्मीदें बन रही हैं। आज सरबजोत सिह, अर्जुन सिंह चीमा और शिव नरवाल ने करीबी मुकाबले में चीन की टीम को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण अपने नाम किया। इसी के साथ भारत को निशानेबाजी में चौथा स्वर्ण पदक मिला। भारतीय निशानेबाजों ने इन खेलों में अब तक चार स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय निशानेबाजों ने क्वालीफिकेशन में कुल 1734 अंक हासिल किये। ये चीन से एक अंक अधिक हैं। चीन को 1733 अंक मिले और उसे रजत मिला जबकि वियतनाम ने 1730 अंक के साथ ही कांस्य पदक अपने नाम किया।

हमें सुधार करते रहना होगा लेकिन इस गति को विश्व कप में भी जारी रखेंगे: राहुल द्रविड़

राजकोट।

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत की तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया, भले ही भारतीय टीम को फाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। सीरीज में जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और रविचंद्रन अश्विन के प्रदर्शन से द्रविड़ काफी प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा कि उन सभी खिलाड़ियों के लिए विश्व कप से पहले कुछ खेल का समय मिलना महत्वपूर्ण था। द्रविड़ ने बुधवार को तीसरे वनडे के बाद संवाददाताओं से कहा, जसप्रीत, अश्विन, श्रेयस, केएल जैसे लोगों के लिए, खेल का समय प्राप्त करना महत्वपूर्ण था। तथ्य यह है कि वे इसे प्राप्त करने में सक्षम हैं और प्रतिस्पर्धी पक्ष के खिलाफ इसे प्राप्त करना एक अच्छी बात है। अभ्यास मैच में आम तौर पर वे लोग होते हैं 15 बनाम 15 खेलें इसलिए उन खेलों में उस स्तर की गंभीरताहासिल करना कठिन है।यह बहुत अच्छा रहा कि जस्सी (जसप्रीत बुमराह) को कुछ गेम मिले और उन्होंने अपने कोटे के 10 ओवर फेंके। सिराज को एक बग का सामना करना पड़ा, लेकिन वह वापस आ गए और आज गेंदबाजी करने में सक्षम हो गए। यह देखना अच्छा था कि अश्विन ने पहले दो मैचों में कैसी गेंदबाजी की । केएल और 6-7 महीने बाद वापसी करते हुए पूरे पचास ओवर तक उनकी कीपिंग शानदार रही है। श्रेयस ने पिछले कुछ मैचों में कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। मुझे लगता है कि बहुत सारे टिक मार्क हैं... चीजें जिस तरह से चल रही हैं उससे वास्तव में खुश हूं। हम जानते हैं कि हम बेहतर होने जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम विश्व कप में भी इसी लय को बरकरार रख पाएंगे। श्रेयस अय्यर ने पीठ की चोट के बाद वापसी करते हुए सीरीज के दूसरे मैच में 90 गेंदों में 105 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली, जबकि राहुल ने भी दाहिनी जांघ की चोट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी करते हुए एशिया कप के विजयी अभियान के सुपर फोर मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 111 रन बनाए। । उन्होंने मोहाली में एकदिवसीय श्रृंखला के शुरूआती मैच में मैच विजयी अर्धशतक बनाकर इसे कायम रखा। द्रविड़ ने चोट या अन्य ब्रेक के बाद वापसी करने वाले अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया।

हमेशा ऐसे क्षेत्र होते हैं जिनमें आप सुधार करना चाहते हैं, और हमने कई बॉक्सों पर सही का निशान लगाया है। यह देखना अच्छा है कि जो लोग चोट के कारण बाहर हैं, कुछ समय से दूर हैं, हमारे दृष्टिकोण से, वे ऐसा करने में सक्षम हैं कुछ अच्छा क्रिकेट खेलें, बीच में समय बिता सकें, कुछ रन बना सकें, कुछ विकेट ले सकें, लेकिन हमेशा छोटी-छोटी चीजें होती हैं जिनमें आप सुधार कर सकते हैं। यह एक कठिन, लंबा टूर्नामेंट होने जा रहा है। हम एक टीम के रूप में लगातार सुधार करना चाह रहे हैं, भले ही परिणाम हमारे अनुकूल हों। 50 वर्षीय खिलाड़ी ने यह भी पुष्टि की कि टीम 30 सितंबर को होने वाले पहले अभ्यास कार्यक्रम के लिए 28 या 29 सितंबर को गुवाहाटी में इकट्ठा होगी।

द्रविड़ ने कहा, हमारे पास समूह में वायरल (बुखार) के कारण कुछ समस्याएं थीं। यह इस खेल में एक संतुलनकारी कार्य था, क्योंकि लोग व्यक्तिगत कारणों से घर जा रहे थे। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि हर कोई 28 तारीख की रात या 29 तारीख की सुबह तक गुवाहाटी में होगा।

टेनिस खिलाड़ी नागल को नहीं मिल पा रहा प्रायोजक

एटीपी टूर में खेलने के लिए लगा रहे पुरस्कार राशि

नई दिल्ली । भारत के युवा टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। इसी कारण वह उदास हैं। वह पिछले कुछ साल से जर्मनी की नानसेल टेनिस अकादमी में अभ्यास कर रहे थे पर पैसों की कमी के कारण वह 2023 के सत्र के शुरुआती तीन महीनों में अपने पसंदीदा स्थान पर अभ्यास नहीं कर पाए है। देश के नंबर एक एकल खिलाड़ी होने के बाद भी नागल को कोई प्रयोजक नहीं मिल पाया है। इसी कारण एटीपी टूर में खेलने के लिए उन्हें अपनी सारी पुरस्कार राशि, आईओसीएल से मिलने वाला अपना वेतन और महा टेनिस फाउंडेशन से मिलने वाली सहायता राशि तक खर्च करनी पड़ी है। उनका यह खर्च अभ्यास केंद्र में रुकने तथा अपने कोच या फिजियो के साथ टूर्नामेंट के लिए यात्राओं पर होता है। नागल ने कहा, 'अगर मैं अपने बैंक में जमा धनराशि की बात करूं तो मेरे पास इतनी ही राशि है जितनी की वर्ष के शुरुआत में थी हालांकि महा टेनिस फाउंडेशन के प्रशांत सुतार मेरी मदद कर रहे हैं तथा मुझे आईओसीएल से मासिक वेतन भी मिलता है पर मेरे पास कोई बड़ा प्रायोजक नहीं है। नागल ने इस साल 24 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया जिनसे उन्होंने लगभग 65 लाख रुपए की कमाई की। उन्हें सबसे बड़ी पुरस्कार राशि अमेरिकी ओपन से मिली जहां वह क्वालीफायर के पहले दौर में हार गए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें 22000 अमेरिकी डॉलर (करीब 18 लाख रुपए) मिले। उन्होंने कहा, 'मैं जो भी कमाई कर रहा हूं उसे खर्च कर दे रहा हूं। मेरा वार्षिक खर्च लगभग 80 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक है और यह भी तब है जबकि मैं केवल एक कोच के साथ यात्रा करता हूं। मैंने जो भी कमाया उसे खर्च भी कर दिया। नागल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का नंबर एक खिलाड़ी होने के बावजूद मुझे पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। मैं ग्रैंड स्लैम के लिए क्वालीफाई करने वाला एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हूं तथा मैंने पिछले साल ओलंपिक में एक मैच भी जीता था इसके बावजूद सरकार ने मुझे टॉप्स में शामिल नहीं किया है।

विश्वकप में सफल नहीं रहा है पाक का ये दिग्गज बल्लेबाज

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज इंजमाम उल हक अपने जमाने के सबसे बेहतर खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। यहीं कारण है कि पाक प्रशंसक उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी करते रहे हैं। इंजमाम का अंतरराष्ट्रीय सफर अच्छा रहा था पर विश्वकप में वह प्रभावी नहीं रहे हैं। इसमें भी 2003 विश्वकप में भी वह पूरी तरह से फ्लॉप रहे हैं। 2003 विश्वकप में ये बल्लेबाज छह मैचों में केवल 19 रन ही बना पाया था। इस दौरान 6 रन उनका सर्वोच्‍च स्‍कोर रहा था। इंजमाम इस विश्वकप की छह पारियां में से दो में वे खाता भी नहीं खोल पाए थे और पूरे टूर्नामेंट में केवल दो चौके ही लगा पाए थे। यहां तक कि उनका औसत गेंदबाजों सकलैन मुश्ताक और वकार यूनिस से भी कम था। इस विश्वकप में इसी कारण पाक टीम का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा था। इंजमाम ने इस विश्वकप के लिए अपना वजन कम किया था और वे काफी दुबले नजर आए थे। तब भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली ने इंजमाम के वजन को लेकर एक किस्सा सुनाया था। गांगुली ने बताया था, 'विश्वकप में इंजमाम काफी फिट होकर पहुंचे थे। मैंने उनसे पूछा था कि आप इतने फिट कैसे नजर आ रहे हैं तो उन्‍होंने बताया था कि मैंने काफी ट्रेनिंग की है और वजन कम करके टूर्नामेंट के लिए आया हूं. लेकिन इस विश्वकप में वह रन नहीं बना पाए।' सौरव ने कहा, 'इसके बाद जब भी भारत-पाक का मुकाबला होता था, तब मेरी नजर इंजमाम के वजन पर ही रहती थी।मैंने देखा था कि जब इंजमाम का वजन ज्यादा रहता था तो उनकी बल्लेबाजी भी जोरदार रहती थी।' वैसे वर्ल्‍डकप जैसे प्रमुख टूर्नामेंट में इंजमाम का प्रदर्शन उनके कुल एकदिवसीय प्रदर्शन से कमजोर ही रहा है। 378 एकदिवसीय में 39.52 के औसत से 11739 रन इंजी के नाम पर दर्ज हैं जबकि विश्वकप के 35 मैचों में इंजमाम ने 23.90 के औसत से केवल 717 रन बनाए हैं।

क्रिकेट टीम गेम, धोनी ने नहीं भारतीय टीम ने जीता था विश्वकप : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि भारत ने साल 2011 में जो विश्वकप जीता था वह भारतीय टीम की जीत थी। इसलिए इसका श्रेय उस समय के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को ही देना और उन्हें विजेता बताना ठीक नहीं है। डिविलियर्स के अनुसार क्रिकेट एक टीम गेम है। इसलिए जीत में सभी खिलाड़ियों का योगदान रहता है। साथ ही कहा कि किसी एक से टीम को जीत नहीं मिल सकती है। अपने इस बयान से इस स्टार क्रिकेटर ने सभी का ध्यान व्यक्तिगत उपलब्धियों से हटाने का प्रयास किया है। उनका मानना है कि सभी को जीत के लिए सामूहिक प्रयास के महत्व को समझना चाहिये। इस दिग्गज क्रिकेटर ने कहा, क्रिकेट एक टीम गेम है, इसमें कोई खिलाड़ी विश्व कप नहीं जीतता। मैं ऐसा अक्सर सोशल प्लेटफॉर्म पर देखता हूं। धोनी ने विश्वप कप नहीं जीता, भारत ने विश्व कप जीता ये बात याद रखें। यह याद रखें। साथ ही कहा कि केवल बेन स्टोक्स ने साल 2019 में लॉर्ड्स में ट्रॉफी नहीं उठाई , यह टीम इंग्लैंड की जीत थी। इसलिए इसे स्टोक्स की जीत बताना सही नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम के अपने साथी रहे युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की भी तारीफ की है। सिराज के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने एशिया कप 2023 फाइनल में अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, वह हमेशा वापस आता रहता है। वह हमेशा आपके सामने रहता है और मैंने पहले भी ये बात कही है।

रमेश बिधूड़ी को मिली चुनाव की जिम्मेदारी

नई दिल्ली । दक्षिण दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधूड़ी का विवादित बयान सामने आने के बावजूद विधानसभा चुनाव तैयारी की जिम्मेदारी देने पर विपक्षी दलों के नेताओं ने सत्ताधारी पार्टी पर हमला बोल दिया है। विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर विवादों में घिरे सांसद रमेश बिधूड़ी को राजस्थान के टोंक जिले में चुनाव संबंधी जिम्मेदारी सौंपने को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर बुधवार को निशाना साधा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अपने पोस्ट एक्स में लिखा कि, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' बीजेपी का बकवास है।' वहीं तृणमूल कांग्रेस की सासंद महुआ मोइत्रा ने भी बीजेपी को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम सांसद के खिलाफ टिप्पणियां करने के लिए सांसद रमेश बिधूड़ी को पुरस्कृत किया गया है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने अपने पोस्ट एक्स पकहा जिस व्यक्ति को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उसे कैसे बीजेपी नई भूमिका दे सकती है? क्या यह अल्पसंख्यकों के लिए आपकी स्नेह यात्रा है?' दरअसल, टोंक जिले में बड़ी संख्या में गुर्जर समुदाय के बसे होने के कारण बीजेपी मानती है कि बिधूड़ी गुर्जर वोट उसके पक्ष में ला सकते हैं। वह भी गुर्जर समुदाय से आते हैं। इस जिले में विधानसभा की चार सीट हैं, जिनमें से एक से वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट विधायक हैं। पायलट भी गुर्जर हैं। भाजपा सूत्रों ने बताया कि बिधूड़ी की जिम्मेदारी जिले के पार्टी के चुनाव प्रभारी के रूप में होगी। रमेश बिधूड़ी ने भी एक्स पर अपने पोस्ट में कहा है कि जयपुर में टोंक जिले के लिए हुई समन्वय समिति की बैठक में वह शामिल हुए। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष सीपी जोशी भी उस बैठक में उपस्थित थे। लोकसभा में पिछले सप्ताह अली के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने पर कई दलों ने दक्षिण दिल्ली के सांसद बिधूड़ी की आलोचना की थी। विपक्षी दलों ने उन्हें सदन से निलंबित करने की मांग की। उसके बाद बीजेपी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

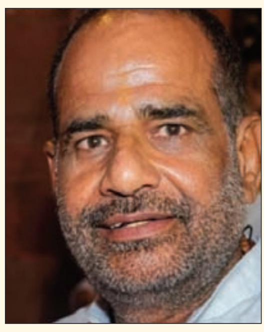

बच्चे को हथियार की तरह इस्तेमाल करना मानसिक क्रूरता

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि तलाक के बाद पति या पत्नी में किसी को भी बच्चे के स्नेह से दूर रखना या बच्चे को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना मानसिक क्रूरता के समान है। इसके साथ ही अदालत ने अलग रह रहे जोड़े के तलाक को भी बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने तलाक देने के 2018 के पारिवारिक अदालत के आदेश के खिलाफ पत्नी की अपील खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि मौजूदा मामले में यह पाया गया है कि बेटी को सेना के अधिकारी पति से पूरी तरह अलग-थलग कर दिया गया और उसे हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने आदेश में कहा, पारिवारिक न्यायालय के विद्वान प्रधान न्यायाधीश ने सही निष्कर्ष निकाला है कि इस तरह से बच्चे का अलगाव उस पिता के प्रति मानसिक क्रूरता का चरम कृत्य है, जिसने कभी भी बच्चे के प्रति कोई उपेक्षा नहीं दिखाई है। अदालत ने कहा, कलह और विवाद उस जोड़े के बीच था जिसने 1996 में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की थी। रिश्ता चाहे कितना भी कड़वा क्यों न हो, बच्चे को इसमें शामिल करना या उसे पिता के खिलाफ भड़काना या उसके खिलाफ एक औजार के रूप में इस्तेमाल करना उचित नहीं था।

इस साल एम्स में हुई रिकॉर्ड तोड़ सर्जरी डेथ रेट में भी आई भारी कमी

नई दिल्ली । इलाज के मामले में एम्स फिर से अपने पुराने लेवल तक पहुंच गया और सर्जरी के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है। 2022-23 में एम्स ने ओपीडी में 42 लाख मरीजों का इलाज किया, वहीं 2 लाख 48 हजार सर्जरी की है, जो किसी भी एक साल में सबसे ज्यादा है। सबसे खास बात यह है कि एम्स ने डेथ रेट और इन्फेक्शन रेट में भारी कमी करने में कामयाबी हासिल की है, जो कहीं न कहीं मरीजों के हित में है। साल 2019-20 में एम्स ने ओपीडी में 44,14,490 मरीजों का इलाज किया था और इसमें से 2,68,144 का एडमिशन हुआ था। वहीं, 2,01,707 की सर्जरी की थी। ओपीडी में 44 लाख मरीजों के एक साल में इलाज का यह अब तक का रिकॉर्ड है। 2022-23 में एम्स ने 42,55,801 मरीजों का इलाज ओपीडी में किया। इसमें से 2,80,770 को एडमिट किया। एडमिशन की संख्या भी अब तक की सबसे ज्यादा है। लेकिन इसमें से 2,48,826 की सर्जरी की गई, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। मार्च 2020 में कोविड का प्रभाव शुरू हुआ था। उस साल 2020-21 में एम्स में सिर्फ 15,42,854 मरीजों को ही ओपीडी में इलाज मिल पाया था। इसलिए एडमिशन संख्या भी मात्र 1,40,962 हो पाई थी। इसका असर सर्जरी पर भी पड़ा था और सिर्फ 72,737 सर्जरी हुई थी।

चंद्रयान के बाद इसरो की नजर शुक्र ग्रह पर

नई दिल्ली । चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने उन तारों के रहस्य सामने लाने की योजना बनाई है जिन पर पर्यावरण होने की बात कही जाती है या जो सौरमंडल से बाहर स्थित हैं। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने इसकी जानकारी दी। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (इनसा) के तत्वावधान में एक व्याख्यान देकर सोमनाथ ने कहा कि एजेंसी शुक्र ग्रह (वीनस) के अध्ययन के लिए एक मिशन भेजने और अंतरिक्ष के जलवायु तथा पृथ्वी पर उसके प्रभाव का अध्ययन करने के लिए दो उपग्रह भेजने की योजना भी बना रही है। उन्होंने कहा कि एक्सपोसैट या एक्स-रे पोलरीमीटर सैटेलाइट इस साल दिसंबर में प्रक्षेपण के लिए तैयार है जो समाप्त होने की प्रक्रिया से गुजर रहे तारों का अध्ययन करने के लिए है। सोमनाथ के मुताबिक, ''हम एक्सोवर्ल्ड्स नामक एक उपग्रह की अवधारणा पर भी विचार कर रहे हैं जो हमारे सौरमंडल से बाहर के ग्रहों और अन्य तारों का चक्कर लगा रहे ग्रहों का अध्ययन करेगा। उन्होंने कहा कि सौरमंडल के बाहर 5,000 से अधिक ज्ञात ग्रह हैं जिनमें से कम से कम 100 पर पर्यावरण होने की बात मानी जाती है।

संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस निलंबन के खिलाफ कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी

अमेठी। अमेठी स्थित संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन के खिलाफ कर्मचारियों और डॉक्टरों का धरना बृहस्पतिवार को भी जारी है जबकि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पर कांग्रेस का सत्याग्रह स्थगित कर दिया गया है। क्षेत्रीय सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी के एक स्थानीय नेता की शिकायत पर कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संजय गांधी चिकित्सालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने आज बताया कि अस्पताल में चिकित्सीय सेवाएं दोबारा शुरू होने तक कर्मचारियों और डॉक्टरों का धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल बंद होने से अमेठी और आसपास के अन्य जिलों के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस इसी महीने 17 सितंबर को दिव्या शुक्ला नामक महिला रोगी की मौत होने के बाद 18 सितंबर को निलंबित कर दिया गया था। मृत महिला के पति ने दावा किया कि आपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया की अधिक मात्रा दिए जाने से दिव्या की हालत बिगड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई। संजय गांधी अस्पताल का संचालन दिल्ली स्थित संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट करता है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी इस ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं तथा पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा इसके सदस्य हैं। कांग्रेस नेता दीपक सिंह ने 25 सितंबर से सीएमओ कार्यालय पर अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू किया था, जो 27 सितंबर की शाम को कैंडल मार्च के साथ समाप्त हुआ। लाइसेंस निलम्बन मामले पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय आगामी तीन अक्टूबर को सुनवाई करेगा। अदालत ने मरीज की मौत के मामले की जांच का विवरण मांगा है। इस बीच, पुलिस अधीक्षक इलामारन ने बताया कि भाजपा नेता केशव सिंह की शिकायत पर कांग्रेस नेता दीपक सिंह के खिलाफ क्षेत्रीय सांसद स्मृति ईरानी के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में बुधवार को गौरीगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। एक अन्य घटनाक्रम में बिजली विभाग ने अमेठी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले सीएमओ कार्यालय पर धरने में शामिल होने के लिए तीन कर्मचारियों मनोज मिश्रा, अनुज तिवारी और नवनीत शर्मा को बर्खास्त कर दिया है।

बंगला नवीनीकरण मामला: केजरीवाल की चुनौती, अगर सीबीआई को कुछ नहीं मिला तो क्या पीएम इस्तीफा देंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अपने आवास के नवीनीकरण से जुड़े आरोपों पर चुप्पी तोड़ी और पूछा कि अगर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपनी जांच में कुछ नहीं मिला तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। केजरीवाल की यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश के एक दिन बाद आई है कि दिल्ली सरकार ने उनके आवास के नवीनीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए।

केजरीवाल ने कहा कि इससे पता चलता है कि पीएम घबराए हुए हैं। यह पहली पूछताछ नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वे पहले ही 50 से अधिक पूछताछ कर चुके हैं। उन्होंने मेरे खिलाफ 33 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। वे पिछले 8 साल से जांच कर रहे हैं लेकिन कुछ नहीं मिला। इसलिए उन्होंने ये नई जांच शुरू की है। यह भी स्वागत योग्य है। कुछ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक चौथी पास राजा से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है? 24 घंटे बस enquiry-enquiry का गेम खेलते रहते हैं, या फिर भाषण देते रहते हैं। काम तो कुछ करते नहीं। वो चाहते हैं कि मैं भी दूसरे नेताओं और पार्टियों की तरह उनके साथ मिल जाऊँ। पर मैं इनके सामने झुकने वाला नहीं, चाहे वो मेरी जितनी मर्ज़ी फ़र्ज़ी enquiry करवा लें, जितने मर्ज़ी केस कर लें।

पीएम पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैं भी उन्हें चैलेंज देता हूँ - जैसे पिछली सारी जाँचों में कुछ नहीं निकला, वैसे ही अगर इस enquiry में भी कुछ नहीं निकला तो क्या झूठी enquiry करने के जुर्म में इस्तीफ़ा देंगे? वहीं, भाजपा के मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली स्तब्ध है, सरकारों और राजनीति में रूचि रखने वाला हर तबका दिल्ली में हुए अपराध और भ्रष्टाचार के इस कांड पर स्तब्ध है, जो अरविंद केजरीवाल द्वारा किया गया है। भारतीय राजनीति के इतिहास में अस्तित्व में आने के बाद अगर किसी पार्टी ने सबसे कम समय में लूट और भ्रष्टाचार का कीर्तिमान स्थापित किया है, तो वह है अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी। जहां तक दिल्ली के राजमहल के भ्रष्टाचार का मामला है, तो दिल्ली का हर व्यक्ति ये मानता है कि इसमें टॉयलेट और पर्दे ही करोड़ो रुपये के लगे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिसने 2013 में सादगी का दम भरा था, वो व्यक्ति 2022 में अपने रहने के लिए राजमहल बना रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार पहुंचेंगे भोपाल, बनाएंगे चुनावी रणनीति

भोपाल (ईएमएस)। पार्टी की अहम बैठकों में भाग लेने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह र ?विवार को मप्र की राजधानी भोपाल पहुंच रहे हैं। वे यहां उम्मीदवारों से फीडबैक लेंगे और मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राज्य के नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा करेंगे। पार्टी के करीबी सूत्रों ने इस की जानकारी देते हुए बताया कि अमित शाह 1 अक्टूबर को सुबह 11ः30 बजे भोपाल पहुंचने वाले हैं और लगभग तीन घंटे तक रुकेंगे। शाह पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगे। गौरतलब है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले शाह का दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है ?कि बीजेपी अब तक मध्य प्रदेश में उम्मीदवारों की तीन सूचियां जारी कर चुकी है, पहली और दूसरी सूची में 39 नाम और तीसरी सूची में केवल एक नाम की घोषणा की गई है।

इन तीन सूचियों में कुल 230 विधानसभा सीटों में से 79 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, जबकि राज्य की शेष 151 सीटों के लिए नामों का खुलासा होना बाकी है। भाजपा ने मंगलवार को राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक भी उम्मीदवार वाली अपनी तीसरी सूची जारी की। पार्टी ने छिंदवाड़ा जिले में अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षित अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए सूची की भी घोषणा की। इससे पहले सोमवार शाम को, भाजपा ने मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए 39 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें पार्टी के चार सांसद और तीन केंद्रीय मंत्री शामिल हैं।

मध्य प्रदेश में भाजपा के कुशासन में कोई सुरक्षित नहीं: प्रियंका गांधी

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक लड़की के साथ बलात्कार की घटना को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा के 20 साल के कुशासन में बच्चियां, महिलाएं, आदिवासी, दलित कोई सुरक्षित नहीं है।

उज्जैन शहर में लगभग 12 वर्षीय एक लड़की सोमवार को सड़क पर खून से लथपथ हालत में पाई गई और चिकित्सा जांच में उसके साथ बलात्कार किए जाने की पुष्टि हुई है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में एक छोटी बच्ची के साथ हुई बर्बरता आत्मा को

झकझोर देने वाली है।

अत्याचार के बाद वह ढाई घंटे तक दर-दर मदद के लिए भटकती रही और फिर बेहोश होकर सड़क पर गिर गई लेकिन मदद नहीं मिल सकी। उन्होंने आरोप लगाया, ये है मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा? भाजपा के 20 साल के कुशासन तंत्र में बच्चियां, महिलाएं, आदिवासी, दलित कोई सुरक्षित नहीं है।''

प्रियंका गांधी ने प्रश्न किया, लाडली बहना के नाम पर चुनावी घोषणाएं करने का क्या फ़ायदा है अगर बच्चियों को सुरक्षा और मदद तक नहीं मिल सकती? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी उज्जैन की घटना को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा था और आरोप लगाया था कि राज्य में बेटियों के साथ दुष्कर्म के लिए सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि प्रदेश की भाजपा सरकार भी गुनहगार है।

रमेश बिधूड़ी और दानिश अली विवाद को लेकर एक्शन में ओम बिरला, संसद की विशेषाधिकार कमेटी को भेजा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा सदस्य रमेश बिधूड़ी द्वारा बसपा के दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल के मुद्दे पर सांसदों की शिकायतों को विशेषाधिकार समिति को भेज दिया है। अली और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और द्रमुक के कनिमोझी सहित कई अन्य विपक्षी सांसदों ने बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इससे इतर निशिकांत दुबे जैसे कई भाजपा सांसदों ने कहा कि बसपा सांसद दानिश अली ने सदन में बोलते समय दक्षिण दिल्ली के सांसद को उकसाया था और आग्रह किया था अध्यक्ष इस पहलू पर भी गौर करें।

सूत्रों ने बताया कि सभापति ने ये सभी शिकायतें बीजेपी सांसद सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली विशेषाधिकार समिति को भेज दी हैं। एक्स पर एक पोस्ट में दुबे ने मामले को समिति को सौंपने के लिए अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि लोकसभा में भाजपा के पास बहुमत है। उन्होंने पिछली कई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि इन मुद्दों की जांच के लिए कोई समिति नहीं बनाई गई और न ही किसी को दंडित किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे होंगे किसानों और मजदूरों के सम्मेलन में शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में किसानों और मजदूरों के सम्मेलन में शामिल होंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के भाटापारा शहर में दोपहर करीब 12 बजे होने वाले कृषक-सह-श्रमिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहेंगे। पिछले दो महीनों में खरगे की यह छत्तीसगढ़ की तीसरी यात्रा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इस राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। राज्य में जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 24.52 लाख किसानों के बैंक खातों में 1895 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत 65 हजार गोबर विक्रेताओं को 5.16 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा राज्य में 33,642 गन्ना उत्पादक किसानों को 57.18 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना की भी शुरुआत की जाएगी। इस योजना के तहत वे निर्माण श्रमिक जो 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और दस साल तक पंजीकृत हैं, उन्हें जीवन भर हर महीने 1500 रुपये की मासिक पेंशन दी जाएगी।

कर्नाटक बंद की इजाजत नहीं, बेंगलुरु में निषेधाज्ञा होगी लागू

बेंगलुरु (एजेंसी)। कई कन्नड़ समर्थक समूहों द्वारा घोषित शुक्रवार के कर्नाटक बंद के मद्देनजर, बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने गुरुवार को कहा कि शहर में बंद की अनुमति नहीं दी जाएगी और आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू की जाएगी। यह बंद पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के विरोध में बुलाया गया है। दयानंद ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 144 गुरुवार आधी रात से 24 घंटे के लिए लागू रहेगी, उन्होंने कहा कि जो लोग विरोध करना चाहते हैं वे फ्रीडम पार्क में ऐसा कर सकते हैं।

दयानंद ने कहा कि हमने उन लोगों को नोटिस जारी किया है जिन्होंने बंद की घोषणा की है। जब राजनीतिक दलों या अन्य संगठनों द्वारा बंद लागू किया जाता है तो हम सार्वजनिक और निजी संपत्ति के विनाश को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। हमारा मानना है कि राजनीतिक दल और संगठन जो इस तरह के बंद का आह्वान करते हैं और उन्हें लागू करते हैं, वे वास्तव में इस तरह के विनाश के लिए सरकार, जनता और नागरिकों को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए उत्तरदायी हैं। पुलिस ने राज्य भर में अतिरिक्त बल तैनात किया है, खासकर दक्षिण कर्नाटक में, जहां कावेरी नदी बहती है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उत्तरी कर्नाटक की तुलना में मैसूरु, कोडागु, मांड्या, चामराजनगर, रामानगर और बेंगलुरु में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। 1,900 से अधिक कन्नड़ समर्थक और अन्य संगठन एक प्रमुख संगठन कन्नड़ ओक्कुटा द्वारा दिए गए बंद के आह्वान का समर्थन करते हैं। संगठन के प्रमुख वतल नागराज ने कहा कि बेलगावी या बीदर से चामराजनगर और मंगलुरु से कोलार तक बंद रखा जाएगा। बेंगलुरु में मंगलवार को बंद रहा और इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। कर्नाटक के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के प्रबंधन संघ के सचिव डी शशि कुमार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि उन्होंने जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों से स्कूलों पर जल्द से जल्द निर्णय की घोषणा करने को कहा है।

कांग्रेस ने नाबालिग से दुष्कर्म पर पीएम मोदी, सीएम शिवराज से मांगा जवाब

-राहुल गांधी ने की उज्जैन में हुई घटना की कड़ी निंदा, दोषियों को कड़ी सजा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उज्जैन में एक नाबालिग से हुए दुष्कर्म की निंदा करे हुए पीएम मोदी व सीएम शिवराज सिंह चौहान से जवाब मांगा है। उन्होंने 12 वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म की भयावह घटना पर भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी भाषणों के बीच बेटियों की चीखें दबा दीं। राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मध्य प्रदेश में 12 साल की लड़की के खिलाफ हुआ भयानक अपराध भारत माता के दिल पर हमला है। मप्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध और नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म की संख्या सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस जघन्य अपराध के पीछे केवल अपराधी ही दोषी नहीं हैं, बल्कि अक्षम भाजपा सरकार भी जिम्मेदार है, क्योंकि वह अपनी बेटियों की रक्षा करने में विफल रही है। राहुल ने कहा कि मप्र में न न्याय है, न कानून व्यवस्था है, न अधिकार है, आज पूरा देश मध्य प्रदेश की बेटियों की हालत से शर्मिंदा है। लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के

प्रधानमंत्री को जरा भी शर्म नहीं है। उन्होंने चुनावी भाषणों, खोखले वादों और झूठे नारों के बीच अपनी बेटियों की चीखें दबा दी हैं।

गौरतलब है कि राहुल की यह टिप्पणी एक मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग लड़की के साथ क्रूरतापूर्वक दुष?कर्म किए जाने और लोगों की उदासीनता का सामना करने के एक दिन बाद आई है, जब उसे उज्जैन में सड़क के किनारे अर्धनग्न अवस्था में छोड़ दिया गया था। वायरल फुटेज में पीड़िता, जो अर्ध-नग्न हालत में थी और उसके शरीर से खून बह रहा था, मदद के लिए एक आदमी के पास जाती देखी गई। वह आदमी डांटकर उसे भगा देता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सड़क पर भटकते हुए उसने मदद के लिए कई दरवाजे खटखटाए, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। आखिरकार वह एक आश्रम पहुंची और वहां के एक पुजारी को उस पर यौन हिंसा का संदेह हुआ, उसने उसे तौलिये से ढक दिया और जिला अस्पताल ले गया। मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

एनआईए का खुलासा, खालिस्तान समर्थक भावनाओं का फायदा उठा रहा पाक

-जांच के बाद अदालत में दाखिल किया आरोपपत्र, भारत के खिलाफ हो रही शाजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने खुलासा किया है कि खालिस्तान समर्थक भावनाओं का फायदा पाकिस्तान उठा रहा है। एनआईए ने दिल्ली की एक अदालत में दाखिल आरोपपत्र में इसका उल्लेख किया है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) गैंगस्टर से आतंकवादी बने हरविंदर सिंह, लखबीर सिंह, अर्शदीप सहित अन्य पर दिल्ली, पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवादी हमलों और लक्षित हत्याओं की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने के लिए अपने आपराधिक नेटवर्क का उपयोग करने देती है। आरोपपत्र में कहा गया है कि गैंगस्टर से आतंकवादी बने हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा जो कि पाकिस्तान में हैं, वहीं लखबीर सिंह उर्फ लांडा तथा अर्शदीप उर्फ अर्श दल्ला जो कि कनाडा में है, वगैरह ने अपने आपराधिक नेटवर्क को आगे बढ़ाया है। बताया जा रहा है कि न केवल पंजाब में, बल्कि पड़ोसी राज्यों के बेरोजगार युवाओं को सनसनीखेज और भयावह वारदात को अंजाम देने के लिए या तो बड़ी रकम की पेशकश की जाती है या अंतिम उपयोगकर्ताओं (जल्लादों) को विदेश में बसाने का वादा किया जाता है।

एनआईए द्वारा आरोप लगाया गया है कि प्रोफाइल हत्याएं 20वीं सदी के आखिरी दशकों में तत्कालीन बॉम्बे अंडरवर्ल्ड आतंकी हमलों की तरह की गईं।

एजेंसी ने अपनी जांच में पाया है कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश?नोई विदेश में रहने वाले अपने सहयोगियों के साथ न केवल जबरन वसूली गतिविधियों में लिप्त हैं, बल्कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) जैसे खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठनों के इशारे पर प्रमुख सामाजिक-धार्मिक और राजनीतिक व्यक्तियों को निशाना बनाने की साजिश भी रच रहे हैं। एनआईए ने कहा कि उगाही गई धनराशि का एक हिस्सा आतंकी फंडिंग और भारत विरोधी कृत्यों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य आतंकी कृत्यों को प्रचारित करने के लिए साइबरस्पेस और सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं।

बताया ज रहा है कि वे बड़े पैमाने पर लोगों के बीच गहरा और व्यापक आतंक पैदा करने की जिम्मेदारी लेते हैं। गौरतलब है कि बिश्नोई गिरोह उत्तर भारत में मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और यहां तक कि विदेशों में इटली, आर्मेनिया, कनाडा, अमेरिका, दुबई, फिलीपींस, पाकिस्तान, अजरबैजान और तुर्की जैसे देशों में भी सक्रिय है। सोशल

मीडिया के द्वारा ये लोग विभिन्न प्लेटफार्म से लाखों अनुयायियों को आकर्षित करते हैं, और अधिक युवाओं को अपने गिरोह में शामिल होने के लिए आकर्षित करते हैं। इसके अलावा, आरोपपत्र में आगे कहा गया है कि पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगभग 553 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा है और इस सीमा से 5 किमी की दूरी के भीतर 456 गांव हैं। जम्मू-कश्मीर से इसकी निकटता इसकी सुरक्षा में एक गंभीर आयाम जोड़ती है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में लगातार भयावह प्रयास होते रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान में आई बाढ़ को बताया जलवायु परिवर्तन का परिणाम

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र ने पिछले साल पाकिस्तान में आई बाढ़ को जलवायु परिवर्तन का परिणाम बताया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पाकिस्तान में पिछले साल आई विनाशकारी बाढ़ को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का परिणाम बताया है। बुधवार को यूएन महासचिव ने कहा कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बड़े पैमाने पर समर्थन की जरूरत है और वह इसका हकदार भी है। उन्होंने कहा कि मैं दानदाताओं से और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का आह्वान करता हूं। उन्होंने कहा कि मामले में इस्लामाबाद को 816 मिलियन डॉलर में से केवल 69 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान अभी भी फंड का इंतजार कर रहा है और देरी से लोगों का जीवन और कठिन हो जाएगा। पाकिस्तान की बाढ़ को जलवायु परिवर्तन से जोड़ने की बात करते हुए उन्होंने कहा, कि देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के एक प्रतिशत से भी कम के लिए जिम्मेदार है, लेकिन इसके लोगों को जलवायु संबंधी प्रभावों से अन्य जगहों के लोगों की तुलना में 15 गुना अधिक भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से लीबिया से लेकर हॉर्न ऑफ अफ्रीका, चीन, कनाडा और उससे आगे तक के लोग प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जलवायु अराजकता की भविष्यवाणी का एक उदाहरण है। इसलिए विकसित देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों के लिए ग्रीन क्लाइमेट फंड में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर देने होंगे। महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने मोरक्को और लीबिया में बाढ़ का जिक्र किया और कहा कि दोनों दुखद घटनाएं एक गंभीर स्थिति की ओर से ध्यान खींचती हैं।

भारतीय शख्स ने अमेरिका में की 2.8 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी

न्यूयॉर्क । मिशिगन में एक 43 वर्षीय भारतीय नागरिक पर 2.8 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी के मामले में आरोप तय किये हैं। मिली जानकारी के अनुसार एक संघीय जूरी ने स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी और वायर धोखाधड़ी की साजिश रचने के लिए उसे दोषी ठहराया है। मुकदमे में पेश दस्तावेजों और सबूतों के अनुसार, योगेश पंचोली मिशिगन के लिवोनिया में स्थित एक घरेलू स्वास्थ्य कंपनी श्रिंग होम केयर इंक का मालिक थे और उसका संचालन करते थे। पंचोली ने कंपनी के अपने स्वामित्व को छुपाने के लिए दूसरों के नाम, हस्ताक्षर और व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी का उपयोग करके कंपनी को खरीदा। बुधवार को न्याय विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि दो महीने की अवधि में, पंचोली और उनके सह-षड्यंत्रकारियों ने बिल बनाया और उन्हें मेडिकेयर द्वारा उन सेवाओं के लिए लगभग 2.8 मिलियन डॉलर का भुगतान किया गया, जो कभी प्रदान नहीं की गई थीं। इसके बाद पंचोली ने इन फंडों को फर्जी कंपनियों के बैंक खातों के माध्यम से और अंततः भारत में अपने खातों में स्थानांतरित कर दिया। पंचोली ने छद्म नाम का उपयोग करते हुए संघीय सरकारी एजेंसियों को झूठे और दुर्भावनापूर्ण ईमेल लिखे। जूरी ने पंचोली को स्वास्थ्य देखभाल और वायर धोखाधड़ी की साजिश, वास्तविक स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी के दो मामलों, मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों, गंभीर पहचान की चोरी के दो मामलों और गवाहों से छेड़छाड़ के एक मामले में दोषी ठहराया। पंचोली को अगले साल 10 जनवरी को सजा सुनाई जानी है। इसमें दो साल की जेल की अनिवार्य न्यूनतम सजा, प्रत्येक साजिश और गवाह से छेड़छाड़ की सजा पर अधिकतम 20 साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ेगा।

डिब्बा खोलते ही हांफने लगे नासा के वैज्ञानिक, सैंपल्स की होगी जांच

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के ओसिरिस-एक्स, यानिकी ओरिजिन्स, स्पैक्ट्रल इंटरप्रेटेशन, रिसोर्स आइडेंटिफिकेशन एंड सिक्यूरिटी- रेगोलिथ एक्सप्लोरर ने बेन्नू एस्टेरॉयड अर्थात क्षुद्रग्रह से जमा किए गए पत्थरों और धूल के नमूनों को पृथ्वी पर पहुंचा दिया है। नासा द्वारा एक डिब्बानुमा कैप्सूल का ढक्कन हटा दिया गया है। जैसे ही इसे हटाया गया, वैज्ञानिक हांफने लगे। यहां गौरतलब है कि यह एक दिन पहले यूटा रेगिस्तान में उतरने के बाद, हाल ही में 25 सितंबर को ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में पहुंचाया गया था। नासा एस्ट्रोमटेरियल्स ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एक वैज्ञानिक खजाना बॉक्स। नासा ने कहा, ढक्कन के अंदर डार्क पाउडर और रेत के आकार के कण पाए गए। एजेंसी के मुताबिक अब वैज्ञानिक पाए गए इन सैंपल्स की स्टडी करेंगे। ओसिरिस-एक्स एक रोबोटिक अंतरिक्ष यान है, जिसे 2016 में लॉन्च किया गया था और इसका नमूना 3 साल पहले 1999 में खोजे गए एक छोटे, कार्बन युक्त बेन्नू एस्टेरॉयड से एकत्र किया गया था। एस्टेरॉयड पर उतरते हुए, ओसिरिस-रेक्स ने इसकी चट्टानी सतह से लगभग 250 ग्राम (9 औंस) धूल इकट्ठा की। वैज्ञानिकों का मानना है कि एस्टेरॉयड से ली गई सामग्री के विश्लेषण से शोधकर्ताओं को सौर मंडल के गठन और पृथ्वी कैसे रहने योग्य बनी, इसे बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। नासा ने कहा कि नमूना हमें उन एस्टेरॉयड्स के प्रकारों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा जो पृथ्वी को खतरे में डाल सकते हैं हालांकि बेन्नू के पृथ्वी से टकराने की आशंका बहुत कम मानी जाती है।

आंखों पर पट्टी बांध कर शतरंज की बिसात बिछाती है लड़की

क्वालालंपुर । मलेशिया की रहने वाली एक लड़की ने अपनी विशिष्ट प्रतिभा के चलते गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। यह 10 साल की शतरंज प्रेमी लड़की काफी सुर्खियों में है। उसे शतरंज से बेहद प्यार है। दरअसल, पुनिथमलार राजशेखर नाम की लड़की आंखों पर पट्टी बांधकर केवल 45.72 सेकंड में शतरंज की बिसात बिछा देती है। इस लड़की ने अपने विशिष्ट टैलेंट से आंखों पर पट्टी बांधकर सबसे कम समय में शतरंज सेट तैयार कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। पुनिथमलार के स्कूल परिसर में एक कार्यक्रम के दौरान, जहां उसके माता-पिता और शिक्षकों के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन भी मौजूद था, सभी उसके आश्चर्यजनक टैलेंट शतरंज कॉस बोर्ड की रिकॉर्ड-सेटिंग के गवाह बने। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के साथ बातचीत के दौरान, पुनिथमलार राजशेखर ने बताया, 'मेरे पिता मेरे कोच हैं, और हम लोग लगभग हर दिन एक साथ खेलते हैं। 10 वर्षीय लड़की ने खुलासा किया कि विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करने का विचार तब आया जब वह ऐसी असाधारण उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली डॉक्यूमेंट्रीज देख रही थी। अपनी रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धि पर उन्होंने बताया कि शतरंज का उसके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे उसे गर्व की भावना से भर गई। इसके अलावा, उसने दूसरे लोगों को भी प्रेरित करने के लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की। रिकॉर्ड बनाने की कोशिश के लिए उनकी प्रेरणा स्रोत के बारे में बताया कि लोगों को अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने के लिए खुद को चुनौती देते देखकर मुझे भी प्रेरणा मिली थी। मैं विशेष रूप से लोगों को व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने और खुद को अपनी सीमाओं से परे धकेलने के विचार से काफी प्रभावित हुई थी और मुझे विश्व रिकॉर्ड बनाने के प्रयास में ऐसा करने का तरीका सही लगा। रिकॉर्ड बनाने के प्रयास के अपनी तैयारी के बारे में लड़की ने बताया, 'मैंने उनकी तकनीक और रणनीतियों को समझने के लिए पिछले रिकॉर्ड धारकों के वीडियो का अध्ययन किया। पुनिथमलार राजशेखर वर्ष 2022-2023 के एशिया के उत्कृष्ट बाल पुरस्कार से नवाजी गई थीं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मलेशियाज़ किड्स गॉट टैलेंट जैसे शो में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। गणित उसका पसंदीदा विषय होने के कारण, वह भविष्य में अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने का सपना भी देखती है।

इराक में शादी समारोह में दूषित भोजन खाने से 50 लोग बीमार

बगदाद- इराक के उत्तरी प्रांत किरकुक में एक शादी समारोह में दूषित भोजन खाने से 50 से अधिक लोग बीमार हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आधिकारिक इराकी समाचार एजेंसी ने बुधवार को प्रांतीय स्वास्थ्य प्रमुख ज़ियाद खलाफ के हवाले से कहा कि यह घटना किरकुक के पश्चिम में हविजा शहर में हुई, जो कि कॉग्नोमिनल प्रांत की राजधानी है। आईएनए के अनुसार, खलाफ ने कहा कि मामले हल्के से लेकर मध्यम श्रेणी के थे और सभी रोगियों को अस्पताल में आवश्यक चिकित्सा उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। यह घटना इराक के उत्तरी प्रांत निनेवेह के एक ईसाई बहुल शहर में एक विवाह हॉल में घातक आग लगने के एक दिन बाद हुई। आग लगने की घटना में 114 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हो गए।

चीन ने तोड़ा समझौता, जयशंकर ने दुनिया को बताया चीन का पूरा सच

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक मंच से चीन को एक बार फिर से लताड़ लगाई है। जयशंकर ने कहा कि चीन अभी तक यह नहीं बता पाया है कि गलवान में झड़प क्यों हुई थी। यह देखना बाकी है कि वे क्या करेंगे। उन्होंने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को भी बहुत असामान्य बताया। भारत में अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर के नेतृत्व में %काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशंस% की बैठक में जयशंकर (एस जयशंकर) ने तंज के लहजे में चीन के बारे में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत के साथ चीन के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। सीमा पर हमेशा दबाव रहता है।

2020 में पीएलए गलवान में बेवजह हमारी सेना के साथ झड़प में शामिल था। बीजिंग की ओर से आज तक कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। चीन बहुत निंदक है। विदेश मंत्री की बात से साफ है कि भारत-चीन के रिश्ते कभी भी सामान्य नहीं रहे हैं। गौरतलब है कि 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाएं आमने-सामने हो गई थीं. दोनों पक्षों के सैनिक लोहे की छड़ों और कंटीले तारों से कई घंटों तक लड़ते रहे। इस खूनी मुठभेड़ में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए। 1975 के बाद यह पहली बार है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जानमाल का नुकसान हुआ है। झड़प के बाद सीमा पर एक तरह से युद्ध की स्थिति बन गई। आखरिकार, दोनों देशों की सेनाओं ने स्थिति को शांत करने के लिए कई दौर की बातचीत की। हालांकि, गर्मी थोड़ी कम होने के बावजूद तनाव कम नहीं हुआ।

बता दें कि गलवान के अलावा दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर तनाव बढ़ा है. दक्षिण चीन सागर में लाल सेना की आक्रामकता के खिलाफ अमेरिका और भारत एकजुट हो गए हैं। बढ़ती गर्मी के बीच बीजिंग ने 28 अगस्त को एक नया नक्शा जारी करके नई दिल्ली के साथ अपना गतिरोध बढ़ा दिया। अक्साई चीन पर भी बीजिंग अपना दावा करता है। जिसके चलते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे विश्लेषक भारत में आयोजित जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं हुए।

हाफिज सईद का बेटा गायब, आतंकी संगठनों और आईएसआई में मचा हड़कंप

इस्लामाबाद। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफिज सईद के बेटे के गायब होने की खबर सामने आ रही है। दावा ये किया जा रहा है कि हाफिज सईद का बेटा कमालउद्दीन गिरफ्तार हो गया है। पाकिस्तान के कई पत्रकारों ने दावा किया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई उनका पता नहीं लगा पाई है। हाफ़िज़ सईद एक पाकिस्तानी नागरिक है और मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नामित आतंकवादी है, जो पाकिस्तान की जेल में बंद है। हाफ़िज़ मुहम्मद सईद पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का भी सह-संस्थापक है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया द्वारा एक आतंकवादी समूह के रूप में नामित किया गया है। मार्च 2023 में पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने जून 2021 में लाहौर में मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड और जेयूडी प्रमुख हाफिज सईद के आवास के बाहर एक शक्तिशाली बम विस्फोट में उनकी भूमिका के लिए तीन लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। 23 जून, 2021 को लाहौर में सईद के जौहर शहर स्थित आवास के बाहर हुए विस्फोट में तीन लोग मारे गए और 20 से अधिक अन्य घायल हो गए, जिससे क्षेत्र में कई घर, दुकानें और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

ट्रूडो के आरोपों पर बड़ा खुलासा क्या आईएसआई ने कराई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या?

ओटावा (एजेंसी)। लगभग 10 दिन हो गए हैं जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि जून में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ था। तब से दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए हैं। दोनों पक्षों से राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया है, नई दिल्ली ने सभी कनाडाई लोगों के लिए वीज़ा सेवाएं निलंबित कर दी हैं और वहां रहने वाले भारतीय प्रवासियों के बीच इसके नतीजों को लेकर डर है। भारत ने बार-बार कनाडा के आरोपों का खंडन किया है, उन्हें बेतुका बताया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां तक ????कहा कि यह भारत सरकार की नीति नहीं थी और ओटावा को वचन दिया कि यदि वे विशिष्ट जानकारी प्रदान करते हैं तो कार्रवाई की जाएगी। लेकिन जब कनाडा अपने विचार पर अड़ा हुआ है कि खालिस्तानी नेता की हत्या के पीछे भारत का हाथ है, तो इसमें एक नया मोड़ आ गया है। सरकार के सूत्रों ने खुलासा किया है कि यह पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस

(आईएसआई) थी जिसने निज्जर की हत्या की साजिश रची।

निज्जर की हत्या में पाकिस्तान का हाथ?

प्रतिबंधित समूह खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वाशिंगटन पोस्ट द्वारा समीक्षा की गई सीसीटीवी फुटेज से निज्जर को गोली मारने और अंततः उसकी हत्या के क्षणों का पता चला है। अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या में कम से कम छह आदमी और दो गाड़ियां शामिल थीं। अखबार ने कहा कि एक सफेद सेडान अचानक सामने आ गई और निज्जर के पिकअप ट्रक को रोक दिया और हुड वाली स्वेटशर्ट पहने दो लोग एक ढके हुए प्रतीक्षा क्षेत्र से आए और ट्रक चालक की सीट पर अपने आग्नेयास्त्रों का निशाना बनाया।

उत्तर कोरियाई के नेता किम ने परमाणु हथियारों का उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया

सियोल। (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने परमाणु हथियारों के उत्पादन में तेजी से वृद्धि करने और ''नए शीत युद्ध'' में अमेरिका का सामना कर रहे देशों के गठबंधन में अपने देश के बड़ी भूमिका निभाने का आह्वान किया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि किम ने देश की संसद के दो दिवसीय सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

संसद सत्र के दौरान देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम का विस्तार करने की किम की नीति को शामिल करने के लिए संविधान में संशोधन किया गया। यह संसद सत्र तब आयोजित किया गया है जब किम ने इस महीने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने तथा सैन्य एवं तकनीकी स्थलों का दौरा करने के लिए रूस के 'फार ईस्ट' क्षेत्र की यात्रा की। किम की टिप्पणियों पर केसीएनए की खबर तब आयी है जब एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने जुलाई में भारी हथियारों से लैस अंतर-कोरियाई सीमा से देश में प्रवेश करने वाले अमेरिकी सैनिक ट्रैविस किंग को रिहा कर दिया।

किंग को रिहा किए जाने से वे अटकलें खारिज हो गयी है कि उत्तर कोरिया, अमेरिका से छूट हासिल करने के लिए उसकी रिहाई में मोलभाव कर सकता है और यह संभावित रूप से अमेरिका के साथ कूटनीति में उत्तर कोरिया की अरूचि को भी दर्शाता है। किम ने संसद में दिए भाषण में परमाणु हथियारों का उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए काम करने पर जोर दिया। उन्होंने अपने राजनयिकों से ''अमेरिका के खिलाफ खड़े देशों के प्रति एकजुटता को बढ़ावा देने'' का भी अनुरोध किया।

नासा ने लाया गहरे अंतरिक्ष से एस्टेरॉयड का नमूना

-250 ग्राम पत्थर से खुलेंगे सौरमंडल के रहस्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने गहरे अंतरिक्ष से एक एस्टेरॉयड का नमूना वापस धरती पर लाया है। यह सौर मंडल के सबसे खतरनाक उल्कापिंडों में से एक बेन्नू का सैंपल है। अमेरिका के लिए यह बेहद ऐतिहासिक रहा। पहली बार इस तरह का कोई मिशन सुरक्षित रूप से उतरा है। ओसीरीस रेक्स स्पेसक्राफ्ट ने 2020 में इस सैंपल को भरा था। नासा इस वस्तु को लेकर और भी अधिक जानना चाहता है। आंकड़ों के मुताबिक अगले 300 वर्षों में यह हमारे ग्रह से टकरा सकता है। हालांकि इसके सैंपल की स्टडी का यह इकलौता कारण नहीं है। इसका एक बड़ा कारण 4.6 अरब साल पहले हमारे सौर मंडल की शुरुआत से जुड़ी जानकारी को समझना है।

नासा के ओसीरीस रेक्स मिशन की टीम ने जब रेगिस्तान में इस कैप्सूल को देखा तो उनमें खुशी छा गई। जहां यह कैप्सूल उतरा है वह जमीन रक्षा विभाग की है, जिस पर लैंडिंग की पुष्टि स्थानीय समयानुसार 10.52 बजे हुआ। निर्धारित समय से यह तीन मिनट पहले उतरा। इस कैप्सूल का आकार एक कार के टायर के आकार का है। 12 किमी प्रति सेकंड की स्पीड से यह वायुमंडल में आया। एक हीटशील्ड और पैराशूट के जरिए इसके उतरने की स्पीड धीमी हो गई। एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन के चीफ इंजीनियर टिम प्रिजर ने कहा कि इस छोटे कैप्सूल ने काम को पूरा किया। यह किसी पंख की तरह धरती पर गिरा।

इस मिशन से जुड़े दांते लॉरेट ने कहा, मैं हेलीकॉप्टर में था, जब मैंने सुरा की पैराशूट खुल गया है और हम सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले हैं, तो मैं उस समय किसी बच्चे की तरह रो रहा था। कैप्सूल के जरिए 250 ग्राम उल्कापिंड के सैंपल को लाया गया है। यह सैंपल सुनने में ज्यादा नहीं लगता। लेकिन नासा की टीमें जिस तरह का टेस्ट करना चाहती हैं, उसके लिए यह पर्याप्त से ज्यादा है। नासा के जॉनसन स्पेस फ्लाइट सेंटर के मुख्य वैज्ञानिक एलीन स्टैनबेरी ने कहा, हम बहुत हाई रिजॉल्यूशन पर बहुत छोटे कणों का विश्लेषण कर सकते हैं। नासा ने इससे जुड़ी तस्वीरें जारी की हैं।

नाजी सैनिक सम्मान पर बिक्षुब्ध पीएम ट्रूडो ने की क्षमायाचना

-कंजर्वेटिव नेता ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की यात्रा की सम्मान के लिए ट्रूडो को बताया जिम्मेदार

ओटावा (एजेंसी)। संसद में एक पूर्व नाजी सैनिक को वॉर हीरो संबोधन से विभूषित करने से बिक्षुब्ध एथंनी रोट के त्यागपत्र पश्चात बुधवार को प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने माफी मांगी। उन्होंने खेद प्रकट करते हुए कहा कि इस गलती से संसद और कनाडा की बदनामी हुई है। यारोस्लाव हुंका (98) नाम का यह सैनिक द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हिटलर की नाजी सेना की उस यूनिट में शामिल था जिसने यहूदियों और रूसी जनता पर अत्याचार किए थे। रूस ने कनाडा की संसद से नाजीवाद की निंदा करने की मांग की है। बता दें प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजियों के लिए लड़ने वाले यूक्रेन के एक पूर्व सैनिक का कीव के नेता की यात्रा के दौरान खड़े होकर अभिवादन करना शर्मनाक है जिसे स्वीकार्य नहीं किया जा सकता। कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे ने बुधवार को कहा कि नाजी इकाई के साथ लड़ने वाले एक यूक्रेनी सैनिक को संसदीय समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण देना देश के इतिहास में सबसे बड़ी राजनयिक शर्मिंदगी है, इस घटना के लिए वे प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को दोषी मानते हैं। पार्लियामेंट हिल पर कंजर्वेटिव कॉकस की बैठक से पहले मीडिया से बात करते हुए पोइलिवरे ने कहा कि ट्रूडो यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की कनाडा यात्रा को सफल बनाने के लिए जिम्मेदार थे और इस कार्यक्रम में यारोस्लाव हुंका के शामिल होने से वैश्विक मंच पर कनाडा की प्रतिष्ठा खराब हुई है। इससे पहले कनाडा में हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर एंथनी रोट ने खेद प्रकट करते हुए मंगलवार को

कहा था कि मुझे नहीं पता था कि वो बुजुर्ग नाजी सैनिक है। मैं कनाडा में रह रहे यहूदी समुदाय के लोगों से माफी मांगता हूं। इस घटना के बाद से ही कनाडा की विपक्षी पार्टी स्पीकर के इस्तीफे की मांग कर रही थीं। दअरसल, नाजियों (एडोल्फ हिटलर की सेना) ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान 11 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया था, जिसमें ज्यादातर यहूदी थे।

रूस ने 44 ड्रोन्स के जरिए किया हमला, यूक्रेन ने 34 को मार गिराने का किया दावा

कीव। यूक्रेन की वायु सेना ने गुरुवार को कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रूस द्वारा रात भर लॉन्च किए गए 44 शहीद ड्रोनों में से 34 को मार गिराया, जबकि एक क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि हमले के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। सेना ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि लड़ाकू विमान, विमान भेदी मिसाइल इकाइयां और मोबाइल फायर ग्रुप हमले को विफल करने के लिए लगे हुए थे। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि उनका क्षेत्र मुख्य निशाना था, लेकिन हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। किपर ने टेलीग्राम पर कहा कि हमारे वायु रक्षा बलों ने उत्कृष्ट काम किया। कोई मार या विनाश नहीं। कोई हताहत नहीं हुआ। गिरे हुए शहीद के मलबे के परिणामस्वरूप सूखी घास पर केवल कुछ छोटी आग लगी थी। यूक्रेन के दक्षिणी बंदरगाह क्षेत्र ओडेसा को जुलाई से रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ा है, जब रूस ने संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता वाले अनाज निर्यात समझौते को छोड़ दिया था, जिसने कीव को अपना अनाज विदेश भेजने की अनुमति दी थी।

आतंकवाद और गधों के बाद अब भिखारियों के एक्सपोर्ट में लगा पाकिस्तान

-प्लेन में भर-भर कर भेज रहा विदेश, सऊदी ने लगाई फटकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करने के लिए जाना जाता है और भारत इसका शिकार रहा है। पाकिस्तान चीन को गधों का निर्यात भी करता था। पाकिस्तान के निर्यात की असामान्य सूची में शामिल हो रहे हैं भिखारी समस्या इतनी विकराल हो गई है कि सऊदी अरब और इराक जैसे देशों ने अब पाकिस्तानी सरकार से भिखारियों के प्रवाह को रोकने का अनुरोध किया है। इतना ही नहीं, मक्का की ग्रैंड मस्जिद के भीतर से गिरफ्तार किए गए ज्यादातर जेबकतरे पाकिस्तानी हैं। जैसा कि रिकॉर्ड मुद्रास्फीति और गरीब पाकिस्तानियों को भोजन और ईंधन की आसमान छूती कीमतों से सबसे अधिक परेशानी हो रही है, पाकिस्तान से भिखारी बड़ी संख्या में पश्चिम एशियाई देशों में आ रहे हैं। प्रवासी पाकिस्तानियों की स्थायी समिति ने हाल ही में यह चिंता जताई।

प्रवासी पाकिस्तानियों के सचिव जीशान खानजादा ने कहा कि पश्चिम एशियाई देशों में हिरासत में लिए गए सभी भिखारियों में से नब्बे फीसदी भिखारी पाकिस्तान से हैं और ये भिखारी इराक और सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं। पाकिस्तान के जियो न्यूज उर्दू ने खानजादा के हवाले से कहा कि इराक और सऊदी अरब के राजदूतों ने हमें बताया है कि पाकिस्तानी भिखारी उमरा वीजा पर जियारत (तीर्थयात्रा) की आड़ में विदेश यात्रा करते हैं और बाद में सड़कों पर भीख मांगने में संलग्न होते हैं। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि मक्का की ग्रैंड मस्जिद के भीतर से गिरफ्तार किए गए अधिकांश जेबकतरे पाकिस्तानी नागरिक हैं।

सीनेटर मंजूर कक्कड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान जीशान खानजादा ने स्थायी समिति को बताया कि विदेशों में लगभग 10 मिलियन पाकिस्तानी नागरिक रहते हैं, जिनमें से एक बड़ी संख्या भीख मांगने में शामिल है। उन्होंने कहा कि ये व्यक्ति वीजा प्राप्त करते हैं और फिर दूसरे देशों में भीख मांगने का सहारा लेते हैं, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से मध्य पूर्व की उड़ानें अक्सर पूरी तरह से भिखारियों से भरी होती हैं। पाकिस्तान के द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, समिति को संयुक्त अरब अमीरात में 1,600,000 और कतर में 200,000 पाकिस्तानियों की मौजूदगी के बारे में सूचित किया गया था।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी है ताहिर राज भसीन

बालीवुड अभिनेताओं में अगर किसी की कला में निखार आया है, तो वह ताहिर राज भसीन हैं। उन्होंने तीव्र एंटागनिस्ट की भूमिका निभाने से लेकर जटिल, स्तरित नायकों को चित्रित करने तक, विविध शैलियों और कथाओं में कदम रखा है। ताहिर को समीक्षकों द्वारा प्रशंसित ये काली काली आंखें, लूप लपेटा, छिछोरे, 83 और मर्दानी जैसी कुछ परियोजनाओं में देखा गया है।

ताहिर राज भसीन अगली बार मिलन लूथरिया की सुल्तान ऑफ दिल्ली में नजर आएंगे। अर्नब रे की पुस्तक सुल्तान ऑफ दिल्ली- असेंशन पर आधारित, सीरीज 60 के दशक की दिल्ली में एक गैंगस्टर के उदय की कहानी है।सुल्तान ऑफ दिल्ली में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने कहा, 'लक्ष्य हमेशा अव्यवस्था को दूर करने वाला काम करना है। जो चीज़ मुझे किसी भी परियोजना के प्रति आकर्षित करती है वह यह है कि वह कितनी अलग है। सुल्तान ऑफ़ दिल्ली एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो वास्तव में मेरे मन में घर कर गया। अर्जुन भाटिया एक ऐसा नायक है जिसमें एक अभिनेता द्वारा निभाए जा सकने वाले हर संभव रंग हैं और उसने मुझे हर दिन सेट पर अपना ए गेम लाने की चुनौती दी है! मैं भाग्यशाली हूं कि मिलन लुथरिया सर ने मुझे मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना और मुझे अपने भव्य दृष्टिकोण का हिस्सा बनाया।

मुझे एक सटीक रोड मैप देना उनके लिए बहुत उदारता थी, फिर भी उन्होंने मुझ पर अपने विचारों को सामने लाने के लिए जगह और स्वतंत्रता का भरोसा दिया।वह आगे कहते हैं, 'मैं अर्जुन भाटिया और सीरीज पर लोगों की प्रतिक्रिया देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। एक अभिनेता के रूप में, मैं ऐसे प्रोजेक्ट करने की इच्छा रखता हूं और मैंने इस सीरीज में अपने भीतर से सब कुछ डाला है। इसलिए, इसे मिल रहा सारा प्यार और सराहना मेरे लिए एक बड़ी व्यक्तिगत मान्यता है। मैं मिलन सर और पूरी टीम के लिए बहुत खुश हूँ! मुझे उम्मीद है कि जब लोग 13 अक्टूबर को यह सीरीज देखेंगे तो वे चौंक जायेंगे।

फिल्म एनिमल से बॉबी देओल की पहली झलक आई सामने, खून से लथपत दिखा चेहरा

तेलुगु डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी की आने वाली चर्चित फिल्म एनिमल से एक्टर बॉबी देओल का फर्स्ट लुक शेयर किया गया है, जिसमें उनका विलेन के रूप में काफी खुंखार रूप दिख रहा है।फिल्म एनिमल का टीजर जल्द ही रिलीज होने वाला है। इसके पहले एक्टर्स का लुक शेयर करने का सिलसिला शुरू हो गया है। फिल्म 1 दिसंबर को रिलीज होगी। इससे पहले रणबीर कपूर, अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना का पोस्टर शेयर किया जा चुका है। तब लोगों में काफी उत्साह देखा गया। वही, अब बॉबी देओल का क्रूर लुक सामने आया है। नए पोस्टर में बॉबी देओल का उग्र व्यक्तित्व की झलक दिख रही है, जो उन्हें फिल्म के नायक के लिए एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनेगा। इस पोस्टर में बॉबी के धांसू लुक को देख लोग मेकर्स की काफी तारीफ कर रहे हैं। फिल्म एनिमल के इस नए पोस्टर में बॉबी देओल का चेहरा खून से सना दिख रहा है। एक्टर इसमें इशारे से चुप रहने का संकेत दे रहे हैं। बॉबी के इस क्रूर लुक वाले पोस्टर के कैप्शन में लिखा है-जानवर के हर दुश्मन के अंदर भी एक जानवर छिपा होता है... ये याद रखना बेटा!!! बॉबी देओल ने फिल्म में जानवर के प्रतिद्वंद्वी/दुश्मन का किरदार निभाया है। इस फिल्म में वे ऐसे चरित्र का प्रतीक है जो उग्र और शांत दोनों है। फिल्म का टीजर 28 सितंबर को रिलीज होगा। टी-सीरीज ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एनिमल से बॉबी का पहला पोस्टर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, एनिमल का दुश्मन। इससे पहले रणबीर से लेकर अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना का पोस्टर शेयर किया जा चुका है। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है, इसकी कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। उनका ये किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहेगा। फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में हैं। उनके साथ रश्मिका मंदाना फीमेल लीड में है। साथ ही अनिल कपूर और बॉबी देओल भी एनिमल में अहम किरदार निभा रहे हैं।फिल्म के निर्माता भूषण कुमार है। एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि यह फिल्म पहले यह 11 अगस्त को रिलीज होने वाली थी।

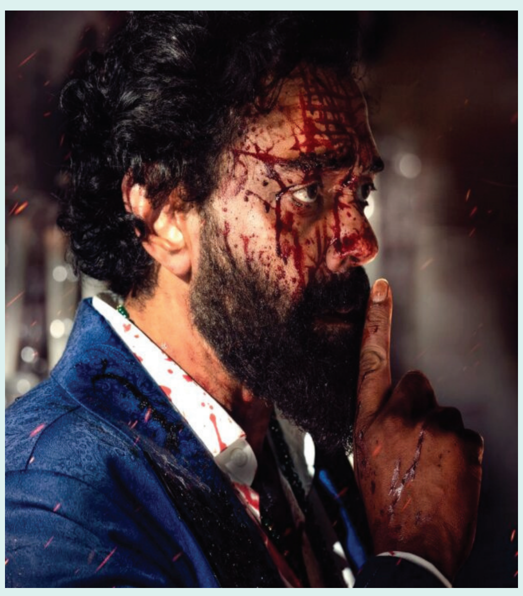

ओटीटी शो पर तंबाकू संबंधी चेतावनी को लेकर भारत सरकार ने कड़े नियमों में किया बदलाव

क्या हॉटस्टार, अमेज़ॅन और नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफार्मों पर फिल्मों और टीवी श्रृंखलाओं में लंबी अवधि के धूम्रपान की चेतावनी होनी चाहिए? जबकि केंद्र सरकार ने इस साल मई में इस मामले पर नए नियम जारी किए थे, स्ट्रीमिंग वेबसाइटों ने कुछ आपत्तियां उठाई थीं। लेकिन, जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। रॉयटर्स की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ऐसे प्लेटफार्मों पर सख्त तंबाकू चेतावनियों के लिए 'व्यावहारिक समाधान' खोजने पर सहमत हुई है। 28 अगस्त को एक बंद कमरे में हुई बैठक में, स्ट्रीमिंग अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्रालय और सूचना और प्रसारण (I&B) मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की और मई के नियमों में ढील देने की मांग की क्योंकि वे उपयोगकर्ताओं के देखने के अनुभव को प्रभावित कर सकते हैं। फेसबुक, व्हाट्सएप और गूगल जैसे प्लेटफार्मों पर संभावित प्रतिबंधों के खतरे को दरकिनार करते हुए, भारत के दूरसंचार निगरानीकर्ता ने सोमवार को कहा कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार सेवाओं को वर्तमान में नियामक ढांचे की आवश्यकता नहीं है। भारत की टेलीकॉम कंपनियां लंबे समय से उन ऐप्स के विनियमन की पैरवी कर रही हैं जो इंटरनेट पर मुफ्त वॉयस और टेक्स्ट सेवाएं प्रदान करते हैं, उनका तर्क है कि ऐसी सेवाएं उनके राजस्व को कम करती हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक बयान में कहा, 'वर्तमान में निर्धारित मौजूदा कानूनों और विनियमों से परे, ओटीटी सेवाओं के रूप में संदर्भित सेवाओं के विभिन्न पहलुओं के लिए एक व्यापक नियामक ढांचे की सिफारिश करना उपयुक्त क्षण नहीं है।' ट्राई ने यह भी कहा कि ओटीटी सेवाओं की गोपनीयता और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर किसी नियामक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

धनुष की कैप्टन मिलर 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साउथ सिनेमा को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाले तमिल सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कैप्टन मिलर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। जिस दिन से फिल्म का एलान हुआ है उसी दिन से दर्शकों के बीच कैप्टन मिलर को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। सभी फिल्म के हर बड़े से बड़े और छोटे से छोटे अपडेट पर नजर बनाए रखते हैं। फिल्म के पोस्टर रिलीज करने से लेकर इसकी मेकिंग पर अपडेट साझा करने के बाद अब मेकर्स ने कैप्टन मिलर की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

मेकर्स ने बताई कैप्टन मिलर की रिलीज डेट

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक कैप्टन मिलर का निर्देशन अरुण माथेश्वरण द्वारा किया गया है। यह एक रोमांचक क्राइम ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। फैंस के इंतजार को घटाते हुए आखिरकार आज मेकर्स फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। फिल्म 15 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर की पुष्टि निर्माताओं द्वारा जारी एक आधिकारिक पोस्टर के साथ की गई।

1980 के दशक में सेट की गई है फिल्म

मेकर्स द्वारा साझा की गई रिलीज डेट इसलिए भी खास थी क्योंकि लायका प्रोडशंस ने धनुष की फिल्म के आधिकारिक ओवरसीज राइट्स भी अपने नाम कर लिए है। बता दें, कैप्टन मिलर 1980 के दशक पर आधारित एक पीरियड-एशन ड्रामा फिल्म है, जिसे सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन ने अपने बैनर सत्य ज्योति फिल्स के तहत निर्मित किया है। फिल्म में धनुष के अलावा मुय भूमिका में प्रियंका मोहन और शिव राजकुमार हैं।

तीन पार्ट्स में बनेगी फिल्म

बताया जा रहा है कि कैप्टन मिलर में धनुष का किरदार पूरी तरह से काल्पनिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में धनुष जबर्दस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। बीते दिनों फिल्म पर निर्माता जी. धनंजयन ने बड़ा अपडेट देते हुए खुलासा किया था कि मूवी को तीन पार्ट में विभाजित करने की योजना बनाई गई है, क्योंकि कहानी दिन पर दिन बड़ी होती जा रही है।

परफॉर्मेंस से एक्ट्रेस मौनी ने किया मंत्रमुग्ध

अपने परफॉर्मेंस से एक्ट्रेस मौनी रॉय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। मौनी अब अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए एक स्पेशल कैबरे डांस सीक्वेंस की तैयारी की है। मौनी ने कहा, मिलन लुथरिया सर वास्तव में बहुत सटीक हैं और वह अच्छे से जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। मुझे याद है कि मैं हमेशा उनसे पूछती थी कि हम किस गाने पर कैबरे कर रहे हैं और उन्होंने हमेशा कहा कि यह एक ऑरिजनल गाना होगा और शानदार होगा। उन्होंने कहा, जब आप शो देखेंगे, तो आप देखेंगे कि मैंने अपने लाइफ में पहली बार जैज करने की कोशिश की है। मैंने इसके लिए काफी रिहर्सल की, क्योंकि इसके लिए अलग बॉडी लैंग्वेज की आवश्यकता होती है और मैं डांस स्टाइल को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थी। मुझे लगता है कि हम सभी मिलन सर के विजन के अनुसार ही चलें।

अर्नब रे की किताब सुल्तान ऑफ दिल्ली- असेंशन पर आधारित, सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित और सुपर्ण वर्मा द्वारा सह-निर्देशित और सह-लिखित है। सीरीज में ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, विनय पाठक, निशांत दहिया और महिला अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा शामिल हैं।

सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। इस बीच, मौनी को आखिरी बार ब्रह्मास्त्र में जुनून के रूप में देखा गया था, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में थे। बता दें एक्ट्रेस मौनी ने सीरिज में एक्ट्रा रिहर्सल के लिए टाइम निकालने और अपनी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी साथ मचाने आ रहे धमाल

अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी एक पारिवारिक फिल्म में पहली बार साथ दिखाई देंगे जिसका नाम 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' है। निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। हिट फिल्म 'ड्रीम गर्ल' के निर्देशक राज शांडिल्य इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। निर्माताओं के अनुसार, यह एक मसाला फिल्म है और दर्शकों को 90 के दशक में ले जाएगी। राजकुमार ने इंस्टाग्राम पर 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के आधिकारिक पोस्टर पर से पर्दा उठाते हुए कैप्शन दिया, 'यह कैसे बाहर आ गया?' तृप्ति डिमरी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से यही पोस्ट साझा किया। फिल्म के निर्माता टी-सीरिज, बालाजी टेलीफिल्म्स और वकाओ फिल्म्स हैं। भूषण कुमार, एकता कपूर साथ मिलकर इस मसाला फिल्म बना रहे हैं। टी-सीरीज ने शानदार पोस्टर के साथ फिल्म का ऐलान किया है। पोस्टर में लिखा गया, 'अतीत का एक धमाका। पारिवारिक ड्रामा 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के जरिए राजकुमार और तृप्ति 90 के दशक की यादें ताजा करने आ रहे हैं।' जाने-माने टेलीविजन और फिल्म राइटर शांडिल्य ने भी ट्वीट कर यह जानकारी दी कि 'ड्रीम गर्ल 2' के बाद यह उनकी अगली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो'जल्द आने वाली है। फिल्म की कहानी भी उनकी लिखी है।